शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 202 | गुवाहाटी | मंगलवार, 14 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम-त्रिपुरा का चुराईबाड़ी सीमा सील पेज 3 | प्रधानमंत्री ने किया एशिया की सबसे बड़ी हथियार प्रदर्शनी एयरो इंडिया का उद्घाटन पेज 4 | सरकार चाहती है कि कोई भी समाज पीछे न रहे : राष्ट्रपति पेज 5 | राजस्थान बजट में की गई घोषणाओं को धरातल पर आमजन में भुनाने की तैयारी पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समस्त जीवों में मनुष्य सर्वश्रेष्ठ बताया गया है; क्योंकि उसके पास आत्मविवेक और आत्मज्ञान है।
ईश्वर चंद्र विद्यासागर

वामपंथियों ने लोगों को गुलाम समझ लिया था : मोदी

अगरतला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी त्रिपुरा की राजधानी अगरतला के स्वामी विवेकानंद मैदान में एक जनसभा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और वामपंथियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वामपंथियों के राज में त्रिपुरा विनाश के राह पर था। उन्होंने लोगों को गुलाम समझ लिया था। दफ्तरों और थानों पर काडरों का राज था। लेफ्ट-कांग्रेस कभी विकास कार्य नहीं कर सकते। इसलिए त्रिपुरा के लोगों ने डबल इंजन की सरकार को चुनने का मन बना लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस चुनाव में मुझे जहां भी जाने का अवसर मिला है मैंने देखा है कि फिर एक बार भाजपा की सरकार बनाने का मन त्रिपुरा के लोगों ने बना लिया है। डबल इंजन की सरकार के लिए आपका समर्थन देखकर मेरी खुशी भी डबल हो गई है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के युवाओं, माता-बहनों ने चंदा की कंपनी वालों को फिर से *रेड कार्ड* दिखा दिया है। त्रिपुरा के लोगों ने ऐलान कर दिया है, उन्हें सबका साथ, सबका विकास वाली सरकार चाहिए। उन्होंने कहा कि आज -शेष पृष्ठ दो पर

36 से ज्यादा सीटें जीतेंगे : सीएम साहा

अगरतला। त्रिपुरा की 60 विधानसभा सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दल 36 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करने वाले हैं। बातचीत के दौरान साहा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा 2018 की तुलना में और भी ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करने जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस चुनाव में -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार बनते ही लागू करेंगे पुरानी पेंशन योजना : प्रकाश करात

अगरतला। सीपीआई(एम) के वरिष्ठ नेता प्रकाश करात ने कहा है कि त्रिपुरा में अगर लेफ्ट-कांग्रेस गठबंधन को जीत मिली तो राज्य में फिर से पुरानी पेंशन योजना लागू की जाएगी। पश्चिमी त्रिपुरा के खैरपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीपीआई (एम) नेता ने यह एलान किया। करात ने कहा कि सत्ता में आने के बाद भाजपा ने ही 2018 में त्रिपुरा में नई पेंशन योजना लागू की थी। करात ने कहा कि त्रिपुरा में लेफ्ट-कांग्रेस की सरकार बनने के बाद सबसे पहला फैसला पुरानी पेंशन योजना को लागू करने का ही लिया जाएगा। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस चुनाव जीती और वहां पुरानी पेंशन योजना लागू कर दी गई, जैसा कि वादा किया -शेष पृष्ठ दो पर

ईसाई समुदाय को नहीं मिलता सम्मान : जॉन बारला

डीमापुर। नगालैंड के डीमापुर में केंद्रीय मंत्री जॉन बारला ने कहा कि ईसाई समुदाय ने राष्ट्र निर्माण में बहुत योगदान दिया है, लेकिन उन्हें वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं। यह बात उन्होंने राष्ट्रीय ईसाई परिषद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि ईसाई समुदाय के लोगों को एकजुट होना होगा और देश की आजादी से पहले और बाद में, उनके योगदान के बारे में बाताना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कहा कि ईसाई समुदाय द्वारा निर्मित संस्थानों में पढ़े लोग आईएएस अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर और यहां तक कि राजनेता भी बने हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

नीतीश पर कुर्सी का टुकड़ा फेंका, बाल-बाल बचे

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को बाल-बाल बच गए। औरंगाबाद में भीड़ से एक व्यक्ति ने उन पर टूटी हुई कुर्सी के टुकड़े से हमला कर दिया। टुकड़ा सीएम की तरफ तेजी से आया। हालांकि सीएम बच गए। इसके बाद अफरातफरी मच गई। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें घेरे में ले लिया। समाधान यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार औरंगाबाद के बारुण प्रखंड के कंचनपुर पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री को पंचायत भवन का उद्घाटन -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

लद्दाख में भारतीय निगरानी ड्रोन दुर्घटनाग्रस्त

लद्दाख (हि.स.)। लद्दाख में भारतीय निगरानी ड्रोन सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। इस कारण सभी नागरिक उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को देखते हुए पिछले साल जुलाई में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने भारतीय सेना को वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ ऊंचाई वाले क्षेत्रों और पहाड़ी इलाकों में सटीक निगरानी करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित ड्रोन उपलब्ध कराए थे। माना जा रहा है कि आज दुर्घटना का शिकार हुआ -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यसभा 13 मार्च तक स्थगित

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में सोमवार को विपक्ष के हंगामे की वजह से बजट सत्र को दूसरे भाग 13 मार्च (सोमवार) तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष लगातार अडानी समूह के मामले में संसदीय समिति से जांच कराए जाने की मांग कर रहा है। राज्यसभा की कार्यवाही एक बार स्थगित होने के बाद दोबारा शुरू होने पर सभापति ने प्रश्न काल संचालित कराना चाहा। विपक्ष की ओर से अडानी मुद्दे पर संसदीय समिति से जांच और कांग्रेस सांसद रजनी पाटिल के निलंबन का मुद्दा उठाया गया। सभापति ने विपक्ष को -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में बड़े हमले की फिराक में आईएसआई

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत में बड़े हमले की फिराक में है। उनका कहना है कि भारत हाई अलर्ट पर रहे, ताकि सीमा पार से घुसपैठ को रोका जा सके और भारतीय पक्ष को भी कार्रवाई न करनी पड़े। सूत्रों अनुसार आतंकी किसी राजनेता या किसी बड़ी शख्सियत पर हमले की फिराक में हैं और इसको लेकर पंजाब पुलिस को अलर्ट कर दिया है। वहीं पुलिस ने जम्मू से पंजाब आने वाले सभी रास्ते की सुरक्षा बढ़ा दी है। सूत्रों

नई दिल्ली। खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से भारत के जम्मू क्षेत्र में आतंकियों के घुसपैठ करने की कथित रूप से आशंका जताई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खुफिया एजेंसियों का कहना है कि के हवाले से पाकिस्तान सरकार का दावा है कि नियंत्रण रेखा के इस पार मुजफ्फराबाद समेत अन्य कस्बों में अफगानिस्तान, खैबर पख्तूवां और पंजाब प्रांत से आए आतंकियों की धरपकड़ के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

तीन साल में एक लाख से ज्यादा दैनिक वेतनभोगियों ने की आत्महत्या : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2019 से 2021 तक तीन वर्षों में कुल 1,12 लाख लाख दैनिक वेतन भोगियों ने आत्महत्या की। केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि इस अवधि के दौरान 66,912 गृहिणियों, 53,661 स्व-नियोजित, 43,420 वेतनभोगी और 43,385 बेरोजगार व्यक्तियों ने आत्महत्या की। प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय मंत्री ने बताया कि तीन वर्षों (2019, 2020, 2021) में 35,950 छात्रों ने आत्महत्या की। इसके अलावा 31,839 उन लोगों ने भी आत्महत्या की जो किसान और खेतिहर मजदूर थे। उन्होंने कहा कि असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008 के अनुसार सरकार को जीवन और विकलांगता कवर, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था संरक्षण और केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित किसी भी अन्य लाभ से जुड़ी उपयुक्त कल्याणकारी योजनाएं तैयार करके दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों सहित असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा -शेष पृष्ठ दो पर

कॉलेजियम की सिफारिशों के अनुसार हो जजों की नियुक्ति : एससी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र से यह सुनिश्चित करने को कहा कि शीर्ष न्यायालय के कॉलेजियम द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण से जुड़े मुद्दों पर जो कुछ किए जाने की उम्मीद है, उनमें से ज्यादातर कर लिया गया है। न्यायमूर्ति एस.के. कौल की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि वह न्यायाधीशों की नियुक्ति से जुड़े कुछ मुद्दों को लेकर चिंतित है। महान्यायवादी (अटार्नी जनरल) आर वेंकटरमणी के उपस्थित नहीं रहने के कारण शीर्ष न्यायालय ने दो याचिकाओं की सुनवाई दो मार्च के लिए स्थगित कर दी। इनमें से एक याचिका में आरोप -शेष पृष्ठ दो पर

परंपरा और विज्ञान का मेल करना चीन से सीखें : भागवत

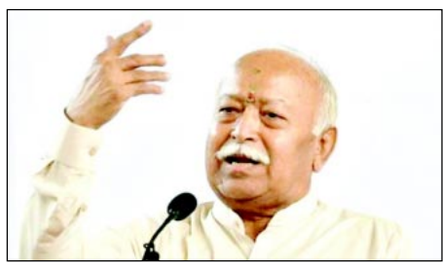

नागपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि परंपरागत औषधियों का ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का मेल होना चाहिए। चीन में परंपरागत और आधुनिक उपचारों का समन्वय हुआ है। भारतीय फार्मेसी क्षेत्र को चीन से यह सीखना चाहिए। नागपुर के नंदनवन में स्थित आदर्श इन्स्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि फार्मेसी बहुत अच्छा क्षेत्र है। फार्मेसी का अध्ययन करने वाले छात्रों को नौकरी के लिए भटकना नहीं पड़ता। यही छात्र चाहे तो अपने ज्ञान के दम पर खुद का रोजगार चला सकता है। फार्मेसी विज्ञान को सीखने के बाद हमारे परंपरागत ज्ञान को हम इससे जोड़ सकते हैं क्या? इसपर विचार होना चाहिए। बकौल भागवत इस तरह -शेष पृष्ठ दो पर

खुदरा महंगाई बढ़कर 6.52 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली। खुदरा महंगाई के मोर्चे पर एक बार फिर झटका लगा है। खुदरा महंगाई जनवरी महीने में बढ़कर तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। सोमवार को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, खुदरा महंगाई जनवरी में बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 6.52 फीसदी पर पहुंच गई। दिसंबर 2022 में खुदरा महंगाई दर 5.72 फीसदी रही थी। इस बढ़ोतरी के साथ अप्रैल में होने वाली आरबीआई पॉलिसी में एक बार फिर रेपो रेट बढ़ोतरी तय लग रही है क्योंकि महंगाई की दर आरबीआई के लक्ष्य से फिर -शेष पृष्ठ दो पर

विदेशी रक्षा कंपनियां स्वदेशी अभियान में शामिल हों : रक्षामंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को एयरो इंडिया में हिस्सा लेने आए विदेशी रक्षा कंपनियों के प्रमुखों से भारत के स्वदेशीकरण अभियान में शामिल होने का आह्वान किया। *सीईओ राउंड टेबल* में उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत सरकार रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में निजी क्षेत्र के भागीदारों की ऊर्जा, उद्यमशीलता की भावना और क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय रक्षा निर्माण उद्योग हमारी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालकों में से एक है। सरकार ने रक्षा उद्योग को प्रमुख क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया है, जो हमारे आत्मनिर्भरता मिशन को बढ़ावा देगा। बेंगलुरु के येलहंका एयरबेस स्थित एयरफोर्स स्टेशन में एयरो इंडिया के पहले दिन उन्होंने कहा कि सरकार रक्षा उद्योग के लिए नीति निर्माण, सुविधा और विनियमन का काम कर रही है। दूसरी ओर निजी उद्यमी के संसाधनों का अधिक से अधिक इस्तेमाल कर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। आगे उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और एक रोमांचक भविष्य की ओर अग्रसर है। हमें उम्मीद है कि अगले पांच साल में हम तीसरी -शेष पृष्ठ दो पर

सदन को *नगर पालिका* न बनाएं : ओम बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को पश्चिम बंगाल के कुछ सदस्यों में नोकझोंक के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनसे कहा कि सदन को *नगर पालिका* नहीं बनाएं। सदन में प्रश्नकाल में पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य सौमित्र खान ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते का विषय उठाया और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव से पूरक प्रश्न पूछा कि क्या केंद्र इस मामले में ध्यान दे सकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के कर्मचारी भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उन्हें महंगाई भत्ता नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

एलटीटीई चीफ प्रभाकरन जिंदा है : पाझा नेदुमारन

कोलंबो/नई दिल्ली। लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम यानी एलटीटीई का चीफ वेलुपिल्लई प्रभाकरन जिंदा है। तमिलनाडु के कांग्रेस नेता और वर्ल्ड कन्फेडरेशन ऑफ तमिल के अध्यक्ष पाझा नेदुमारन ने सोमवार को यह दावा किया। नेदुमारन ने कहा कि प्रभाकरन न सिर्फ जिंदा हैं बल्कि स्वस्थ भी हैं। हमें भरोसा कि इससे उनकी मौत की अफवाहों पर विराम लगेगा और वे जल्द ही दुनिया के सामने आएंगे। नेदुमारन के बयान के बाद तमिलनाडु कांग्रेस चीफ केएस अलागिरी ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। अगर प्रभाकरन सामने आते हैं तो मैं जाकर उनसे मिलूंगा। मुझे उनसे कोई प्रॉब्लम नहीं हैं। प्रभाकरन को करीब 14 साल पहले श्रीलंका सरकार ने मृत घोषित कर दिया था। उसके बाद श्रीलंका के जाफना में लिट्टे और वहां की सेना के बीच संघर्ष खत्म होने का ऐलान भी किया गया था। श्रीलंका की सरकार के मुताबिक, एलटीटीई चीफ प्रभाकरन 17 मई, 2009 को श्रीलंकाई -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

असम राइफल्स ने चंफाई से बरामद की 3.51 करोड़ की सुपारी

चंफाई। असम राइफल्स के जवानों ने मिजोरम के चम्फाई जिले में मेलबुक क्रॉसिंग के सामान्य क्षेत्र में 3.51 करोड़ रुपए मूल्य के अवैध सुपारी के 780 बैग बरामद किए। एक बयान में कहा गया है कि असम राइफल्स (पूर्व) के महानिरीक्षक के तत्वावधान में 23 सेक्टर असम राइफल्स की सेरचिप बटालियन ने 13 फरवरी 2023 को सामान्य क्षेत्र मेलबुक क्रॉसिंग, चम्फाई में 3.51 करोड़ रुपए मूल्य के अवैध सुपारी के 780 बैग बरामद किए। विशेष सूचना के आधार पर असम राइफल्स और सीमा शुल्क विभाग, चम्फाई की एक संयुक्त टीम द्वारा ऑपरेशन को अंजाम दिया गया था। बयान में आगे कहा गया है कि असम राइफल्स की टीम ने भारत-म्यांमार सीमा के साथ मेलबुक क्रॉसिंग पर डंप की गई वस्तुओं को बरामद किया। जब्त की गई खेप को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए 13 फरवरी, 2023 को सीमा शुल्क विभाग, चम्फाई को सौंप दिया गया। अवैध वस्तुओं की जारी तस्करी मिजोरम राज्य के लिए चिंता का एक प्रमुख कारण है। असम राइफल्स, जिसे पूर्वोत्तर के प्रहरी के रूप में जाना जाता है, ने मिजोरम में तस्करी गतिविधियों के खिलाफ अपने प्रयासों को जारी रखा है। कुछ दिनों पहले मुख्यालय आईजीएआर (दक्षिण) के तत्वावधान में असम राइफल्स की टेंग्नौपाल बटालियन ने टेंग्नौपाल जिले के खुदेंगथबी में ब्राउन शुगर ड्रग्स की सीमा पार तस्करी को नाकाम कर दिया। स्थायी वाहन चेक पोस्ट, खुदेंगथाबी में नियमित जांच के दौरान, टेंग्नौपाल बटालियन के सैनिकों ने ब्राउन शुगर के 22 पैकेट बरामद किए, जिनका वजन 813 ग्राम था, जिसे एक महिला कम्यूटर द्वारा तस्करी कर लाया जा रहा था।

अनुच्छेद 371 (एच) को संशोधित करने की मांग

इटानगर (हि.स.)। सेव अरुणाचल सेव इंडिजिनस (सासी) ने सोमवार को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 371 (एच) को संशोधित करने के लिए राज्य विधानसभा में हाल ही में पारित निजी सदस्य प्रस्ताव पर कारवाई की मांग करते हुए राज्य सरकार को एक महीने का अल्टीमेटम दिया। सोमवार को प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, सासी के अध्यक्ष रोमजीर रक्षप ने कहा कि वे 13 अगस्त, 2021 से संसद में अनुच्छेद 371 (ए) और 371 (जी) को लाकर पारित या संशोधित करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2021 में विधानसभा सत्र के दौरान विधायक निनॉन्ग एरिंग द्वारा प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया गया था। बिल के पारित किए जाने पर राज्य सरकार द्वारा आश्वासन दिया गया था कि सभी पार्टियों के प्रतिनिधियों को शामिल कर प्रतिनिधिमंडल गठित किए जाएंगे और अनुच्छेद 371 (एच) में संशोधन की मांग के लिए नई दिल्ली जाएंगे, लेकिन आज तक सरकार की ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया है। रोमजीर ने चेतावनी देते हुए कहा, सासी ने राज्य सरकार से तुरंत पहल करने और जल्द से जल्द एक सर्वदलीय समिति बनाने और एक महीने के भीतर व्यावहारिक रूप से कार्य करने की मांग की। ऐसा नहीं होने पर लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध अप्रवासियों की प्रभावी जांच के लिए बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर रेगुलेशन 1873 के तहत वर्तमान इनर लाइन परमिट (आईएलपी) मानदंडों और विनियमन शासन में संशोधन की स्थिति की भी मांग की। सभी वन क्षेत्रों जो वन्य जीवन अभयारण्य और आरक्षित वन के कारण मानव को प्रभावित कर रहा है उन सब को तत्काल डी-आरक्षण पर काम करने की भी मांग की।

मायुमं, गुवाहाटी ग्रेटर के शाखा अध्यक्ष गौतम गोयनका का सम्मान

गुवाहाटी (नसं)। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी ग्रेटर शाखा के निवर्तमान शाखा अध्यक्ष गौतम गोयनका को सृष्टि सिने प्रोडक्शन और टाइम न्यूज नार्थ ईस्ट द्वारा गणेशगुड़ी प्रेस क्लब में विशिस्ट समाजसेवी सम्मान से समानित किया गया। गौतम गोयनका को पिछले वर्ष लिए गए समाज मे किए गए उत्कर्ष कार्य के लिए ये सम्मान दिया गया। सृष्टि सिने प्रोडक्शन हर साल विभिन्न विभिन्न क्षेत्र में चार अलग अलग व्यक्ति का चयन करती है और इस बार समाज मे उत्कर्ष कार्य के लिए गौतम गोयनका का नाम चयन किया गया। उनका असमिया परंपरा के अनुसार फुलाम गामोछा के साथ मोमेंटो एवं प्रस्सति पत्र के साथ सम्मान किया गया। यह जानकारी शाखा के जन संपर्क अधिकारी पंकज कुमार द्वारा दी गई ।

अक्षर योग ने 3 योग आसनों में ट्रिपल गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली। योग के लिए भारत के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक, अक्षर योग रिसर्च एवं डिवैलपमंट सेंटर ने शनिवार, 11 फरवरी 2023 को एक और उपलब्धि हासिल की, जिसमें 500 से अधिक लोगों ने तीन अलग-अलग आसनों का प्रदर्शन कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में प्रवेश किया। बेंगलुरु में मंडला योग महोत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने श्रद्धेय योग और आध्यात्मिक गुरु हिमालय सिद्ध अक्षर के तत्वावधान में वशिष्ठासन, उष्ट्रासन और हलासन किए। माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, डॉ. सी. एन. अश्वथ नारायण की अध्यक्षता में, यह 3 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए एक साथ 3 योग आसन करने वाला अब तक का सबसे बड़ा समूह था। उल्लेखनीय उपलब्धि का जिक्र करते हुए हिमालयन सिद्धा अक्षर ने कहा कि यह अक्षर योग रिसर्च एवं डिवैलपमंट सेंटर, और जीवन के सभी क्षेत्रों के प्रतिभागियों के लिए बेहद गर्व की बात है, जिन्होंने इस तरह की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने के लिए पिछले कुछ हफ्तों में गहन प्रशिक्षण लिया है। पुलिस कर्मियों और नर्सिंग होम स्टाफ से लेकर छात्रों और कामकाजी पेशेवरों तक, सभी प्रतिभागियों ने वशिष्ठासन, उष्ट्रासन और हलासन तक योग के सार को समझा। हम मंडला योग महोत्सव के सफल समापन से प्रसन्न हैं। मंडला योग महोत्सव में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के सैकड़ों योग उत्साही लोगों ने देखा, जिनमें कर्नाटक राज्य पुलिस के 250 पुलिस कर्मियों, 100 से अधिक वंचित बच्चों और अलग-अलग विकलांग बच्चों ने भी इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागियों ने वास्तव में विविधता का भी प्रतिनिधित्व किया क्योंकि वे दुनिया भर के 20 विभिन्न देशों से आए थे, जबकि भारत के 28 राज्यों से प्रतिनिधित्व था। 100 अधिकारियों वाली गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की आधिकारिक टीम इस प्रतिष्ठित आयोजन का हिस्सा थी। अधिकारियों ने प्रतिभागियों द्वारा रिकॉर्ड किए गए सभी तीन प्रयासों की जांच की और सफल समापन की घोषणा की, जिसमें 560 प्रतिभागियों ने हलासन ,510 प्रतिभागियों ने वशिष्ठासन, 572 प्रतिभागियों ने उष्ट्रासन किया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में तीन नए नाम जुड़ गए हैं। मंडला योग महोत्सव का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान करने के साथ हुआ।

जैकलीन फर्नांडीज बनी लक्स कोजी की ब्रांड एंबेसडर

गुवाहाटी। देश की सबसे बड़े इनरवियर निर्माताओं में से एक, लक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जो अपने अभिनव और ग्राहक-मांग-संचालित उत्पाद पेशकशों के लिए जाना जाता है, ने लक्स कोजी-एक पुरुष-वर्चस्व वाले इनरवियर ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए बालीवुड अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीज को ब्रांड एंबेस्डर बनाया हैं। कंपनी का नया टीवीसी अभियान ये नहीं तो कुछ नही न केवल लैंगिक रूढ़िवादिता को चुनौती देता है, बल्कि पुरुषों की होजरी श्रेणी में ब्रांड के लिए एक नया रास्ता भी तय करता है। टीवीसी ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए नायक को एक व्यक्तिगत लेकिन चंचल अभिनय में पेश करता है। लक्स इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अशोक कुमार तोदी ने कहा कि यह पहला मौका है जब पुरुषों के इनरवियर ब्रांड ने केवल अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए किसी महिला हस्ती के साथ करार किया है। एक अभिनव और उपभोक्ता-केंद्रित ब्रांड के रूप में, हमने हमेशा अपने मुख्य नायकों को चुना है। अपने लक्षित उपभोक्ताओं के साथ उनके जुड़ाव और आकर्षण के आधार पर एक टीवीसी के लिए इस बार हम कुछ नया करना चाहते थे और इसलिए, हमने अपने ब्रांड को ब?ावा देने के लिए अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीज के साथ करार किया है। हमें उम्मीद है कि यह ब्रांड को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और अपने समझदार उपभोक्ताओं के साथ गहरा संबंध निर्माण करेगा। लक्स इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक साकेत तोदी ने कहा कि आमतौर पर इनरवियर ब्रांड पारंपरिक पुरुष-प्रधान छवि को चित्रित करते हैं, लेकिन हमारी टीवीसी फिल्म एक भूमिका उलट दर्शाती है, जहां हम पुराने जमाने के लैंगिक रू?वादिता को तोड़ते हुए महिला को सामान्य बनाते हैं और नेतृत्व प्रदान करता है।

Notice

This general information to all the stakeholders of Jorhat District that Industries, Commerce and Public Enterprises Department, Govt. of Assam is organizing MSME acceleration Trade & Commerce Conclave, 2023 from 20th to 24th February,2023 at Kachari Maidan, Jorhat District. The event will be comprising of a 5 day long trade fair, book fair, Seminar and training programs imparted by delegates invited from different institutions and fields.

Interested candidates(Entrepreneurs/Students/Youths) may contact the following numbers for participation in the event.
Contact Number: 94353-52499/9954564961

Sd/-
General Manager,
District Industries & Commerce Centre,
Jorhat

-- Janasanyog /D/21925/ 22

पृष्ठ एक का शेष

वामपंथियों ने लोगों ...

भाजपा के पक्ष में माहौल इसलिए है क्योंकि त्रिपुरा के लोगों को विकास आंखों के सामने दिख रहा है। त्रिपुरा में आज कोई ऐसा परिवार नहीं है जिसकी भाजपा सरकार ने आगे बढ़कर सेवा ना की हो। पीएम मोदी ने कहा कि विकास की पहली शर्त होती है कानून व्यवस्था का राज। वामपंथी शासन ने त्रिपुरा को विनाश के रास्ते पर धकेल दिया था। यहां जो हाल थे उसे त्रिपुरा के लोग कभी भी भूल नहीं सकते। वामपंथियों ने त्रिपुरा के लोगों को अपना गुलाम समझ लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 30 साल तक वामपंथी यहां रहें, तब चुनाव के 2-3 महीने पहले हत्या जैसी खबरें आ रही थीं। वे समय था जब एक ही पार्टी के झंडे हर तरफ दिखते थे, किसी और को अनुमति नहीं थी और किसी ने झंडा लगया तो शाम को डंडा आया। हमने रेड सिग्नल हटा कर भाजपा का डबल इंजन लगाया है। वामपंथी और कांग्रेस अपनी सत्ता की भूख मिटाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। केरल में कांग्रेस और वामपंथी में लड़ाई चल रही है और त्रिपुरा में दोस्ती कर रहे हैं।

ईसाई समुदाय को...

राज्य मंत्री बरला ने कहा कि हमें लोगों को यह बताना चाहिए कि हमने देश को क्या दिया है? हम अपना खुद का बिगुल नहीं बजाते हैं, इसलिए हमें सम्मान नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि हमने राष्ट्र निर्माण में बहुत योगदान दिया है, लेकिन हमारे चर्च को नष्ट किया जाता है। उन्होंने कहा ईसाई समुदाय देश के लिए खतरा नहीं, लेकिन राष्ट्र निर्माण में सबसे आगे हैं।

36 से ज्यादा सीटें ...

करीब 36 सीटों पर जीत हासिल करेगी, वहीं हमारे सहयोगी दल आठ सीटों पर जीत हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह हम 36 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करने वाले हैं। माणिक साहा ने कहा कि कांग्रेस और वाम दल पारंपरिक राजनीति कर रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी राजनीति ही बदल दी है। किन लोगों के साथ रहने से कितने मतदान मिलेंगे यह लोग उसी में लगे हैं, लेकिन भाजपा सबके लिए काम करती है। उन्होंने ग्रेटर टिपरालैंड को लेकर कहा कि मैंने बार-बार कहा कि ग्रेटर टिपरालैंड की सीमा कहां है? वे कभी बोलते हैं कि यह बांग्लादेश में है, कभी बोलते हैं कि असम, मिजोरम में कुछ हिस्सा है। अगर हम इसपर बात करना चाहते हैं तो कहा जाता है कि यह भाषाई और सांस्कृतिक पर है। वे ठीक से इसको परिभाषित नहीं कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि केंद्र व राज्य में अगर एक ही पार्टी की सरकार होती है तो कुछ भी चीज मांगने में आसानी हो जाती है। मैंने पहले भी देखा था कि केंद्रीय मंत्रियों से मिलने में बहुत मुश्किल होती थी। अगर एक ही सरकार होगी तो समय भी तुरंत मिल जाता है। ऐसा पहले कभी नहीं था और जनता इसको समझती भी है। उन्होंने आगे कहा, त्रिपुरा में कम्युनिस्ट सरकार को लोकतांत्रिक तरीके से हटाना भारत के इतिहास में ऐसा शायद पहली बार हुआ है। इस वजह से भी त्रिपुरा जरूरी है। इतने लोगों को अपने जीवन का बलिदान देना पड़ा और ऐसा फिर से न हो इसलिए हमारे पार्टी के नेता भी चिंतित रहते हैं।

सरकार बनते ही लागू ...

गया था। वही चीज यहां भी लागू की जाएगी, जब लेफ्ट कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनेगी। बता दें कि त्रिपुरा में सरकारी कर्मचारियों की संख्या करीब 1.88 लाख है। माना जा रहा है कि इन्हें लुभाने के लिए ही लेफ्ट कांग्रेस ने पुरानी पेंशन योजना का दांव चला है। लेफ्ट नेता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा उत्तर पूर्वी राज्य में विकास कार्य करने में नाकाम रही। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब है और जनवरी 2020 से दिसंबर 2022 के बीच राज्य में 707 दुष्कर्म के मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले में राज्य का नाम खराब हुआ है। प्रकाश करात ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव में जीत के लिए काफी पैसा खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में जीत से देशभर में लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा की लड़ाई को मजबूती मिलेगी। बता दें कि कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक त्रिपुरा की खैरपुर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। त्रिपुरा में 16 फरवरी को मतदान होना है और 2 मार्च को मतगणना होगी।

नीतीश पर कुर्सी का...

करना था। यहां पर उद्घाटन के बाद सीएम सुरक्षाकर्मियों के साथ जाने लगे। इसी दौरान भीड़ में से किसी ने मुख्यमंत्री की तरफ कुर्सी का टुकड़ा फेंका। कुर्सी फेंके जाने की जानकारी मंच से भी दी गई, लेकिन किसने फेंका उसकी पहचान नहीं हो सकी। ड्रोन मॉनीटरिंग की स्थिति में ही फेंकने वाले की पहचान हो सकती थी, लेकिन मौके पर ड्रोन नहीं था। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के बाद लोग अपनी समस्या सीएम को सुनाना चाहते थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से वे सीएम के पास नहीं जा पाए। इसी दौरान किसी ने गुस्से में आकर कुर्सी का टुकड़ा फेंका।

भारत में बड़े हमले ...

पाकिस्तानी सेना तलाशी अभियान चला रही है। इस क्षेत्र में सक्रिय जैश-ए-मुहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकियों के एलओसी पार करके कश्मीर में घुसने की कोशिश करने की आशंका है। इसलिए पाकिस्तान ने अपनी सेना की भारी तैनाती गुलाम कश्मीर के मुजफ्फराबाद, रावलकोट, कोटली, भिमबर, सुधानोटि, बलोच और बरनाला में की है। यह कार्रवाई अफगान नागरिकों, फाटा और पंजाब के अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ भी की जा रही है। पाकिस्तान में मौजूद राजनयिकों और विदेशी नागरिकों को सलाह दी गई है कि वह गुलाम कश्मीर और बलूचिस्तान नहीं जाएं। संयुक्त राष्ट्र नेभी विदेशी राजनयिकों और उनके क्षेत्रों पर आतंकी हमले होने की आशंका जताई है। पिछले पंद्रह दिनों से गुलाम कश्मीर में चीनी नागरिकों के लिए भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। गुलाम कश्मीर में नीलम-झेलम पनबिजली परियोजना पर चीनी इंजीनियर और कर्मचारी ही काम कर रहे हैं।

तीन साल में एक...

योजना (पीएमएसबीवाई) के माध्यम से जीवन और विकलांगता कवर प्रदान किया जाता है। पीएमएसबीवाई 18 से 50 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों के लिए उपलब्ध है, जिनके पास बैंक या डाकघर खाता है। यादव ने कहा कि इस योजना के तहत किसी भी कारण से बीमा कराए हुए व्यक्ति की मृत्यु होने पर 436 रुपए के वार्षिक प्रीमियम पर दो लाख रुपए का जोखिम कवरेज है, जिसे ग्राहक के खाते से ऑटो डेबिट किया जाना है। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर, 2022 तक इस योजना के तहत 14.82 करोड़ लाभार्थियों को नामांकित किया गया है।

कॉलेजियम की सिफारिशों ...

लगाया गया हे कि केंद्र कॉलेजियम द्वारा सिफारिश किए गए नामों को मंजूरी देने में देर कर रहा है। शीर्ष विधि अधिकारी की ओर से वकील द्वारा कुछ समय मांगे जाने पर पीठ ने कहा कि कृपया यह सुनिश्चित करें कि जो कुछ किए जाने की उम्मीद है, उनमें से ज्यादातर कर लिया गया है। अटॉर्नी जनरल को सूचित कर दें। पीठ के सदस्यों में न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार भी शामिल हैं। एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने पीठ से कहा कि कुछ नियुक्तियां चुनिंदा तरीके से अधिसूचित की जा रही हैं, जबकि कुछ को लंबित रखा जा रहा है। न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि श्रीमान भूषण, मैं यह मुद्दा पहले ही उठा चुका हूं। मैं कुछ मुद्दों को लेकर चिंतित भी हूं। मुद्दे हैं, मुझे कहने दीजिए, एक से अधिक हैं। भूषण ने कहा कि यह अनंत समय तक नहीं चल सकता। न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि जो कुछ हो रहा है, उसे लेकर ज्यादा नहीं, पर समान रूप से मैं भी चिंतित हूं। भूषण ने कहा कि कभी ना कभी, शीर्ष न्यायालय को ऐसा कहने के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करना होगा, अन्यथा यह अनंत समय तक चलेगा। बता दें कि 6 फरवरी को, पांच न्यायाधीशों - न्यायमूर्ति पंकज मिथल, संजय करोल, पीवी संजय कुमार, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और मनोज मिश्रा को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में पद की शपथ दिलाई गई। सोमवार को जस्टिस राजेश बिंदल और अरविंद कुमार के रूप में शीर्ष अदालत को दो और न्यायाधीश मिले, जिन्हें भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शपथ दिलाई। कॉलेजियम प्रणाली के माध्यम से न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच तकरार जारी है।

परंपरा और विज्ञान ...

का प्रयोग किया जा सकता है। दुनिया के बहुत सारे देश ऐसा करते आए हैं। हमारे पड़ोसी राष्ट्र चीन ने ऐसा किया है। सरसंघचालक ने बताया कि चीन ने अपनी परंपरा के दम पर अलग सिस्टम खड़ा किया है। परंपरागत ज्ञान का आधुनिक फार्मेसी विज्ञान से मेल करवाया। अब दुनिया इसे चायनिज मेडिसीन कहती है। हमारे यहां भी परंपरागत ज्ञान है उसका स्टंडर्डाइझेशन करने की जरूरत है। भारत को भी चीन से सीख लेते हुए परंपरागत दवाइयों का ज्ञान और फार्मेसी जैसे विज्ञान का मेल करना होगा। सरसंघचालक ने कहा कि भारतीय औषधी ज्ञान सुश्रुत, चरक और नागार्जुन के जमाने से चला आ रहा है। हमारे समाज में औषधी ज्ञान सेवा माना जाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए दवा कंपनियां बड़े पैमाने पर मैन्युफैक्चरिंग करती है। ऐसे में दुनिया के एक देश में यदि कोई दवा प्रतिबंधित हो तो दवाई कंपनियां अपने उत्पादन की अन्य देशों में बिक्री करती है। ऐसा नहीं होना चाहिए। डॉ भागवत ने कहा कि भारतीय परिवारों में परंपरा से आया औषधियों का ज्ञान आज भी बरकरार है। नतीजतन कोरोना महामारी के समय हमें काढ़ा बनाने की विधि सीखने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। वहीं, नि:शुल्क औषधियां उपलब्ध करवाना हमारी परंपरा और संस्कारों का हिस्सा है। यह संस्कार हमारी शिक्षा, समाज और परिवारों से हमें प्राप्त हुए हैं। सरसंघचालक ने बताया कि भारत ने कोरोना की वैक्सीन खोजी और अपने देशवासियों को मुफ्त में उपलब्ध करवाई। ऐसा दुनिया के अन्य देशों ने नहीं हुआ। सरसंघचालक ने आह्वान किया कि हमारा परंपरागत औषधी ज्ञान और फार्मेसी विज्ञान का गठजोड़ करने के लिए अनुसंधान होना चाहिए। यदि ऐसा हो पाया तो भारतीय समाज लाभान्वित होगा और देश के गौरव में और वृद्धि होगी।

खुदरा महंगाई बढ़कर...

ऊपर पहुंच गई है। खाने-पीने के सामान महंगे होने से खाद्य पदार्थों की महंगाई दर जनवरी में 5.94 प्रतिशत रही जो दिसंबर में 4.19 प्रतिशत थी। इससे पहले, खुदरा मुद्रास्फीति अक्तूबर महीने में उच्च स्तर 6.77 प्रतिशत पर थी। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति पर विचार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, सब्जियों की कीमतें जनवरी में घटी हैं। हालांकि ईंधन और प्रकाश समेत अन्य श्रेणियों में महंगाई बढ़ी है। खाद्य पदार्थों की महंगाई दर जनवरी में 5.94 प्रतिशत रही। यह दिसंबर में 4.19 प्रतिशत और पिछले साल इसी तहीने में 5.43 प्रतिशत थी। गांवों में महंगाई शहरों के मुकाबले ऊंची रही। जहां ग्रामीण क्षेत्रों में यह 6.85 प्रतिशत रही, वहीं शहरी केंद्रों में यह छह प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति पर विचार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। पिछले सप्ताह आरबीआई ने महंगाई को काबू में रखने के लिये नीतिगत दर रेपो 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दी। रिजर्व बैंक ने खुदरा मुद्रास्फीति 2022-23 में 6.5 प्रतिशत रहले का अनुमान जताया है।

विदेशी रक्षा कंपनियां ...

सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। भारतीय रक्षा निर्माण उद्योग हमारी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालकों में से एक है। सरकार ने रक्षा उद्योग को प्रमुख क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया है, जिससे हमारे आत्मनिर्भरता मिशन को बढ़ावा मिलेगा। *सीईओ राउंड टेबल* को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत जैसा वैश्विक प्रमुखता वाला देश आयातित हथियारों पर भरोसा नहीं कर सकता, क्योंकि ऐसी निर्भरता अनिवार्य रूप से हमारे देश की रणनीतिक स्वायत्तता से समझौता करेगी। इसलिए 2014 के बाद से आत्मनिर्भरता के लक्ष्य का सख्ती से पालन किया गया है। हमारा उद्देश्य देश में जीवंत और विश्व स्तरीय रक्षा निर्माण उद्योग का पोषण करना है। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमारी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में दूरगामी सुधार के उपाय किए हैं, जिसका उद्देश्य व्यवसाय-अनुकूल वातावरण बनाना है। आगे उन्होंने कहा कि रक्षा उत्पादों को डिजाइन, विकसित और निर्मित करने की आवश्यकता है, न कि केवल एक असेंबली वर्कशॉप बने रहने की। स्वदेशीकरण अभियान का ईमानदारी से समर्थन करने की आवश्यकता है। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि हमने नई और गतिशील इकाइयों के प्रवेश को सुगम बनाने के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाया है। हमने विदेशी ओईएम को आसानी से भारत में सुविधाएं स्थापित करने की अनुमति देने के लिए एफडीआई की सीमा बढ़ा दी है। रक्षा मंत्रालय ने निजी क्षेत्र के लिए सरकार के स्वामित्व वाली परीक्षण और परीक्षण सुविधाओं को खोला है। उन्होंने कहा कि हमने अपनी रक्षा खरीद प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी बनाया है।

सदन को नगर पालिका ...

मिल रहा है। खान ने मंत्री से पूछा कि क्या कोई प्रावधान है जिसके तहत केंद्र सरकार सीधे तौर पर इस मुद्दे पर ध्यान दे सकती है? इस पर आपत्ति जताते हुए तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि यह राज्य का मुद्दा है और इसकी लोकसभा में कोई प्रासंगिकता नहीं है। जब सौमित्र खान ने बनर्जी की बात पर कोई टिप्पणी की तो दोनों पक्षों के सांसदों के बीच नोकझोंक देखने को मिली। इस पर हस्तक्षेप करते हुए बिरला ने कहा कि आपस में बात मत कीजिए। इसे नगर पालिका मत बनाइए।

एलटीटीई चीफ प्रभाकरन ...

सेना के एक ऑपरेशन में मारा गया था। उस समय श्रीलंका के सैनिक उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। अगले दिन उसका शव मीडिया को दिखाया गया था प्रभाकरन की मौत के एक हफ्ते बाद एलटीटीई के प्रवक्ता सेल्वारासा पथ्मनाथान ने उसके मारे जाने की बात मानी थी। दो हफ्ते बाद डीएनए टेस्ट के हवाले से प्रभाकरन के शव की पहचान पुख्ता की गई थी। श्रीलंका की सेना के ऑपरेशन के दौरान ही प्रभाकरन के बेटे एंथनी चार्ल्स की भी मौत हुई थी। एलटीटीई की मौजूदगी से श्रीलंका में गृह युद्ध शुरू हो गया। इसे शांति करने के लिए 29 जुलाई 1987 को भारत और श्रीलंका के बीच शांति समझौते हुआ। 1987 में एलटीटीई लड़ाकों से मुकाबले के लिए भारत ने भी अपनी सेना श्रीलंका भेजी थी। भारत के इस कदम से एलटीटीई भारत के खिलाफ हो गया और उसने बदला लेने की ठानी।

लद्दाख में भारतीय...

ड्रोन उसी बेड़े में शामिल था। दुर्घटना के बाद एयरपोर्ट और उड़ानों को कोई मुश्किल न आए, इसलिए लद्दाख एयरपोर्ट प्राधिकरण ने सभी नागरिक उड़ानों को निलंबित करने का फैसला लिया है। हालांकि, इस बारे में अभी विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है।

राज्यसभा 13 मार्च ...

हंगामे के प्रति आगाह किया। उन्होंने विपक्ष से सदन को चलने देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह हम सबका कर्तव्य है। चेयर की ओर से इस मुद्दे पर निर्णय लिया जा चुका है। विपक्ष की ओर से लगातार व्यवधान करना सही तरीका नहीं है। इससे सदन का बहुमुल्य समय व्यर्थ जा रहा है। इसके बाद भी हंगामा जारी रहने पर उन्होंने कार्यवाही को स्थगित कर दिया। इससे पहले आज की कार्यवाही के पहले भाग में सभापति ने सांसद राघव चड्ढा, संजय सिंह, इमरान प्रतापगढ़ी, शक्ति सिंह गोहिल, संदीप पाठक और कुमार केतकर सहित अन्य को चेयर ने आज सदन के वेल में आने पर चेतावनी दी।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल अष्टम अध्याय

(योगाभ्यास)

पिण्ड ब्रह्माण्ड सब सन्धि को, मरमी, योगी जान।
चक्र सोधि फन मारि कर, सहज योग विज्ञान॥ 37॥

शब्दार्थ : (सन्धि) मिलाप, जोड़ (मरमी) भेदिक (विज्ञान) अपरोक्ष, निर्भ्रांत साक्षात्कार।

भाष्य : पिण्ड-ब्रह्माण्ड और सभी सन्धियों को सद्गुरु-भेदी, अनुभवी योगी जानता है। चक्रों को साधकर सर्पिणी के फन को सुष्पना के द्वार से हटाकर सहज योग द्वारा परमप्रभु का अनुभव साक्षात्कार होता है।

चाटक आठो याम का, शशि चकोर की रीति।
करनी धनरी सब बनी, रहनी सहज सप्रीति॥ 38॥

शब्दार्थ : (चाटक) एक प्रकार से सदैव देखना, एक तार लगी हुई अंतर (सूक्ष्म) ज्ञानधारा।

भाष्य : दिन-रात आठों पहर चंद्रमा और चकोर की भांति जब करनी-धरनी और रहनी सभी एकरूप से स्वाभाविक शब्द प्रभु में संयुक्त हो जाती है, तब पूर्ण पुरुष की प्राप्ति होती है।

असम-त्रिपुरा का चुराईबाड़ी सीमा सील

करीमगंज (हि.स.)। असम-त्रिपुरा चुराईबाड़ी सीमा को सोमवार को सील कर दिया गया है। दूसरे राज्यों के निवासी बिना किसी विशेष कार्य के त्रिपुरा की यात्रा नहीं कर सकते हैं। हालांकि, आपातकालीन सेवाओं या विशेष कारणों से इसमें छूट दी गई है। करीमगंज पुलिस अधीक्षक पद्मनाभ बरुवा ने बताया कि त्रिपुरा राज्य चुनाव आयोग के विशेष अनुरोध के कारण यह निर्णय लिया गया है। पड़ोसी राज्य त्रिपुरा में विधानसभा का चुनाव 16 फरवरी को होना है, इसलिए त्रिपुरा में शांति-व्यवस्था के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है।

बाल विवाह मामले में आरोपित त्रिपुरा से गिरफ्तार

मोरीगांव (हि.स.)। मोरीगांव जिले की जागीरोड पुलिस ने बाल विवाह के मामले में आरोपित एक युवक को त्रिपुरा से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान प्रोसेनजीत शुकलबैद्य के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि जगीरोड थाने में एक किशोरी के जगीरोड से लापता होने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान जागीरोड पुलिस ने युवक को पड़ोसी राज्य त्रिपुरा से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, लड़की को युवक शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। पुलिस ने बाल विवाह में शामिल तीन अन्य युवकों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट जिला के चाय बागान इलाके में आतंक का पर्याय बना एक तेंदुआ आखिरकार सोमवार की सुबह पिंजरे में कैद कर लिया गया। तेंदुआ के पकड़े जाने से लोगों ने राहत की सांस ली। तेंदुआ जोरहाट के कासरगड़ाल बाहे चुक इलाके में तेंदुआ पिंजरे में कैद हुआ है। ज्ञात हो कि पिछले कुछ दिनों से कासरगड़ाल इलाके में एक तेंदुआ लोगों के घरों में घुसकर गाय, बकरी, बत्तख आदि जानवरों को अपना निवाला बनाते आ रहा था जिसके चलते पूरे इलाके में दहशत का माहौल था। स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग को लिखित में इसकी सूचित दी। इसके बाद, वन विभाग ने गत आठ फरवरी को गांव के बाहे चुक में पिंजरा लगाया दिया था। पिंजरे में सोमवार सुबह तेंदुआ कैद हो गया। मादा तेंदुआ की उम्र लगभग 3 साल के आसपास है। वन विभाग तेंदुआ को जोरहाट वन विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय में ले गया है। वन विभाग के सूत्रों ने बताया है कि तेंदुआ को रात में काजीरंगा, गिब्बन या नामबर में छोड़ा जाएगा।

महानगर में मिला यूट्यूबर युवती का शव

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी में एक युवती की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई है। प्रियालीना नाथ नामक यूट्यूबर का शव किराए के मकान में मिला है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया है कि यह घटना शहर के बामुनीमैदाम में हुई। प्रियालीना चंकी ब्लॉगर नाम से एक यूट्यूब चैनल चलाती थीं। युवती यूट्यूब के जरिए लोकप्रिय हो गई। युवती के शव पर चोट के कई निशान स्पष्ट रूप से पाये गए हैं। तीन महीना पहले ही प्रियालीना ने कोर्ट मैरिज की थी। जामुगुड़ीहाट के पंकज नाथ से प्रियालीना ने कानूनी रूप से शादी की थी। युवती का शव पंकज नाथ के किराए के मकान में मिला है लेकिन इस घटना को लेकर रहस्य पैदा हो गया है। प्रियालीना के माता-पिता को उसकी मौत के बारे में सूचित किए बिना शव का अंतिम संस्कार करने का प्रयास किया गया। प्रियालीना के परिजनों ने पंकज पर हत्या का आरोप लगाया है। चांदमारी पुलिस आरोपित पंकज नाथ को हिरासत में ले चुकी है।

राज्य में फिर भूकंप

गुवाहाटी (हि.स.)। मध्य असम के होजाई जिला मुख्यालय होजाई में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। मध्य असम में 18 घंटे में यह दूसरा भूकंप है। इससे पहले गत रविवार की शाम 6 बजकर 18 मिनट 17 सेकेंड पर पड़ोसी नगांव जिले में रिक्टर पैमाने पर 4.0 तीव्रता का भूकंप आया था। आज सुबह 11.57.27 बजे होजाई शहर में 3.2 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। हालांकि, भूकंप की इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, आज सुबह 11.57.27 पर आए भूकंप का स्रोत होजाई शहर में 26.05 उत्तरी अक्षांश और 93.01 देशांतर पर जमीन के अंदर 10 किमी नीचे एपीक सेंटर था।

बाक्सा के सालबाड़ी में सोने चांदी के आभूषण की लूट

बाक्सा (हि.स.)। बाक्सा जिलांतर्गत सालबाड़ी के मैनामाता में बैद के वेश में एक पाखंडी ने बीमारी ठीक करने के उद्देश्य से 40 हजार रुपए के सोने और चांदी के गहने लूट लिए। घटना सोमवार को उस समय हुई जब मैनामाता के ज्योतिष गयारी और रीना गयारी के घर बैद के वेश में दो अजनबी व्यक्ति घुसे थे। घर में पुरुष नहीं होने का फायदा उठाते हुए रीना गयारी नामक महिला को दोनों पाखंडियों ने तरह-तरह की बातों में उलझाकर बीमारी ठीक करने का लालच दिया। जब महिला से दोनों ने झाड़-फूंकने के लिए घर में सोने-चांदी की मांग की तो महिला सोने-चांदी के आभूषण उनके सामने रख दिया। जैसे ही उसे सोने-चांदी के आभूषण मिल गए तो दोनों पाखंडी झाड़-फूंक करने लगे और महिला को फिर से मुट्ठी भर चावल लाने के लिए कहा। जैसे ही महिला चावल लाने के लिए घर में घुसी, दोनों पाखंडी सोने और चांदी के गहने लेकर फरार हो गए। दोनों के गायब होने के तुरंत बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। पीड़ति महिला द्वारा पुलिस को इसकी सूचना दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक शाम जीवन देने वाले के नाम श्री श्याम व बालाजी का संकीर्तन

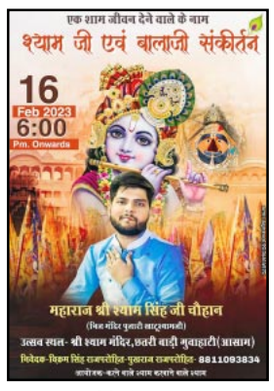

गुवाहाटी। सभी श्याम प्रेमियों कें लिएं हर्ष और उलास का पल की आने वाली तारीक दिनांक 16.02.23 श्री श्याम मंदिर छत्रीबाड़ी में महंत गोपाल शर्मा के सानिध्य में एक शाम जीवन देने वाले के नाम का सफल और भव्य आयोजन किया जा रहा है निवेद विक्रम राजपुरोहित एवं पुखराज राजपुरोहित कें द्वारा बाबा श्री श्याम का भव्य कीर्तन करवाया जाएगा, जिसमें खाटू धाम से पधारे निज श्री श्याम मंदिर कें पुजारी श्याम सिंह चौहान कें मुखारविंद से भजनों की अमृत वर्षा होगी, एवं फूलों की होली खेली जाएगी, एवं भजनों मे इनका साथ देने कें लिएं गुवाहाटी से जाने माने गायक उज्वल मोर कें मुखारविंद से बाबा कें भजन सुनने का अवसर प्राप्त होगा ,एवं बाबा कें दरबार मे होली स्पेशल प्रोग्राम होगा जिसमें फूलों की स्पेशल होली बाबा श्याम एवं भक्तों कें साथ मिलकर खेलने का अवसर प्राप्त होगा एवं बाबा की दिव्य ज्योत का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं बाबा का खजान सभी भक्तों को दिया जाएगा एवं उसके बाद का बाबा का अमृत भंडारा होगा जिसमें सभी भक्त बाबा का प्रसाद लेकर अक्षय पुण्य कें भागे बनेंगे।

सीआरपीएफ 175 बटा. के उप महानिरीक्षक ने किया वार्षिक निरीक्षण

गुवाहाटी। 175 बटालियन सीआरपीएफ, रानी का वर्ष 2022 का वार्षिक निरीक्षण हरपाल सिंह, उप महानिरीक्षक, रेंज, केरिपुबल, सिलचर के द्वारा 9 फरवरी से 11 फरवरी तक किया गया। निरीक्षण के पहले दिन अर्थात दिनांक 09/02/2023 को उप महानिरीक्षक, महोदय के समक्ष वाहिनी के जवानों द्वारा जेडी/पीटी का प्रदर्शन किया गया। तदोपरान्त वाहिनी के क्वार्टर गार्ड का निरीक्षण उप महानिरीक्षक, महोदय द्वारा किया गया। क्वार्टर गार्ड पर गार्ड के द्वारा किए गए ड्रील एवं वेशभूषा का महोदय द्वारा प्रशंसा की गई। तत्पश्चात महोदय द्वारा वाहिनी के कंपनीयों का भी निरीक्षण किया गया। इसी कड़ी में शाम को वाहिनी के कमांडेंट महोदय राजीव कुमार झा द्वारा वाहिनी के अन्य अधिकारी की उपस्थिति में वाहिनी का संपूर्ण विवरण पॉवर प्वाईंट प्रजेंटेशन के द्वारा महोदय के समक्ष प्रदर्शित किया गया। रात को वाहिनी के कार्मिक के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी महोदय द्वारा प्रशंसा की गई। वाहिनी मुख्यालय में परंपराओं के अनुसार बड़ा खाना का आयोजन किया गया। 10 फरवरी को महोदय द्वारा सुबह जवानों का रेंडम एआरसीएफ टेस्ट लिया गया बाद में वाहिनी मुख्यालय का निरीक्षण किया गया। 11 फरवरी को महोदय द्वारा सैनिक सम्मेलन को संबोधित किया गया जिसमें महोदय ने सबको अपने कर्तव्यों का पालन करने का एवं ड्यूटी के प्रति ईमानदारी रखने हेतु दिशा-निर्देश दिया। बल में श्री एन (नाम, नमक एवं निशान) के बारें में सभी अधिकारी एवं जवानों को समझाया गया एवं अन्त में वाहिनी का निरीक्षण के उपरान्त महोदय द्वारा वाहिनी का रख-रखाव, जवानों की वेशभूषा, रहन-सहन, अनुशासन, साफ-सफाई उच्च कोटि का बताया ।

आमार प्रयास गोष्ठी ने लगाया नि:शुल्क नेत्र उपचार शिविर

नगरबेरा (निसं)। गैरसरकारी संस्था आमार प्रयाश गोष्ठी के उद्योग में और ई आर छि आई केयार के सहयोग में काल कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र के तुपामारी में कल एक नि:शुल्क नेत्र उपचार शिविर आयोजित किया गया। स्थानीय रंगेश्वरी-टुपामारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित शिविर में अपटिकेल एडवाइजर सुरजीत बोरा, विजन टेक्निशियन शिविर में टेक्नीशियन दीपक चहरिया व फील्ड असिस्टेंट चंदन नाथ मौजूद रहे और क्षेत्र के करीब 212 नेत्र रोगियों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित कीं शिविर में उपचार के लिए आए मरीजों को सस्ता चश्मा भी वितरित किया आनोवार हुसैन द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता बैठक का भी आयोजन किया गया।

भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट पर अब बचाए गए बच्चों की जानकारी उपलब्ध

गुवाहाटी (विभास)। रेल परिसर में रेलवे सुरक्षा बल (रे.सु.ब.) द्वारा उद्धार बच्चों के देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेल ने पहल की है। भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट पर रे.सु.ब. द्वारा उद्धार बच्चे' की जानकारी की उपलब्धता के संबंध में एक लिंक जारी किया गया है। लिंक उद्धार बच्चों के बारे में जानकारी प्रसारित करता है, जो लापता हो गए या विभिन्न कारणों से परिवार के सदस्यों से अलग हो गए हैं। लिंक उपयोगकर्ताओं को गुमशुदा बच्चों के बारे में जानकारी प्रदान करने, गुमशुदगी की शिकायत की स्थिति की जांच करने और चाइल्ड केयर संस्थानों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करने की भी अनुमति देता है। लापता और उद्धार बच्चों का पता लगाने के लिए उपयोगकर्ता और लापता बच्चों के परिवार के सदस्य पोर्टल में उपलब्ध डेटा तक पहुंच सकते हैं। रे.सु.ब. की फील्ड इकाइयां उद्धार बच्चों का विवरण ट्रैक चाइल्ड पोर्टल-में अपलोड करेंगी, जो वेबसाइट पर उपलब्ध है। लापता बच्चों की पहचान कर उन्हें उनके परिवार के सदस्यों से मिलाने के लिए बाल कल्याण के संबंध में रे.सु.ब. द्वारा किया गया यह एक नेक प्रयास है। रेल संपत्ति और रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अलावा, रेलवे परिसरों में मानव तस्करी को रोकने के लिए भी रे.सु.ब. चौबीसों घंटे कार्यरत और चौकस है। अप्रैल, 2022 से जनवरी, 2023 की अवधि के दौरान रे.सु.ब. द्वारा पू. सी. रेल पर 728 नाबालिगों और 45 महिलाओं को रेलवे परिसर से उद्धार किया गया।

सेवा भारती की पहल पर लगा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

जोरहाट (हि.स.)। 20वीं धनवंतरी सेवा यात्रा के अवसर पर सोमवार को सेवा भारती पूर्वांचल और नेशनल मेड़िकोज आर्गेनाइजेशन ने सेवा भारती गुजरात के सहयोग से भरलु गांव में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। असम के साथ ही जोरहाट जिले के टियक स्थित पीड़ाकटा भरलु गांव में आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में असम के साथ दूसरे राज्यों के कई अनुभवी डॉक्टरों ने शिविर में भाग लिया। शिविर में लोगों के स्वास्थ्य की जांच के साथ ही उन्हें मुफ्त में दवाएं वितरित की गई। इस बार स्वास्थ्य जांच शिविर के साथ ही विशेष रूप से नेत्र परीक्षण और कैंसर रोग के प्रारंभिक परीक्षण जांच की भी व्यवस्था की गई है। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में पीड़ाकटा नवशक्ति कलाकृष्टि केंद्र के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डेढ़ सौ से अधिक लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। शिविर में सेवा भारती की ओर से अविनाश हजारिका, मोहन बोरा, रूपक रंजन सैकिया, रिपुल दास, शिव प्रसाद सैकिया उपस्थित थे।

सड़क हादसे में दो की मौत, दो घायल

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट जिला के तिताबर से बरहोला की ओर जा रही कार (एएस-01बीएन-9217) बीती रात गढ़ आली में बासबाड़ी चाय बागान के पास एक पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार में सवार चार लोगों में से दो की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को बताया है कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों शवों को सोमवार को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। मृतकों की पहचान तिताबर के ज्योति नगर निवासी पार्थ दत्ता और बरहोला मिलन नगर निवासी कल्याण हजारिका के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल दो लोग फिलहाल जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

जुरिया में एक ही दिन दो स्थानों पर लगी भीषण आग

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के जुरिया में सोमवार को एक ही दिन में दो स्थानों पर भीषण आग लग गई, जिसके चलते इलाके में सनसनी फैल गई। पहली आग सालपात में अब्दुल सलाम के खेर की मेजी (धान के पुआल का ढेर) में लगी। दूसरी आग गरिया कावईमारी में मोहम्मद के घर में लगी। आग में मोहम्मद का आवास पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग कैसे लगी इसका पता नहीं चल पाया है। आग में 6 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जलकर राख हो गई। फायर ब्रिगेड के साथ-साथ जुरिया के स्थानीय लोगों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

No.KP(R)/Q/Annual Quotation Tender/2023/39

QUOTATION NOTICE FOR THE YEAR 2023-24

Sealed quotation affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only are invited from the intending contractors/firms/suppliers registered under Assam Police Headquarters, Ulubari, Guwahati. However, contractors/firms/suppliers who have applied for the registration to Assam Police Headquarters, Ulubari, Guwahati but not yet registered may also submit quotation (for the year only) for supply of **Electrical Goods / Building and Hardware Materials/Misc articles/Food items and Refreshments** for the financial year 2023-24 to the office of the Superintendent of Police, Kamrup, Amingaon. The quotation will be received up to 13:00 hrs. on 10-03-2023 and will be opened on the same day at 14:30 hrs. in presence of willing quotationer or their authorized agent.

Terms & Condistions :

1. Each quotation must be accompanied by Earnest Money of Rs. 15000/- (Rupees fifteen thousand) only duly pledged in favour of Superintendent of Police, Kamrup, Amingaon in the form of NSC/KVP/CD/FDR etc. The earnest money will be refundable to the unsuccessful quotation after the finalization of the contract and will be refunded to the successful quotation after the supply is completed for the current financial year. If the successful quotation failed to supply the materials/ articles with the stipulated time then the earnest money will be liable to be forfeited.
2. The proper rates for individual items should be compared with prevailing local market rates.
3. The successful quotation must have in a position to supply the articles/ materials according to our demand within 3 (three) days from the date of receipt of the formal order at the office of the Superintendent of Police, Kamrup, Amingaon. No extra charges will be paid to the supplier for carrying the articles to the headquarters.
4. The quotationer must be typed or written in Ink and quotationer should quote their rates in both word and figure items wise. Any correction should be duly initiated. Rates should be quoted exclusive of GST.
5. The Quotationer must submit valid copy of the Contractor Registration Certificate (A or B whichever is required) issued by the Assam Police Headquarters, Ulubari, Guwhati-7, PAN Card, up-to date Trade License, GST registration certificate, Soundness Certificate of Institutional Bank / Nationalized Bank and last two years up-to date income tax certificate with their quotation.
6. "Quotation for supply of **Electrical Goods/Building & Hardware Material/ Misc articles/ Food items and Refreshments"** must be written on the sealed envelope. The rates in the quotation should be finalized according to the market rates for the entire financial year 2023-24. Payment will be made on availability of fund and no extra charge will be entertained for any late payment.
7. The undersigned is not bound to accept the lowest rates in the quotation and reserves the right to reject any or all the quotation without assigning any reason thereof.

-- Janasanyog /C/19952/ 22

Superintendent of Police,
Kamrup :: Amingaon

शांति के लिए हमें अपने संतों की ओर रुख करना होगा : आनंदमूर्ति गुरु मां

गुवाहाटी (नसं)। पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति की रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष में आयोजित दो दिवसीय जनजाति संस्कृति महोत्सव में आज दूसरे दिन शंकरदेव कालाक्षेत्र के सभागार में आनंदमूर्ति गुरु मां ने अपने प्रवचन में भगवान शिव की व्याख्या करते हुए कहा कि गले में नाग धारण करने वाले शिव के तीन नेत्रों में एक नेत्र बंद रहता है। मनुष्य को भी तीन नेत्र प्राप्त है। लेकिन तीसरा नेत्र बाल्यकाल में स्वत ही बंद होकर लुप्त हो जाता है।इसके लिए बाल्यकाल में जब शिशु 5 वर्ष का हो उस समय योग साधना के द्वारा तीसरे नेत्र को जागृत रखा जा सकता है। शिव की उपासना के साथ-साथ स्वयं को शिव के स्वरूप में बदलने प्रयत्नशील रहना चाहिए। पश्चिमी सभ्यता के बारे में बोलते हुए गुरुमा ने कहा कि वैलेंटाइन डे पश्चिमी सभ्यता में इसलिए मान्यता है कि पश्चिम में प्यार नहीं होता है सिर्फ वासना ही होती है। अत: साल में एक दिन प्यार के लिए रखा जाता है। जो वैलेंटाइन नाम से जाना जाता है। लेकिन हमारी भारतीय संस्कृति में स्त्री पुरुष का प्यार सात जन्मो तक के लिए होता है। गुरु मां ने आगे कहा कि पैसा मनुष्य की आवश्यकता को पूरी कर सकता है लेकिन जीवन को शांति नहीं दे सकता। हमारे पास जो भी धन है इसका हमेशा सदुपयोग करना चाहिए। हमें शांति की खोज करनी चाहिए। इसके लिए हमें अपने संतों की ओर रुख करना होगा। इससे पहले आनंदमूर्ति गुरु मां ने दीप प्रज्वलित कर दूसरे दिन के कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर समारोह के स्वागताध्यक्ष रतन शर्मा ने फुलाम गमछा से गुरु मां का अभिनंदन किया। इसके पश्चात जनजाति समिति के अध्यक्ष बसंत अग्रवाल, आसाम महेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवानदास दमानी, सचिव रमेश चांडक, माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष बल्लभ लाहोटी, सचिव मदन सिग्ची, मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी ग्रेटर शाखा के अध्यक्ष पंकज भूरा, नेडफी के महाप्रबंधक के अलावा उपस्थित विभिन्न राज्यों से आए जनजाति नेताओं ने गुरु मां का अंग वस्त्र से अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों से पधारे जनजाति प्रतिनिधियों ने अपने-अपने प्रांत के गीत नृत्य कला संस्कृति का प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री ने किया एशिया की सबसे बड़ी हथियार प्रदर्शनी 'एयरो इंडिया' का उद्घाटन

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेंगलुरु में एयरो इंडिया 2023 पर स्मारक डाक टिकट जारी किया

- 'इंडिया पवेलियन' रक्षा क्षेत्र में भारत के विकास और स्वदेशी क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज (सोमवार) बेंगलुरु में एशिया के सबसे बड़े एयरो शो 'एयरो इंडिया' के 14वें संस्करण का उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी एयरोस्पेस और रक्षा क्षमताओं में भारत की वृद्धि को प्रदर्शित करके मजबूत और आत्मनिर्भर 'नए भारत' का प्रदर्शन करेगी। 'इंडिया पवेलियन' भविष्य की संभावनाओं सहित रक्षा क्षेत्र में भारत के विकास को प्रदर्शित करेगा। इसमें एमएसएमई और स्टार्ट-अप सहित 809 रक्षा कंपनियां एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में अपना प्रदर्शन करेंगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'एयरो इंडिया' देश की विनिर्माण क्षमता और प्रधानमंत्री की कल्पना के अनुसार 'आत्मनिर्भर भारत' को साकार करने की दिशा में हुई प्रगति को प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन एयरोस्पेस और विमानन क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने कहा कि इसमें 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' विजन के अनुरूप स्वदेशी उपकरणों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने एवं विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि एयरो इंडिया 2023 देश के समग्र विकास के साथ-साथ रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक जीवंत और विश्व स्तरीय घरेलू रक्षा उद्योग बनाने के सरकार के प्रयासों को एक नया बल प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस मौके पर विभिन्न देशों के रक्षा मंत्री, रक्षा राज्यमंत्री, रक्षा कर्मचारियों के प्रमुख और रक्षा सचिव के स्तर पर कई द्विपक्षीय बैठकें होंगी। साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाने के लिए नए रास्ते तलाश कर मित्र देशों के साथ रक्षा और एयरोस्पेस संबंधों को मजबूत करने पर फोकस होगा। वायसेना प्रमुख ने गुरुकुल फॉर्मेशन में उड़ान भरीः उद्घाटन से पहले प्रदर्शनी स्थल पर फ्लाईपास्ट हुआ, जिसमें वायुसेना के विमानों ने अलग-अलग फॉर्मेशन में उड़ान भरी। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने फ्लाईपास्ट के दौरान गुरुकुल फॉर्मेशन का नेतृत्व किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एयरो इंडिया 2023 पर स्मारक डाक टिकट जारी किया। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु का आसमान न्यू इंडिया के सामर्थ्य का गवाह बन रहा है।

बेंगलुरु का आसमान इस बात की गवाही दे रहा है कि नई ऊंचाई ही नए भारत की सच्चाई है। आज देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है और उसे पार भी कर रहा है। अब तक का सबसे बड़ा एयरो इंडियाः वायुसेना स्टेशन, येलहंका में आयोजित इस प्रदर्शनी में 13 से 15 फरवरी व्यावसायिक दिन होंगे, जबकि 16 और 17 फरवरी को आम लोगों के लिए प्रदर्शनी खुली रहेगी। लगभग 35 हजार वर्ग मीटर के कुल क्षेत्रफल में यह 'एयरो इंडिया' अब तक का सबसे बड़ा आयोजन है, जिसमें 98 देशों के भाग लेने की संभावना है। इस कार्यक्रम में 32 देशों के रक्षा मंत्रियों, 29 देशों के वायु सेना प्रमुखों और वैश्विक और भारतीय ओईएम के 73 सीईओ के भाग लेने की उम्मीद है। एमएसएमई और स्टार्ट-अप सहित 809 रक्षा कंपनियां एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में अपना प्रदर्शन करेंगी। प्रमुख कंपनियां और उपकरणः प्रमुख प्रदर्शकों में एयरबस, बोइंग, डसॉल्ट एविएशन, लॉकहीड मार्टिन, इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, आर्मी एविएशन, एचसी रोबोटिक्स, साब, सफरान, रोल्स रॉयस, लार्सन एंड टुब्रो, भारत फोर्ज लिमिटेड, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और बीईएमएल लिमिटेड शामिल हैं। एयरो इंडिया में यूएवी क्षेत्र में विकास, रक्षा अंतरिक्ष और भविष्य की प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जायेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए)-तेजस, एचटीटी-40, डोर्नियर लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर (एलयूएच), लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) और उन्नत लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) जैसे स्वदेशी हवाई प्लेटफार्मों के निर्यात को बढ़ावा देना है। भारतीय पवेलियनः 'फिक्स्ड विंग प्लेटफॉर्म' थीम पर आधारित 'इंडिया पवेलियन' भविष्य की संभावनाओं सहित क्षेत्र में भारत के विकास को प्रदर्शित करेगा। इसमें 227 उत्पादों को प्रदर्शित करने वाली कुल 115 कंपनियां शामिल होंगी। स्वदेशी एलसीए तेजस विमान 'भारत मंडप' का आकर्षण होगा। एलसीए तेजस सिंगल इंजन, हल्का वजन, अत्यधिक चुस्त, बहु-भूमिका वाला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान है। डेल्टा विंग वाले इस विमान को आक्रामक हवाई समर्थन के लिए 'टोही' और 'एंटी-शिप' के रूप में डिजाइन किया गया है। यह पवेलियन दुनिया को 'न्यू इंडिया' की संभावनाओं, अवसरों और संभावनाओं से परिचित कराएगा। स्वदेशी रक्षा उत्पादों की प्रदर्शनी लगेगी, जिसमें व्यापारिक संगठन और स्टार्ट-अप्स अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर सकेंगे। यह पवेलियन रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में भारत की उभरती क्षमताओं को दुनिया के सामने लाने में मददगार होगा।

जब वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में आई तकनीकी खराबी के चलते नहीं खुला दरवाजा

मुंबई (ईएमएस)। साईनगर शिर्डी-मुंबई वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में दूसरे दिन तकनीकी खराबी का मामला सामने आया है। बताया गया है कि वंदे भारत एक्सप्रेस का दरवाजा नहीं खुला। जिससे यात्रियों को ठाणे और दादर रेलवे स्टेशन पर गार्ड केबिन से उतरना पड़ा। इस संबंध में एक वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि यह घटना कैसे हुई इस पर रेलवे की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 22224 साईंनगर शिर्डी-मुंबई वंदे भारत सुपरस्टार एक्सप्रेस रविवार को शाम 5:25 बजे साईंनगर शिर्डी से रवाना हुई. रविवार रात 10:05 बजे ठाणे पहुंचने के बाद ट्रेन के दरवाजे नहीं खुलने पर यात्री चिल्लाने लगे. उसके बाद आरपीएफ जवान ट्रेन में सवार हुए और यात्रियों को केबिन के प्रवेश द्वार से सुरक्षित नीचे उतारा गया. फिर दादर रेलवे स्टेशन पर रात 10 बजकर 28 मिनट पर यही तकनीकी खराबी रही. इस संदर्भ का एक वीडियो फिलहाल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है लेकिन घटना किस वजह से हुई इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। लेकिन बताया गया है कि तकनीकी दिक्कत आने से ट्रेन का दरवाजा नहीं खुलने की बात कही गई है. आपको बता दें कि बीते 10 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से मुंबई-साईनगर शिर्डी वंदे भारत एक्सप्रेस और मुंबई-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इन दोनों वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की नियमित सेवाएं नागरिकों के लिए शनिवार से शुरू हो गई हैं। दोनों ट्रेनों में पहले दिन 1720 यात्रियों ने सफर किया है। जिसमें मुंबई-साईंनगर शिर्डी के लिए 283 यात्री सोलापुर-सीएसएमटी के लिए 924 यात्री तथा मुंबई-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस से 513 यात्री। लेकिन दूसरे दिन साईनगर शिर्डी-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस में तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा.

बाला साहब ने नहीं बचाया होता तो यहां तक नहीं पहुंच पाते पीएम मोदी : उद्धव ठाकरे

मुंबई (ईएमएस)। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां तक नहीं पहुंचते, अगर बाल ठाकरे ने उन्हें बचाया नहीं होता। वह जाहिर तौर पर पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की उस टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे, जिसमें गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी से 2002 के गुजरात सांप्रदायिक दंगों के बाद राजधर्म का पालन करने को कहा गया था। उन्होंने कहा कि शि-ावसेना ने 25-30 वर्षों तक एक राजनीतिक नेतृत्व की रक्षा की, लेकिन वे (भाजपा) राष्ट्रीय जनतांत्रि-ाक गठबंधन (एनडीए) के पूर्व सहयोगी शिवसेना और अकाली दल को नहीं चाहते थे। मुंबई में उत्तर भारतीयों की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा मैं भाजपा से अलग हो गया, लेकिन मैंने हिंदुत्व को कभी नहीं छोड़ा। भाजपा हिंदुत्व नहीं है। हिंदुत्व क्या है, उत्तर भारतीय इसका जवाब चाहते हैं। एक-दूसरे से नफरत करना हिंदुत्व नहीं है। उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर हिंदुओं के बीच नफरत पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा 25-30 साल तक शि-ावसेना ने राजनीतिक मित्रता की रक्षा की। हिंदुत्व का मतलब हमारे बीच गर्मजोशी है। वे (भाजपा) किसी को नहीं चाहते थे। उन्हें अकाली दल। शिवसेना नहीं चाहिए। ठाकरे ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी को राजधर्म के पालन की वाजपेयी की नसीहत का संदर्भ देते हुए कहा यह बाला साहेब ठाकरे थे, जिन्होंने वर्तमान प्रधानमंत्री को तब बचाया था जब वाजपेयी (तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी) चाहते थे कि वे राजधर्म का सम्मान करें। बालासाहेब ने यह कहते हुए हस्तक्षेप किया था कि यह समय की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो वह (मोदी) यहां नहीं पहुंच पाते। वाजपेयी ने राजधर्म की नसीहत वर्ष 2002 के गुजरात दंगों के बाद दी थी। शिवसेना प्रमुख ने कहा उन्होंने अपनी गरिमा की रक्षा के लिए भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ दिया और 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद महा विकास अघाड़ी (एमवीए) बनाने के लिए एनसीपी और कांग्रेस से हाथ मिला लिया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ शामिल हुए बागी शिवसेना विधायकों पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा, नहीं तो मैं अपने गले में बेल्ट बांधे गुलाम होता, जैसे मेरे कुछ लोग अब बन गए हैं।

दिल्ली के मोती नगर की जींस फैक्ट्री में लगी आग, कोई हताहत नहीं

अजय कुमार

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के मोती नगर के करमपुरा में रविवार देर रात एक जींस व गत्ते बनाने वाली फैक्टरी में भीषण आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व दमकल की करीब 37 गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल दमकलकर्मी कूलिंग का काम कर रहे है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि बीती देर रात 11.40 बजे सूचना मिली कि ए-27 गली नम्बर 70 रामा रोड औद्योगिक क्षेत्र स्थित दो मंजिल फैक्टरी में आग लग गई। सूचना मिलते ही एक-एक कर दमकल की 27 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल के अनुसार, जिस फैक्टरी में आग लगी वह दो मंजिला बनी हुई है। जबकि तीसरी पर टीन शेड है। पहली मंजिल पर

गत्ते की फैक्टरी थी, जबकि दूसरी मंजिल पर जींस की फैक्टरी थी। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सोमवार सुबह दमकल की 10 और गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। फिलहाल कूलिंग का काम जारी है।

पीएम मोदी पर टिप्पणी को लेकर लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी से 15 फरवरी तक मांगा जवाब

अजय त्यागी

नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से 15 फरवरी तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनकी टिप्पणी के संबंध में विशेषाधिकार हनन नोटिस का जवाब देने के लिए कहा है। ज्ञात हो कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अरबपति गौतम अडाणी के साथ संबंध हैं। इस मामले को लेकर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा कांग्रेस सांसद को विशेषाधिकार हनन नोटिस भेजा गया था। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेने के दौरान राहुल गांधी ने लोकसभा में अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री पर अडाणी से निकटता का आरोप लगाया था। कांग्रेस सांसद ने 2014 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के सत्ता में

आने के बाद व्यवसायी की संपत्ति में अचानक वृद्धि की ओर इशारा करते हुए अडाणी के साथ प्रधानमंत्री मोदी के संबंधों पर सवाल उठाया था। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, नोटिस में 7 फरवरी को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान भ्रामक, अपमानजनक, असंसदीय और आपत्तिजनक बयान देने के कारण कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जवाब मांगा गया है। 10 फरवरी को लिखे एक पत्र में सचिवालय ने राहुल गांधी से 15 फरवरी तक नोटिस पर अपना जवाब देने को कहा है। भाजपा स-ांसद निशिकांत दुबे ने 8 फरवरी को स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया था। नोटिस में कांग्रेस नेता पर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ बिना किसी दस्तावेजी सबूत के आरोप लगाने और सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया गया है।

दिल्ली के न्यूनतम तापमान में गिरावट, रहा 8.7 डिग्री सेल्सियस

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज (सोमवार) सुबह सर्द रही। महानगर का न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस कम 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह जानकारी भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक विज्ञानी ने दी। इस मौसम विज्ञानी के मुताबिक दिनभर तेज सतही हवा चलने का पूवार्नुमान है। अधिकतम तापमान करीब 22 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। सुबह 8:30 बजे सापेक्ष आर्द्रता 57 प्रतिशत दर्ज की गई। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 119 (संतोषजनक) रहा। शून्य से 50 तक के एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बहुत खराब और 401 से 500 को गंभीर माना जाता है। मौसम विज्ञान विभाग के

अधिकारियों के मुताबिक उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी सुबह सर्द रही। बिहार में तेज हवा ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। राजधानी पटना और गया समेत कई शहरों में अधिकतम तापमान गिरा है। इसके अलावा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी और बारिश की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में अगले पांच दिन तक कुछ जगह बर्फबारी हो सकती है। असम और नागालैंड में अगले 24 घंटों के दौरान बारिश की संभावना है। देश के बाकी राज्यों में अगले पांच दिन तक मौसम साफ रहेगा।

अमेजन, फ्लिपकार्ट सहित 20 ऑनलाइन विक्रेताओं को नोटिस

- डीसीजीआई ने कहा है कि जवाब नहीं देने की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी

मुंबई (ईएमएस)। भारत के औषधि महानियंत्रक (ड-ीसीजीआई) ने दवाओं की अवैध ऑनलाइन बिक्री के लिए अमेजन और फ्लिपकार्ट हेल्थ प्लस समेत 20 ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीसीजीआई वीजी सोमानी ने हाल ही में जारी कारण बताओ नोटिस में 12 दिसंबर, 2018 को दिल्ली उच्च न्यायालय के एक आदेश का हवाला दिया। यह बिना लाइसेंस के दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगाता है। नोटिस के अनुसार डीसीजीआई ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक कार्रवाई और अनुपालन के लिए मई और नवंबर, 2019 में आदेश भेजा था। तीन फरवरी को एक बार फिर यह आदेश जारी किया गया। ऑनलाइन दवा विक्रेताओं को नोटिस में कहा गया है कि आदेश के बावजूद यह कंपनियां बिना लाइसेंस के इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त पाई गईं। नोटिस में कहा गया है कि आपको इस नोटिस के जारी होने की ता-रीख से दो दिनों के अंदर कारण बताने के लिए कहा जाता है कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 के प्रावधानों और बनाए गए नियमों के उल्लंघन में दवाओं की बिक्री,

स्टॉक, प्रदर्शन या वितरण की पेशकश के लिए आपके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। किसी भी दवा की बिक्री या स्टॉक या प्रदर्शन या बिक्री या वितरण की पेशकश के लिए संबंधित राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण से लाइसेंस की आवश्यकता होती है और लाइसेंस धारकों द्वारा लाइसेंस की शर्तों का अनुपालन करना आवश्यक होता है। डीसीजीआई ने कहा है कि जवाब नहीं देने की स्थिति में यह माना जाएगा कि कंपनियों के पास इस मामले में कोई जवाब नहीं है और फिर बिना किसी नोटिस के उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

एलपीजी सिलेंडरों में गैस कम होने पर एजेंसियों और डिलीवरी मैन पर होगी कार्रवाई

- साल 2020 से ही मोदी सरकार ने कर दिया है उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। एलपीजी सिलेंडरों में गैस की कम सप्लाई की शिकायतों के बाद गैस एजेंसियों की जांच शुरू हो गई है। दिल्ली-एनसीआर में भी कई गैस एजेंसियों पर रैंडम आधार पर जांच की जा रही है। बता दें कि गैस एजेंसी की मिलीभगत से डिलीवरी मैन द्वारा उपभोक्ताओं को मानक मात्रा से कम गैस की डिलीवरी किए जाने पर अब कंपनी की गाइडलाइंस के साथ-साथ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए मोदी सरकार ने हाल के दिनों में कई कदम उठाए हैं। गौरतलब है कि गैस डिलीवरी के वक्त उपभोक्ताओं को पंजीकृत मोबाइल नंबर पर आया मैसेज डिलीवरी मैन को बताना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके बाद ही सिलिंडर मिलता है। हालांकि इस फैसले से गैस कम मिलने का कोई

लेना-देना नहीं है. लेकिन अगर आप गैस का सिलेंडर जल्दी खत्म हो जाने से परेशान हैं तो अब आपकी परेशानी दूर होने जा रही है। अब डिलीवरी मैन आपको गैस कम देता है तो आप तुरंत ही शिकायत कर सकते हैं। साल 2020 से ही मोदी सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू कर दिया है. इस अधिनियम के लागू हो जाने के बाद अब अगर उपभोक्ता को कम गैस मिलता है तो गैस एजेंसी पर कार्रवाई तो होगी साथ ही उसका लाइसेंस भी रद्द हो सकता है। अधिकांश लोग गैस सिलेंडर की डिलीवरी लेने के वक्त वजन चेक नहीं करते। इसका यह भी कारण है कि डिलीवरी मैन सप्लाई के वक्त वजन तौलने वाली मशीन नहीं रखते। जागरुकता के अभाव में कई बार सिलेंडर में कम गैस का खामियाजा उपभोक्ताओं को उठाना पड़ता है। सिलेंडर में से एक से दो-तीन किलो गैस निकाली जा रही है। ऐसे में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू हो जाने के बाद उपभोक्ताओं को घर बैठे ही कई अधिकार और सुविधा मिल गई है। किसी भी गैस एजेंसी के डिलीवरी मैन द्वारा उपभोक्ताओं को मानक मात्रा से कम गैस की डिलीवरी किया जाना पाया जाएगा तो अब इस-ाके लिए संबंधित गैस एजेंसी का उत्तदायित्व निर्धारित करते हुए उसके विरुद्ध कंपनी की गाइडलाइंस के साथ-साथ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व जस्टिस नजीर को राज्यपाल बनाया जाना न्यायपालिका की निष्पक्षता के लिहाज से गलत : कांग्रेस

- पहले भी बन चुके हैं रिटायर्ड जस्टिस गवर्नर

नई दिल्ली (ईएमएस)। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जस्टिस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का गवर्नर बनाया गया है। संविधान के मुताबिक इस फैसले में कोई खामी नहीं है, लेकिन एक जज को इस तरह का अहम पद दिए जाने की नैतिकता पर बहस तेज हो गई है। कांग्रेस ने स-रकार के इस फैसले पर सवाल खड़े किए हैं और न्यायपालिका की निष्पक्षता के लिहाज से गलत बताया है। जस्टिस अब्दुल नजीर 4 जनवरी को ही सुप्रीम कोर्ट के जज के पद से रिटायर हुए थे और 12 फरवरी को उन्हें राज्यपाल की जिम्मेदारी दे दी गई। 2017 में जज बनने वाले नजीर ने करीब 6 सालों तक सुप्रीम कोर्ट में काम किया था, इससे पहले वह कर्नाटक हाई कोर्ट में थे। जस्टिस नजीर को गवर्नर बनाया जाना एक गलत नजीर बताया जा रहा है, लेकिन यह पहला मौका नहीं है, जब किसी जस्टिस को गवर्नर बनाया गया है। इससे पहले भी ऐसी ही नजीर सरकारों द्वारा पेश की गई हैं। जस्टिस अब्दुल नजीर बाबरी मस्जिद केस और तीन तलाक जैसे अहम मामलों की सुनवाई करने वाली बेंच का हिस्सा रहे हैं। जस्टिस नजीर से पहले पूर्व मुख्य न्यायाधीश पी. सदाशिवम और पूर्व जस्टिस एम. फातिमा बीवी भी गवर्नर बन चुकी हैं। जस्टिस पी. सदाि-शवम को 2014 में केरल का गवर्नर बनाया गया था। नजीर से पहले यह आखिरी मौका था, जब किसी जज को गवर्नर बनाया गया था। सर्वोच्च न्यायालय में चीफ जस्टिस तक रहने वाले पी. सदाशिव ने मद्रास हाई कोर्ट के अलावा पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में भी जज के तौर पर काम किया था। 2007 में वह सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बने थे और फिर 2013 से 2014 तक चीफ जस्टिस रहे। रिटायर हुए तो एनडीए सरकार ने उन्हें केरल का गवर्नर बना दिया। तब भी सदाशिवम को गवर्नर बनाए जाने की काफी निंदा हुई थी। सर्वोच्च न्यायालय में देश की पहली महिला जस्टिस रहीं एम. फातिमा बीवी को भी 1997 से 2001 तक तमिलनाडु के गवर्नर के तौर पर मौका मिला था। वह 1992 में सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए थीं। फातिमा बीबी ने सर्वोच्च न्यायालय से पहले कर्नाटक हाई कोर्ट में बतौर जस्टिस काम किया था। फातिमा बीबी ने 1 जुलाई, 2001 को गवर्नर के पद से 5 साल पूरे होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था। दरअसल उन्होंने मई 2001 में जयललिता को सरकार बनाने का आमंत्रण दे दिया था। इसके बाद जयललिता सरकार ने रातोंरात पूर्व सीएम करुणानिधि और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार करा लिया था। इस मामले में फातिमा बीवी के फैसले की आलोचना हुई थी। इसी को लेकर अटल सरकार से फातिमा बीवी के मतभेद पैदा हो गए और अंत में उन्होंने पद से ही इस्तीफा दे दिया।

26 जून 2019 को अमित शाह की श्रीनगर यात्रा का उद्देश्य अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के संकल्प को अंतिम रूप देना था : ढिल्लो

नई दिल्ली (ईएमएस)। लेफ्टिनेंट जनरल के। जे। एस। ढिल्लों द्वारा लिखित कितने गाजी आए कितने गाजी गए पुस्तक का विमोचन 2019 में दक्षिण कश्मीर के लेथपोरा के पास एक आत्मघाती हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के 40 जवानों के सम्मान में 14 फरवरी को किया जाएगा। ढिल्लों ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि 26 जून, 2019 को अमित शाह की यात्रा को एक नाटकीय घोषणा का पूर्व संकेत माना जा रहा था और मुझे तड़के दो बजे फोन आया, जिसमें मुझसे सुबह सात बजे गृह मंत्री से मिलने के लिए कहा गया था। गृहमंत्री के साथ अपनी बैठक के बारे में ज्यादा कुछ बताए बिना थलसेना के श्रीनगर स्थित 15 कोर के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल ने लिखा, हमारी मुलाकात के दौरान आलू पराठा और प्रसिद्ध गुजराती व्यंजन ढोकला सहित स्वादिष्ट भोजन के अलावा कई संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा की गई। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल ने लिखा है, मैं यह उल्लेख करना चाहूंगा कि कि गृहमंत्री एजेंडा से पूरी तरह से अवगत थे। उन्होंने स्पष्ट रूप से व्यापक शोध और मंथन किया था। ढिल्लों ने अपनी पुस्तक में लिखा है, बैठक के समापन पर मुझसे मेरे स्पष्ट और व्यक्तिगत विचार के बारे में पूछा गया था तथा मेरी प्रतिक्रिया यह थी कि अगर इतिहास लिखना है, तो किसी को इतिहास रचना पड़ेगा (हम इतिहास तभी लिख सकते हैं जब हम इतिहास रचते हैं)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया को दिखा रहा रास्ता : महेन्द्र नाथ पाण्डेय

-केन्द्रीय मंत्री ने जी-20 डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप की बैठक को संबोधित किया
-लखनऊ में 15 फरवरी तक जी-20 से जुड़े कई कार्यक्रम होंगे, डिजिटल इकोनॉमी पर होगी चर्चा

लखनऊ, (हि.स.)। केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने जी-20 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया को रास्ता दिखा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज न केवल विश्व में पहचान बना चुका है बल्कि पूरी दुनिया का जी-20 की अध्यक्षता के माध्यम से नेतृत्व कर रहा है। कोरोना से लेकर डिजिटल इकोनॉमी को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों की दुनिया में सराहना हो रही है। केन्द्रीय मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने सोमवार को होटल सेंट्रम में जी-20 की हो रही बैठक में कहा कि दुनिया भर में कोरोना वायरस का विषय हो या फिर तुर्की में आई भूकंप जैसी आपदा जैसे विषयों पर भारत वसुधैव कुटुंबकम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए वैश्विक कर्तव्य का निर्वहन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज ग्लोबल लीडर के प्रथम पायदान पर खड़े हैं। वह पूरे विश्व को एक संदेश दे रहे हैं। पिछले नौ वर्षों में भारत को जिस प्रकार विश्व में सम्मान की दृष्टि से देखा जा रहा है, वह पहले कभी नहीं हुआ। डिजिटल तकनीक को वृहद स्तर पर अपनाया गया है। स्वास्थ्य, कृषि, विनिर्माण, कारोबार, बैंकिंग या शिक्षा के डिजिटल तकनीकी पहुंच बनाकर हर क्षेत्र में भारत ने महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

तकनीक के उपयोग से उत्पादन प्रक्रिया बेहतर हुई है। उत्पाद परिष्कृत हुए हैं। आपूर्ति श्रृंखला को भी बहुत मजबूती मिली है। इसके कारण यह चौथी औद्योगिक क्रांति आई, जो भविष्य में डिजिटल अर्थव्यवस्था और मनुष्य को मशीन के बेहतर संबंधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पिछले एक दशक में इंडस्ट्री में निवेश करीब 10 गुना बढ़ा है। जो 2025 तक 200 अरब डॉलर हो जाने की संभावना है। यह सब जी-20 के देशों द्वारा किया जाना है। जी-20 डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप कार्य करेगा। डिजिटल नवाचार को बढ़ावा दिया जाए और डिजिटल परिसम्पत्तियों को सुरक्षित रखा जाए। उद्योगों में आमूलचूल परिवर्तन के लिए तीसरी महत्वपूर्ण आवश्यकता यह है कि सभी डिजिटल तकनीकों और सक्षम कार्यबल तैयार किया जाए। जहां तक भारत की बात है तो डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास में हमारी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारत सरकार इसे बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। कई परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी है। उल्लेखनीय है कि जी-20 की तीन दिवसीय कार्यक्रमों की शुरूआत सोमवार को होटल सेंट्रम में हुई। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव, उप्र के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र समेत अन्य महत्वपूर्ण लोग मौजूद रहे। इसमें 141 डेलीगेट्स शामिल हो रहे हैं।

सरकार चाहती है कि कोई भी समाज पीछे न रहे : राष्ट्रपति

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यूपी में 25 करोड़ लोग निवास करते हैं। इसके बावजूद यहां सिर्फ बुक्सा समाज को ही बुलाया गया है, क्योंकि सरकार चाहती है कि कोई भी समाज पीछे न रह जाए। सभी आगे बढ़ें। हर बच्चे को पढ़ने की सुविधा मिले, शिक्षित व आर्थिक रूप से उन्नति करें। बुक्सा समाज शिक्षा, सामाजिक व आर्थिक समेत सभी क्षेत्रों में पीछे है, इसलिए सरकार चाहती है कि वे भी कदम से कदम मिलाकर चलें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को यहां गांधी सभागार में सूबे की बुक्सा जनजाति के लोगों को वनाधिकार पत्र वितरित कर उनसे संवाद के दौरान यह बातें कहीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मैं राज्यपाल थी तो सरकार से कहा कि जनजातियों को आगे लाना है। उनके लिए बहुत काम हो रहे हैं। स्कूल-कॉलेज खुल रहे हैं।

शुरूआत अच्छी हुई है तो सारी समस्याओं को दूर भी किया जाएगा। अभी टेक्नोलॉजी का जमाना है। वीडियो से जाना कि छात्राओं के लिए हॉस्टल है। घर से आने-जाने वालों के लिए साइकिल की व्यवस्था कराई गई। मुसहर जनजाति के लोग जंगलों में रहते हैं। उनकी खुद की जमीन न होने से वे पीएम आवास योजना से नहीं जुड़ पाते। उन्होंने समाज के लोगों को नसीहत दी कि सीखना बहुत जरूरी है। बेटा हो या बेटी, दोनों को पढ़ाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि जिंदगी जीने के लिए घर जरूरी है। आपमें से कोई पंचायत मुखिया बन गया, कोई समिति सदस्य, हर क्षेत्र में बच्चियां बढ़ रही हैं। यह शुरूआत है, जनजातीय भी जरूर आगे बढ़ेंगे। सिर्फ सरकार से ही सहारा न लें बल्कि आगे बढ़ने का जुनून होना चाहिए। मानसिकता मजबूत होनी चाहिए। मनोबल को सशक्त करना चाहिए। बेटा-बेटी दोनों को पढ़ाइए। सरकार से बात करूंगी कि जरूरत पर नजदीक स्कूल खोले जाएं। अभी एकलव्य विद्यालय खोले गए हैं। बच्चों को भी प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए। यह सोच आनी चाहिए कि दूसरे समुदाय के बच्चों के साथ आपके बच्चे भी आगे आ पाएं। आपको भी उस रास्ते पर दौड़ना चाहिए। हम जनजाति हैं, पीछे नहीं रहेंगे, हम भी सशक्त होंगे, हम भी कुछ बनेंगे, यह सोच होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने बताया कि आपकी राज्यपाल गांव-गांव घूमती हैं। कई गांवों और आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद ले चुकी हैं। मुख्यमंत्री व मंत्रियों से बात हुई है। जो समाज पीछे है, उसे आगे लाने के लिए वे प्रयासरत हैं। आगे का रास्ता बहुत अच्छा होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि आपको अपना पारंपरिक कार्य (खेती-बाड़ी, पशुपालन) भी करते रहना चाहिए। आर्थिक उन्नति के लिए सरकार सहयोग देती है। बेहतर के लिए हमें प्रयास करना चाहिए और प्रयास करने से ही आगे बढ़ सकते हैं।

आपका भविष्य उज्ज्वल होगा, आपको भी कदम से कदम और कंधे से कंधे मिलाकर बढ़ना चाहिए। सरकार प्रयास कर रही है पर आपको भी प्रयास जारी रखना चाहिए। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने जनजातीय समूहों द्वारा संचालित समूहों की ओर से निर्मित स्मृति चिह्न राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दिया। कार्यक्रम में निदेशालय, जनजातीय विकास विभाग की तरफ से बुक्सा जाति पर डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। बुक्सा समाज के जनजातीय लोग बिजनौर के कोतवाली, अफजलगढ़ व नजीबाबाद ब्लॉक में निवास करते हैं। यूपी के बिजनौर में वनाधिकार अधिनियम के तहत 21 लोगों को वन भूमि पर पट्टे दिए गए हैं। इसमें से पांच लोगों को राष्ट्रपति ने वनाधिकार पट्टा अभिलेख के प्रमाण पत्र दिए। बाला पत्नी श्री चिरंजी, श्री धन सिंह, शिव सिंह, वीरेंद्र व वीरमती के स्थान पर पति पारेन ने प्रमाण पत्र प्राप्त किए। बुक्सा जनजाति की प्रतिनिधि सीमा (ग्राम प्रधान, बावन सराय) व धन सिंह ने अपनी बातें भी रखीं।

बाबा साहेब की प्रतिमा तोड़ना बहुत ही गंभीर घटना : असीम अरुण

लखनऊ, (हि.स.)। समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने सोमवार को कन्नौज जिले में बाबा साहेब की प्रतिमा तोड़ने की घटना को बेहद गंभीर बताया है। ऐसा नहीं होना चहिए। अपने ट्वीटर हैंडल से ट्वीट करते असीम अरुण ने कहा कि कन्नौज के गुरसहायगंज में अराजकतत्वों ने बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा को तोड़ा। यह बहुत ही गंभीर घटना है और ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इस मामले में पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह से बात की है। उन्होंने

कहा कि अपराधी पकड़े जाएं और उन्हें कठोर से कठोर सजा दी जाए। साथ ही पूर्व में ऐसी घटनाओं में लिप्त अपराधियों को भी सजा दिलायी जाए। उल्लेखनीय है कि गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के कस्बा सराय प्रयाग स्थित आंबेडकर पार्क में लगी बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की मूर्ति को शनिवार रात अराजकतत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दी थी। अगले दिन रविवार सुबह जब लोग पार्क पहुंचे तो क्षतिग्रस्त मूर्ति देख आक्रोशित हो उठे। मूर्ति की देखभाल के लिए गठित समिति के अध्यक्ष दिनेश चंद्र ने अराजकतत्वों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। जिला प्रशासन के नई मूर्ति स्थापित कराने के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए थे।

स्पर्श की गेंदबाजी के साथ ही चमका बल्ला, कूह स्पोर्ट्स क्लब ने जीता मैच

लखनऊ, (हि.स.)। कूह स्पोर्ट्स किकेट क्लब ने स्पर्श जैन (18 रन, 2 विकेट) के हरफनमौला कमाल और गेंदबाजों के उपयोगी प्रदर्शन के सहारे बीबीडी सीनियर डिवीजन क्रिकेट लीग में आरईपीएल क्रूसेडर्स को 65 रन से पराजित किया। चौक स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में आरईपीएल क्रूसेडर्स ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला लिया। कूह स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 40 ओवर के मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 37 ओवर में 211 रन बनाये। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज अंश चौधरी ने 20 व विवेक सिंह ने 18 रन बनाते हुए पारी की शुरूआत की। ये दोनों 65 रन के कुल स्कोर पर पवैलियन लौट गए। टीम से तीसरे नंबर पर उतरे दीपक कुमार (23) ने आदित्य सिंह (31) के साथ मिलकर पारी को संभाला। दीपक को सजल की गेंद पर शुभम ने कैच लपक कर आउट किया तो आदित्य सिंह क्षितिज की गेंद पर शाश्वत को डीप स्क्वेयर पर कैच थमा बैठे। फिर हिमांशु द्विवेदी (40) व अरविंद राजपूत (25) ने पारी को संभाला और पांचवे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की। हिमांशु द्विवेदी ने 27 गेंदों पर चार चौके व दो छक्के से 40 रन की पारी खेली। अरविंद राजपूत ने 42 गेंदों की अपनी पारी में तीन चौके भी जड़े। जवाब में आरईपीएल क्रूसेडर्स लक्ष्य का पीछा करते हुए 34.2 ओवर में 146 रन ही बना सका और जीत से 65 रन दूर रह गया।

टीम को शाश्वत पाण्डेय (42 रन, 69 गेंद, 3 चौके) और हिमांशु सिंह (36 रन, 44 गेंद, 5 चौके) ने पहले विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी कर तेज शुरूआत दी। हालांकि उन्हें अन्य बल्लेबाजों का पर्याप्त सहयोग नहीं मिल सका। इसके अलावा सातवें नंबर पर उतरे शुभम राय 32 गेंदों पर दो चौके से 19 रन बनाकर दहाई का आंकड़ा पार कर सके।

मुख्यमंत्री योगी ने किया जी–20 का शुभारम्भ

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जी–20 सम्मेलन का शुभारम्भ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सेंट्रम होटल में आयोजित प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का सबसे अच्छा जल संसाधान उत्तर प्रदेश के पास है। सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के नाते सबसे अधिक युवा शक्ति उत्तर प्रदेश के पास मौजूद है। वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया के सभी देशों के साथ मिलकर बड़ी भूमिका निभाने का काम किया है। योगी ने कहा कि प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को हम अनाज उपलब्ध करा रहे हैं। पारदर्शी व्यवस्था के साथ ही नागरिकों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम कर रहे हैं। दो करोड़ सात लाख किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि मिल रही है। प्रदेश के अन्दर एक करोड़ छात्रों को स्कालरशिप प्रदान की जा रही है। डिजिटल तकनीकि आज की

आवश्यकता है।युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए टेबलेट व स्मार्टफोन उपलब्ध कराने का काम हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा मोदी के मार्गदर्शन में देश आगे बढ़ रहा है। वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। जी–20 की अध्यक्षता यह देश के लिए सौभाग्य का क्षण है। जी–20 की यह बैठक उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आप आये हैं हम आपका स्वागत करते हैं। जी–20 बैठक वसुधैव कुटुम्बकम की थीम पर आयोजित की जा रही है। जी–20 बैठक में आर्थिक मुद्दों के साथ–साथ डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल स्किलिंग पर चर्चा होगी। जी–20 देशों की जनसंख्या और जीडीपी भी अच्छी है। यहां भारत सरकार, मेक माय इंडिया, आधार, टेलीकाम व यूपी सरकार के स्टाल लगाये गये हैं। विदेशी मेहमानों को उत्तर प्रदेश सरकार के विकास कार्यों से अवगत कराया जायेगा। इसके बाद डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर कार्यशाला होगी।

ईसाई मिशनरी द्वारा धर्मांतरण करा रहे तीन महिलाओं समेत 16 गिरफ्तार

- सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी नहीं रुक रहा धर्मांतरण
का खेल खुफिया विभाग को नहीं है कोई जानकारी

जौनपुर, (हि.स.)। प्रदेश सरकार के लाख कोशिशों के बाद भी जनपद में धर्मांतरण का खेल नहीं रुक रहा है। आए दिन ईसाई मिशनरीज द्वारा छोटे-छोटे गांव और कस्बों में प्रार्थना सभाएं करके हिंदू धर्मावलंबियों को प्रलोभन देकर ईसाई धर्म में परिवर्तन कराया जा रहा है। ताजा मामला बदलापुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर कोटिला गांव का है जहां रविवार रात हिंदू संगठन के कार्यकताओं और पुलिस की टीम ने छापा मारकर मौके से भारी संख्या में लोगों को ईसाई धर्म के ईसा मसीह का प्रार्थना करते हुए पकड़ा है। पुलिस ने 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई करने में जुटी हुई है। इस संबंध में सोमवर को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी बदलापुर शुभम तोदी ने बताया कि हिन्दू संगठन के प्रमोद कुमार शर्मा की तहरीर से सूचना प्राप्त हुई कि सेंट जेवियर्स स्कूल के प्रबंधक थामस जोसेफ के प्रभाव में आकर कुछ महिलायें व पुरुष हिंदू धर्म से ईसाई धर्म में परिवर्तन कर रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस मुरादपुर कोटिला गांव में पहुंचकर विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन करा रहे 13 पुरुष व तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। इनके खिलाफ सुसंगत धाराओं में एफआईआर पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार व्यक्तियों में दिनेश कुमार मौर्या पुत्र मोहन लाल मुरादपुर कोटिला थाना बदलापुर, अमृत लाल पुत्र खिलाड़ी राम शेखपुर थाना तेजी बाजार, शनि गौतम पुत्र शम्भूनाथ मुरादपुर कोटिला, समर बहादुर पुत्र चैतू राम रूपचन्द्रपुर, शिव प्रकाश गौतम पुत्र गुरूदीन, दुर्गा प्रसाद पुत्र छोटे लाल घघरिया थाना मछलीशहर, कमलेश चमार पुत्र बिरछू राम गजेन्द्रपुर थाना करौंदीकलां, पंकज चमार पुत्र कमलेश गजेन्द्रपुर थाना करौंदीकला, राम अजोर पुत्र प्रेमचन्द्र रैभानीपुर थाना बदलापुर, सुरेश मौर्या पुत्र राधेश्याम मौर्या नि0ग्रा0 राजेपुर थाना मछलीशहर, संजय कुमार पुत्र राम सेवक छतौना थाना हनुमानगंज जनपद सुल्तानपुर, आशीष कुमार पुत्र पुनवासी कन्नौजिया अमरूपुर थाना चांदा जनपद सुल्तानपुर, राजपति पुत्र बलदेव सुल्तानपुर थाना बदलापुर, पूनम पत्नी राजेश दोमुहा थाना दोमुख जौनपुर, अंशिका पत्नी दिवाकर तेजी बाजार थाना तेजी बाजार, सरिता पत्नी विजय ढकवा थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ़ शामिल हैं। जनपद में धर्मांतरण रुकने का नाम नहीं ले रहा है आए दिन गांव गिराव में धर्मांतरण जैसी बातें सामने आ रही है लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा इसमें कोई ठोस कदम उठाए जाने से इन लोगों के हौसले बुलंद है। इससे साफ जाहिर है कि पुलिस कहीं न कहीं नामजद आरोपियों बचाने का काम कर रही है।

रामगढ़ में जांच के दौरान गाड़ी से जब्त किया गया 10 लाख रुपए का कैश

रामगढ़, (हि.स.)। रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव में अवैध शराब और रकम को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार जांच कर रही है। सोमवार को निवार्ची पदाधिकारी मोहम्मद जावेद हुसैन ने बताया कि देर रात जांच के दौरान एक गाड़ी से 10 लाख रुपए कैश बरामद किए गए हैं। रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव को निष्पक्ष और कदाचार मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरीके से मुस्तैद है। उन्होंने बताया कि जब तक हम को तत्काल रामगढ़ थाना लाया गया है। इस मामले की जांच के लिए डीडीसी को नियुक्त किया गया है। अगर बरामद कैश का पूरा ब्योरा संबंधित व्यक्ति के द्वारा दिया जाता है तो उसे रिलीज किया जाएगा। अगर जांच में यह पाया जाता है कि उस रकम का प्रयोग चुनाव में अवैध तरीके से किया

जाने वाला था। तो उसको जब्त कर संबंधित व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिस व्यक्ति के निजी वाहन की डिक्की से 10 लाख रुपए का कैश जब्त किया गया है वह खुद को एक व्यवसायी बताता है। मुदसीर रजा नामक व्यक्ति के पास से जब्त राशि को संबंधित थाने में सुपुर्द कर इसकी सूचना जिले में गठित कैश रिलीज कमिटी को भेज दी गई है। इसके उपरांत कमिटी आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केंदुआ में अहले सुबह गूंजी गोलियों की तड़तड़ाहट, बाल बाल बचे राजेश यादव

धनबाद, (हि. स.)। केंदुआडीह थाना क्षेत्र के केंदुआ-झरिया मुख्य मार्ग पर सोमवार सुबह करीब 7:30 बजे बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने अन्धाधुन्ध फायरिंग कर दहशत फैला दी। बाइक पर सवार होकर आए तीन अपराधियों ने कोयला उत्खनन से जुड़े आउटसोर्सिंग कंपनी के लिए काम करने वाले राजेश यादव पर निशाना साध कर चलाया था, गनीमत रही कि इस गोलीबारी में राजेश यादव बालबाल बच गए। बताया जाता है कि केंदुआडीह थाना से महज पांच सौ मीटर की दूरी पर स्थित अपने आवास से बाहर निकल कर आउटसोर्सिंग कंपनी के लिए काम करने वाले राजेश यादव अपने पिता के साथ सड़क के किनारे खड़े थे। उसी दौरान एक बाइक पर सवार

होकर आए तीन अज्ञात बदमाशों ने उनपर एक-एक करके छह गोलियां दाग दी। गनीमत रही कि राजेश अपराधियों के गोली से बचने में कामयाब रहे। अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियां सड़क किनारे बने दीवार और एक दुकान के शटर पर लगी है। घटना के बाद मौके पर पहुंची केंदुआडीह पुलिस मामले की जांच करने में जुटी है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व में भी राजेश यादव पर हमला हो चुका है। इससे बचने के लिए उन्होंने अपनी सुरक्षा में निजी गार्ड भी रखा है। साथ ही उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर धनबाद पुलिस से गुहार भी लगाई है।

सीएम की समाधान यात्रा को लेकर बंजरिया प्रखंड क्षेत्र के लोगों में उत्साह

-यात्रा में परिवर्त्तन, जिला मुख्यालय से सटे सिसवा पूर्वी पंचायत का लेंगे जायजा

मोतिहारी, (हि.स.)। सीएम नीतीश कुमार की संभावित समाधान यात्रा में एकाएक परिवर्तन कर इसे संक्षिप्त किया गया है, अब सीएम जिला मुख्यालय में अधिकारियो के साथ समीक्षा बैठक के साथ शहर से सटे बंजरिया प्रखंड के सिसवा पूर्वी पंचायत पहुंचेगे। जहां सरकार की विभिन्न योजनाओ का जायजा लेगे। इस सूचना के बाद बंजरिया प्रखंड के लोगो में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इससे पूर्व सीएम की समाधान यात्रा जिले के केसरिया प्रखंड के गोछी व कोटवा प्रखंड के मच्छरगावा में संभावित थी। लिहाजा यहां के लोग काफी निराश हैं।

उल्लेखनीय है, कि वर्षो से बाढ और सुखाड़ झेलती और कई मायनों में अब भी पिछड़े बंजरिया प्रखंड के सिसवा पूर्वी पंचायत को हाल में ही कई बेहतरीन कार्यों के लिए जिला व राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया गया है। जहां सीएम की संभावित यात्रा को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। हालांकि यात्रा के चंद दिनों पूर्व इसके परिवर्तित होने के कारण अधिकारियों के पसीने छूट रहे हैं। कार्यक्रम स्थल से लेकर अन्य तैयारियो का डीएम से लेकर सभी विभागो के अधिकारी लगातार जायजा ले रहे है। सिसवा पूर्वी पंचायत के गली गली घूम कर सड़क, नली गली, नल जल, स्ट्रीट लाइट, कचरा अवशिष्ट प्रसंस्करण इकाई, विद्यालय, मदरसा, पंचायत सरकार भवन व जीविका भवन से जुड़े योजनाओ का लगातार निरीक्षण कर उसे चुस्त और दुरूस्त बनाने की कवायद की जा रही है। सीएम की यात्रा वाली मार्ग अवधेश चौक से भाया सुरहा सिसवा पूर्वी पंचायत में जाने वाली सड़क को चकाचक किया जा रहा है। वही दूसरी ओर सिंधिया सागर से अजगरी, सिसवा पश्चिमी व सिसवा पूर्वी पंचायत को जोड़ने वाली सड़क की सुध कोई नही ले रहा है। जिस कारण सीएम की यात्रा को लेकर उत्साहित लोगो में थोड़ी मायूसी भी दिख रही है। बताते चले कि सीएम अपनी यात्रा के दौरान शिक्षा,सफाई और मध्यान भोजन के साथ जल जीवन हरियाली से जुडे कार्यो का निरीक्षण कर सकते है। ऐसे में यहां स्थित मदरसा व स्कूल में भी चाक चौबंद व्यवस्था की जा रही है। सोलर लाइट सहित अन्य सुविधाओ को तेजी से विकसित किया जा रहा है।साथ ही पंचायत के वार्ड 16 स्थित पोखर को संजाने संवारने का काम किया जा रहा है। सूबे के कानून मंत्री सह क्षेत्रीय विधायक डा.शमीम अहमद, मुखिया तान्या प्रवीण,प्रमुख जफीर आजाद चमन भी लगातार सभी कार्यो को बारीकी से निरीक्षण करते हुए सीएम की यात्रा को यादगार बनाने में जुटे है।

रेलवे ओवरब्रिज रेलिंग से टकराई बारातियों की कार, दो की मौत व चार घायल

अररिया (हि.स.)। अररिया आरएस ओपी क्षेत्र में बारात लेकर लौट रही एक कार सोमवार सुबह ओवरब्रिज की रेलिंग से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि अन्य चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर पूर्णिया रेफर कर दिया गया। बताया गया कि रानीगंज के परमानंदपुर के रहने वाले राजेंद्र बैठा के पुत्र सुनील की शादी रविवार को पूर्णिया के गुलाबबाग में थी। सोमवार को बारात लौटने के दौरान सुबह छह बजे के करीब आरएस ओपी क्षेत्र के गिदरिया में निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज के पास रेलिंग से टकरा गई। कार में सवार दो लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान मधेपुरा के पूर्व जिला परिषद सदस्य 60 वर्षीय नेपाली रजक और उत्तर प्रदेश के गोरखपुर निवासी 60 वर्षीय हरदेव बैठा के रूप में हुई हैं। वहीं कार चालक दयानंद रजक, कमलानंद यादव, गौरव कुमार, विनोद यादव और मुन्ना ठाकुर घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज पूर्णिया में किया जा रहा है।

काशी लालिमा भिड़ी की खेती किसानों के लिए काफी लाभकारी : डॉ. पंकज कुमार

कटिहार, (हि.स.)। किसान अब पारंपरिक खेती के साथ-साथ वैज्ञानिक तकनीकी से सब्जियों की खेती कर अधिक मुनाफा कमा रहे हैं। मुख्य रूप से भारतीय सब्जी अनुसंधान केंद्र (आईसीएआर) वाराणसी की "काशी लालिमा भिड़ी" किसानों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध हो रहा है। इसलिए किसान अब लाल भिंडी की खेती की तरफ रुचि ले रहे हैं। लाल भिंडी की खेती साल में दो बार यानी कि खरीफ व रबी सीजन में की जा सकती है। लाल भिंडी की खेती करने के लिए बलुई दोमट मिट्टी सबसे अच्छी होती है। इसके पौधे को अधिक बारिश की ज्यादा जरूरत नहीं होती है। सामान्य बारिश इसकी खेती के लिए काफी अच्छी होती है। हरी भिंडी की अपेक्षा में लाल भिंडी का बाजार में भाव ज्यादा रहता हैं। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. पंकज कुमार ने सोमवार को हिन्दुस्थान समाचार से खास बातचीत में बताया कि काशी लालिमा भिंडी में कैल्शियम, आयरन, जिंक, फोलिक एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेन्ट ज्यादा मात्रा में पाया

जाता है। लाल भिंडी की खेती भी हरी भिंडी की तरह ही की जाती है। इसकी खेती करने के लिए फरवरी के पहले सप्ताह से मार्च महीने के अंत तक और जून से जुलाई महीने तक इसकी बुवाई की जा सकती है।

बुआई के बाद लाल भिंडी की फसल 40 से 45 दिनों में उपज देना शुरू कर देती है। लाल भिंडी की फसल चार से पांच महीने तक उपज देती है और 130 से 150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक का उत्पादन किसानों को आसानी से मिल जाता है। जिससे किसान और सबसे की तुलना में अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। लाल भिंडी की खेती को लेकर डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि इसकी खेती करने के लिए खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से या कलटीवेटर की मदद से खेत की दो से तीन बार जुताई करनी चाहिए। उसके बाद खेत को कुछ दिनों के लिए खुला छोड़ देना चाहिए। इसके बाद खेत में 15 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से पुरानी सड़ी हुई गोबर की खाद को डालकर खेत की फिर से एक से दो बार अच्छे से तिरछी जुताई करनी चाहिए। उसके बाद खेत में पानी लगाकर खेत का पलेव कर दें। जब खेत के ऊपर की मिट्टी सूखने लगे तब खेत की एक से दो बार रोटोवेटर की मदद से जुताई करके खेत में पाटा लगाकर खेत को समतल कर बुआई करें।

संपादकीय

महंगाई डायन कब जात है

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान मुद्रास्फीति, महंगाई की दर 5.3 फीसदी रह सकती है। फिलहाल यह दर 6 फीसदी से अधिक है, जो तय लक्ष्मण-रेखा लांघती लग रही है। अलबत्ता खतरनाक स्थिति नहीं है। एक तरफ महंगाई को काबू में रखने के दावे किए जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ रिजर्व बैंक ने एक बार फिर रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। अब रेपो रेट 6.50 फीसदी 2018 के बाद सबसे ऊंची दर है। रिजर्व बैंक का अर्थशास्त्र कहता रहा है कि इससे महंगाई को कम किया जा सकता है। पेशेवर अर्थशास्त्र इसके बिल्कुल विपरीत है, क्योंकि बाज़ार में पैसा नहीं होगा, तो मांग घटेगी। मांग कम होने का सीधा असर आपूर्ति और उत्पादन पर पड़ता है। उससे अर्थव्यवस्था की विकास दर भी प्रभावित होकर कम होती है। रोजग़ार के अवसर भी कम हो जाते हैं। बैंकों के ऋण जरूर महंगे हो जाते हैं। उनसे भी आम आदमी ही प्रभावित होता है। अच्छा है कि 2023-24 में महंगाई कम हो सकती है, क्योंकि इस साल 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं और 2024 में तो निर्णायक लोकसभा चुनाव होने हैं। इधर कुछ नए सर्वेक्षण सामने आए हैं, जिनमें महंगाई को मोदी सरकार की सबसे बड़ी नाकामी आंका गया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में और भी गिरावट आ सकती है, नतीजतन मुद्रास्फीति भी घट सकती है, लेकिन हकीकत यह है कि कच्चे तेल की कीमतें 40 डॉलर प्रति बैरल कम हो चुकी हैं, फिर भी उनका फायदा आम उपभोक्ता को नहीं दिया गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने तेल कंपनियों को पत्र लिख कर आग्रह किया था कि कंपनियों के घाटे की लगभग भरपाई की जा चुकी है और कच्चे तेल की कीमतें भी नियंत्रण में हैं, लिहाजा आम उपभोक्ता के लिए कीमतें कम की जाएं। लेकिन तेल कंपनियों ने केंद्रीय मंत्री के आग्रह की भी परवाह नहीं की और पेट्रोल, डीजल के दाम यथावत हैं। महंगाई, मुद्रास्फीति की दर बढऩे में तेल की बड़ी भूमिका है। कच्चा तेल 135-140 डॉलर प्रति बैरल भी हुआ है और 30-40 डॉलर तक भी लुढक़ा है और अब 90-94 डॉलर प्रति बैरल के बीच में घूम रहा है। भारत अपनी मुद्रा में रूस से भी सस्ता तेल खरीद रहा है। सवाल है कि तेल सस्ता होने पर आम उपभोक्ता को पेट्रोल, डीजल आदि सस्ते क्यों नहीं मिलते? तेल कब तक आम आदमी का तेल निकालता रहेगा? बेशक रिजर्व बैंक के गवर्नर ने 2023-24 के दौरान मुद्रास्फीति की दर नियंत्रण में आने का भरोसा दिलाने की कोशिश की है, लेकिन यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि भारत में 'नियंत्रित अर्थव्यवस्था' नहीं है। यदि किसी वस्तु के दाम महंगे कर दिए गए, तो उन्हें तेल की कीमतें घटने या सामान्य हालात होने के बावजूद सस्ता नहीं किया जाएगा। एक और उदाहरण दूध का है। यदि उसके दामों पर नियंत्रण और निगाह के लिए कोई नियामक एजेंसी तय नहीं की गई, तो उसकी स्थिति भी तेल जैसी अनियंत्रित हो जाएगी। बेशक खुदरा और थोक महंगाई की दरें फिलहाल कम हैं। सब्जियों के दाम स्थिर हैं, लेकिन आटा, चावल, अरहर की दाल, उड़द और चना दाल, राजमां और सरसों का तेल आदि वस्तुएं महंगी हुई हैं।

रिजर्व बैंक के गवर्नर का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में और भी गिरावट आ सकती है, नतीजतन मुद्रास्फीति भी घट सकती है, लेकिन हकीकत यह है कि कच्चे तेल की कीमतें 40 डॉलर प्रति बैरल कम हो चुकी हैं, फिर भी उनका फायदा आम उपभोक्ता को नहीं दिया गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने तेल कंपनियों को पत्र लिख कर आग्रह किया था कि कंपनियों के घाटे की लगभग भरपाई की जा चुकी है और कच्चे तेल की कीमतें भी नियंत्रण में हैं, लिहाजा आम उपभोक्ता के लिए कीमतें कम की जाएं। लेकिन तेल कंपनियों ने केंद्रीय मंत्री के आग्रह की भी परवाह नहीं की और पेट्रोल, डीजल के दाम यथावत हैं। महंगाई, मुद्रास्फीति की दर बढऩे में तेल की बड़ी भूमिका है। कच्चा तेल 135-140 डॉलर प्रति बैरल भी हुआ है और 30-40 डॉलर तक भी लुढक़ा है और अब 90-94 डॉलर प्रति बैरल के बीच में घूम रहा है। भारत अपनी मुद्रा में रूस से भी सस्ता तेल खरीद रहा है। सवाल है कि तेल सस्ता होने पर आम उपभोक्ता को पेट्रोल, डीजल आदि सस्ते क्यों नहीं मिलते? तेल कब तक आम आदमी का तेल निकालता रहेगा? बेशक रिजर्व बैंक के गवर्नर ने 2023-24 के दौरान मुद्रास्फीति की दर नियंत्रण में आने का भरोसा दिलाने की कोशिश की है, लेकिन यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि भारत में 'नियंत्रित अर्थव्यवस्था' नहीं है। यदि किसी वस्तु के दाम महंगे कर दिए गए, तो उन्हें तेल की कीमतें घटने या सामान्य हालात होने के बावजूद सस्ता नहीं किया जाएगा। एक और उदाहरण दूध का है।

भारत में नदी जल मार्ग की क्षमता के लाभ लेने के नए दौर का सूत्रपात हो रहा है

नदी जल शक्ति से विकास का नया दौर

डा. जयंतीलाल भंडारी

हम उम्मीद करें कि वाराणसी में दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज और कई अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग परियोजनाओं के उद्घाटन के साथ भारत से नदी जलमार्ग के क्षमताओं के उपयोग के नए दौर की शुरुआत आम आदमी और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभ पर होगी। साथ ही पीएम गतिशक्ति योजना, नई लॉजिस्टिक नीति 2022 और मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 के तहत अंतर्देशीय जलमार्गों को भारी प्रोत्साहन देने की रणनीति से जल मार्गों के प्रभावी व्यावसायिक उपयोग, सस्ते जल परिवहन और जलमार्गों पर पर्यटन विकास के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे। भारत में जलमार्गों के विकास से ढुलाई लागत यानी लॉजिस्टिक कास्ट को घटाकर भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा क्षमता को बढ़ाया जा सकेगा। ऐसे में नदी जल मार्ग भारत की नई सामथ्र्य बनते हुए दिखाई देंगे।

हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज- एमवी गंगा विलास को झंडी दिखाकर रवाना करने के साथ 1000 करोड़ रुपये से अधिक की कई अन्य अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत में नदी जल मार्ग की क्षमता के लाभ लेने के नए दौर का सूत्रपात हो रहा है। वस्तुतः देश में एक लम्बे समय से जल परिवहन में शामिल अंतर्देशीय जलमार्गों और तटीय नौवहन के विकास की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। जिन जल मार्गों को देश के प्राकृतिक पथ कहा जाता है वे अतीत में भारतीय परिवहन की जीवन रेखा हुआ करते थे। ये जल मार्ग शताब्दियों से कारोबार, उद्योग और आर्थिक शक्ति का मुख्य आधार हुआ करते थे। लेकिन अंग्रेजों के आगमन के बाद जलमार्गों की लगातार उपेक्षा हुई। खासतौर से बीती एक शताब्दी में भारत में जल परिवहन क्षेत्र बेहद उपेक्षित होता चला गया। देश की आजादी के बाद भी सडक़, रेल और वायु मार्गों की होड़ में परम्परागत जीवनदायी जलमार्ग नजरअंदाज होते गए। ज्ञातव्य है कि देश में 7500 किलोमीटर लंबा समुद्री तट और करीब 14500 किलोमीटर संभावित नौवहन योग्य जलमार्ग है। देश को इस विशाल नदी मार्ग पर हमेशा बहती रहने वाली नदियों, झीलों और बैकवाटर्स का उपहार भी मिला हुआ है। गौरतलब है कि देश खासतौर से 2014 के बाद, नदी जल मार्गों की प्राचीन शक्ति का उपयोग करने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ा है। देश की बड़ी नदियों में जलमार्ग विकसित करने के लिए नया कानून और विस्तृत कार्ययोजना लाई गई है। 2014 में देश में केवल 5 राष्ट्रीय जलमार्ग थे, अब देश में 111 राष्ट्रीय जलमार्ग हैं और लगभग दो दर्जन पहले से ही चालू हैं। इसी तरह, नदी जलमार्ग के माध्यम से कार्गो परिवहन में 8 साल पहले 30 लाख मीट्रिक टन से 3 गुना वृद्धि हुई है। जलमार्ग पर्यावरण की रक्षा के लिए भी अच्छे हैं और पैसे की भी बचत करते हैं। जलमार्गों के संचालन की लागत सडक़ मार्गों की तुलना में ढाई गुना कम है और रेलवे की तुलना में एक तिहाई कम है। यही कारण है कि चीन और अमेरिका सहित कई यूरोपीय देशों ने जैसे-जैसे विकास की ओर कदम बढ़ाए, वैसे-वैसे वे अपने जल मार्गों का अधिक उपयोग करने लगे। कई यूरोपीय देश अपने कुल माल और यात्री परिवहन के लिए जल परिवहन का बहुतायत से उपयोग करते हैं। इतना ही नहीं, यूरोप के कई देश आपस में इसी साधन से बहुत मजबूती से जुड़े हुए हैं। उन्होंने जल मार्गों को अपनी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बना लिया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 11 और 12 नवंबर को वाराणसी में पीएम गतिशक्ति मल्टी मॉडल जलमार्ग शिखर सम्मेलन के दौरान यह बात उभरकर सामने आई कि भारत की नई लॉजिस्टिक नीति 2022 और गतिशक्ति योजना का आगाज अभूतपूर्व रणनीतियों के साथ हुआ है और इनके तहत जल परिवहन के विकास से लॉजिस्टिक कास्ट के बोझ को घटाया जा सकता है। इसी तरह से मेरीटाइम इंडिया मिशन 2030 देश के बंदरगाहों के विकास और लॉजिस्टिक लागत घटाकर समुद्री अर्थव्यवस्था से देश को लाभान्वित करने से संबंधित है। मैटीराइम इंडिया समिट 2021 में यह रेखांकित हुआ है कि भारत बंदरगाह विकास की नई रणनीति से सागरमाला परियोजना के तहत 574 से अधिक परियोजना के लिए वर्ष 2035 तक 82 अरब डॉलर का निवेश करेगा। इससे समुद्री नौवहन क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाई जाएगी, जलमार्गों का विकास किया जाएगा। इस समय इस मिशन के तहत बंदरगाहों के विकास के साथ ही जलमार्गों का विकास और लाइटहाउस के आसपास पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। भारत की तटीय सीमा के साथ 189 प्रकाश स्तंभ हैं। इनमें से सरकार 78 प्रकाश स्तंभ के आसपास पर्यटन का विकास करने की योजना पर काम कर रही है। ऐसे में अब और राष्ट्रीय जलमार्गों से देश की आर्थिक-सामाजिक तस्वीर को संवारने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जाने होंगे।

भारत में विकासशील जलमार्गों की निरंतर विकास प्रक्रिया एक विकसित भारत के निर्माण के लिए मजबूत कनेक्टिविटी तथा देश के व्यापार और पर्यटन को नई ऊंचाई देने के लिए जरूरी है। चूंकि भारत में हजारों किलोमीटर के जलमार्ग नेटवर्क को विकसित करने की क्षमता है। अतएव भारत में जो 125 से ज्यादा नदियां और नदी धाराएं हैं, वे लोगों और सामान के ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल की जा सकती हैं और ये वाटर-वे, भारत में पोर्ट लेड डेवलपमेंट को भी बढ़ाने में मदद करते हुए दिखाई दे सकती है। अब जल परिवहन का बुनियादी ढांचा तैयार करने और परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भारी भरकम संसाधन जुटाने के लिए पीएम गतिशक्ति योजना और नई लॉजिस्टिक नीति के तहत प्रावधानों के कारगर क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। जल परिवहन क्षेत्र के विकास के लिए इस बात की वैधानिक व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी कि विभिन्न नदी तटीय इलाकों के कारखाने तथा अन्य उपक्रम अपनी माल ढुलाई में एक खास हिस्सा जलमार्गों को दें। जल मार्ग उपयोग करने वालों को कुछ सब्सिडी भी दी जानी होगी। इससे अंतर्देशीय जल परिवहन और तटीय जहाजरानी दोनों को बढ़ावा मिलेगा, सस्ते में परिवहन होगा और उद्योग कारोबार को प्रोत्साहन मिलेगा। खासतौर से खतरनाक सामग्री और गैस, पेट्रोल या रसायनों का एक हिस्सा जल परिवहन को आवश्यक रूप से हस्तांतरित किया जाना सुनिश्चित करना होगा। हम उम्मीद करें कि वाराणसी में दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज और कई अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग परियोजनाओं के उद्घाटन के साथ भारत से नदी जलमार्ग के क्षमताओं के उपयोग के नए दौर की शुरुआत आम आदमी और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभ पर होगी। साथ ही पीएम गतिशक्ति योजना, नई लॉजिस्टिक नीति 2022 और मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 के तहत अंतर्देशीय जलमार्गों को भारी प्रोत्साहन देने की रणनीति से जल मार्गों के प्रभावी व्यावसायिक उपयोग, सस्ते जल परिवहन और जलमार्गों पर पर्यटन विकास के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे। भारत में जलमार्गों के विकास से ढुलाई लागत यानी लॉजिस्टिक कास्ट को घटाकर भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा क्षमता को बढ़ाया जा सकेगा। ऐसे में नदी जल मार्ग भारत की नई सामथ्र्य बनते हुए दिखाई देंगे। ये विकास के मार्ग बनेंगे।

पशु चिकित्सालयों को पूरी सुविधाएं दो

पशु चिकित्सालयों में दुधारू पशुओं को गर्भधारण किए जाने के लिए लगाए जाने वाले टीकों की गुणवत्ता सही नहीं है। पशु पालकों में इस विषय पर जागरूकता का अभाव है। दुधारू पशुओं के बांझ बनने पर लोग उन्हें आवारा घूमने के लिए छोड़ देते हैं। पूर्व सरकार ने सूअर पालन के साथ गाय के लिए गोशालाओं का निर्माण किए जाने का फैसला लिया था। दुग्ध क्रांति सफल हो भी कैसे, जब पशु चिकित्सालयों में पर्याप्त स्टाफ का अभाव हो। रात्रि समय अगर कोई पशु बीमार पड़े तो उसका इलाज कहां करवाएं, यह पशु पालकों की गंभीर समस्या है। पशु चिकित्सालयों में वरिष्ठ चिकित्सकों के पद खाली पड़े हैं जिन्हें भरा नहीं जा रहा है। ऐसे में पशु पालकों को सही सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। पशु चिकित्सालयों में निचले स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए कोई एक समान नीति ही सरकारें लागू नहीं कर पाई हैं। सर्पदंश और बिजली करंट से किसी दुधारु पशु की मौत पर चिकित्सक पशु पालक को आर्थिक मदद मिलने की संस्तुति करते हैं। अगर किसी गर्भवती दुधारु पशु की मौत गंभीर बीमारी से होने पर पशु चिकित्सक ऐसी कोई रिपोर्ट तैयार नहीं करते हैं, ऐसे में पशु पालकों को हजारों रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है। बरसात शुरू होने से पूर्व ही पशु पालन विभाग के कर्मचारी पशु पालकों के घरों में जाकर पशुओं की जांच करते थे। पशुओं का गलगोटू, खरेडू, बुखार आदि बरसाती बीमारियों से इलाज किया जाता था। वर्तमान दौर में सरकार की ओर से पशु पालकों को ऐसी कोई भी सुविधा फिलहाल उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है। स्टाफ को मिलने वाला वेतनमान ऊंट के मुंह में जीरा डालने वाली बात है। पशु पालकों को जब भी ऐसे स्टाफ को अपने बीमार मवेशियों की जांच करने के लिए घर बुलाना पड़ता है, तब उन्हें अपनी जेब ढीली करनी पड़ती है। पशु चिकित्सालयों में बहुत कम दवाइयां उपलब्ध रहने की वजह से पशु पालकों को मेडिकल स्टोरों से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। एक तो दवाईयों की खरीददारी, ऊपर से स्टाफ को भी पैसे देने पड़ते हैं। ऐसे में पशु पालकों को सरकार की तरफ से कौनसी सुविधाएं मिल रही हैं, जिससे सघन दुग्ध क्रांति प्रदेश में लाई जा सके। सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार भी पूर्व सरकारों की भांति प्रदेश में दुग्ध क्रांति लाए जाने को लेकर प्रयासरत चल रही है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भधारण योजना के तहत पशु पालकों को घर-द्वार पर ही निशुल्क गर्भधारण की सुविधा दी गई है। इसके तहत पशुओं को टैग लगाए जाते हैं। कहने का मतलब है कि दुधारु पशुओं के कानों में यह टैग लगाकर उनका ऑनलाइन पंजीकरण भी किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता और उत्तम नस्ल की संतति करके दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सके। प्रत्येक जिला के पशु पालकों को प्रजनन योग्य गाय और भैंस को उत्तम नस्ल के वीर्य गुणों की मदद से निशुल्क गर्भधारण की सुविधा दिए जाने का लक्ष्य सरकार ने रखा है। सन-2010-12 में भाजपा सरकार ने वेटरिनरी फार्मासिस्ट का कोर्स 878 युवाओं को करवाया। वेटरिनरी फार्मासिस्ट कोर्स पास करने के बाद इन युवाओं को पंचायत पशु सहायक पद पर नियुक्त किया गया। कर्मचारियों को मिलने वाला वेतनमान दैनिक वेतनभोगी से भी कम है। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन पर कांग्रेस सरकार ने भी भाजपा से सीख लेते हुए सन-2015 में करीब एक सौ पचास पंचायत पशु सहायकों को वेटरिनरी फार्मासिस्ट के पद पर पशु पालन विभाग ने अनुबंध पर रखा। ठीक अगले ही वर्ष 130 युवाओं को इसी पद पर नियुक्ति मिली। कुल 878 वेटरिनरी फार्मासिस्ट में से 116 सुविधाओं के अभाव के चलते नौकरी छोडक़र चलते बने। 300 के करीब को अब नियुक्ति दी गई है। शेष 472 पंचायत पशु सहायक सन-2018 में अनुबंध पर नियुक्ति दी गई है। योजना विहीन वेटरिनरी फार्मासिस्ट को सरकार की तरफ से कोई लाभ ही नहीं मिल पाया है। हिमाचल प्रदेश की सरकारें पिछले आठ वर्षों में करीब 150 वेटरिनरी फार्मासिस्ट को बड़ी मुश्किल से नियमित कर पाई हैं। प्रदेश सरकार को दुग्ध क्रांति लाने के लिए पशु चिकित्सालयों में स्टाफ की कमी दूर करनी चाहिए। पशु पालकों को हरसंभव मदद मुहैया करवाकर उन्हें दूध का सही दाम मिलना जरूरी है। किसानों, पशुपालकों की सुविधाओं के लिए पूर्व वर्षों में कृषि मेलों का आयोजन किया जाता था। मेलों में पशु पालकों को सब्सिडी पर दुधारू पशु दिए जाते थे। पशु चिकित्सालयों में औजार, कृषि बीज, दवाइयां और उर्वरक दिए जाते थे। वर्तमान समय में ऐसा बहुत कम देखने को मिल रहा है। पशु चिकित्सालयों में पशुपालकों को सुविधाएं नहीं मिलने की वजह से लोग पशुपालन से विमुख हो रहे हैं। हिमाचल जैसे राज्य, जहां बेरोजगारी की बड़ी समस्या है, में पशुपालन रोजगार का बड़ा साधन है। इसलिए इस बार के बजट में इसके लिए अलग प्रावधान होना चाहिए।

देश दुनीया से

सेक्युलर खेमे ने काऊ हग डे का विरोध कर गौ माता से अपनी नफरत का इजहार किया

सेक्युलर दलों के विरोध व सोशल मीडिया पर व्यापक आलोचना के बाद भारतीय पशु कल्याण बोर्ड ने 14 फरवरी को गाय से आलिंगन दिवस के रूप में मनाने की अपील वापस ले ली। इस दिन पूरी दुनिया में वेलेंटाइन डे भी मनाया जाता है। केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मन्त्री श्री पुरुषोत्तम रुपाला की टिप्पणी के एक दिन बाद बोर्ड के सचिव श्री एस.के. दत्ता ने अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किए एक नोटिस के माध्यम से यह अपील वापस ले ली। रुपाला ने कहा कि 'अच्छा होता कि अगर लोग बोर्ड की ओर से 14 फरवरी को 'गाय आलिंगन दिवस' के रूप में मनाने की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते। यह पहली बार था जब पशु कल्याण बोर्ड ने देश में गाय प्रेमियों से 'गाय आलिंगन दिवस' मनाने की अपील की। बोर्ड ने कहा था कि पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव के चलते भारत की वैदिक परम्पराएं विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं। अब समय है कि हम अपनी परम्पराओं को पहचानें व उनको अपनाएं। ज्ञात रहे कि भारतीय समाज व गाय का रिश्ता उसके अस्तित्व से ही जुड़ा है। यह शायद सम्भव नहीं लगता कि देश में परम्परा निर्वहन व गौ कल्याण की बात हो और इसे वो सेक्युलर खेमा इसे सहजता से स्वीकार कर ले, जो गौमांस भक्षण को संवैधानिक अधिकार बताता आया हो। ऐसा हुआ भी, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, वामपन्थी दलों सहित समूचे इको सिस्टम ने इसका विरोध करना और उपहास उड़ाना शुरू कर दिया। बोर्ड के एक सार्थक प्रयास को कभी साम्प्रदायिक, कभी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छिपे एजेण्डे का हिस्सा बताया जाने लगा तो सोशल मीडिया पर इसका खूब उपहास उड़ाया गया। इसी कारण बोर्ड ने किसी विवाद की आशंका के चलते अपना निर्णय वापस ले लिया लगता है। इस बात की तो पहले से ही आशंका व्यक्त की जा रही थी कि पशु कल्याण बोर्ड की इस साहसिक पहल पर कईयों के नाक भौं चढ़ सकते हैं और अन्ततः ऐसा हुआ भी जिसके चलते बोर्ड को अपना निर्णय बदलना पड़ा। दूसरी ओर यह सच्चाई है कि भारत की तरह ही दुनिया के कई देशों में गायों से बहुत प्यार और स्नेह किया जाता है। इन देशों में नीदरलैण्ड, रॉटरडैम, स्विट्जरलैण्ड, अमेरिका सहित यूरोप, अफ्रीका के कई देश शामिल हैं जहां के नागरिक गायों को खूब प्रेम करते हैं। मैं और मेरा दोस्त राजेश लखोटिया बचपन में गली में घूमने वाली गायों के गलकम्बल व पीठ को सहलाते, तो देखते कि इससे गाय जड़वत खड़ी हो जाती और आनन्द में उनकी आंखें मुन्द जातीं। हमें भी अजीब-सा सुकून मिलता और देख कर हैरानी होती कि ये गायें हमें पहचानने लगती और जब भी गली में हम खड़े मिलते तो हमारे पास आकर हमें चाटना या हमारे शरीर के साथ गर्दन खुजाना शुरू कर देतीं। हम भारतीयों का गायों से नाता हमारे हमारे अस्तित्व से ही जुड़ा है और गौप्रेम जन्मघूटी से ही मिलता है। खुशी की बात है कि अब दुनिया गाय के महत्त्व को पहचानने लगी है। बताते हैं कि नीदरलैण्ड के गांव रूवर से गौ आलिंगन का प्रचलन निकला जो अब कई देशों में फैलता जा रहा है। डच भाषा में इसे 'कोए नफेलेन' कहते हैं। 'एप्लाइड एनिमल बिहेवियर साइंस जर्नल' के एक अध्ययन में कहा गया है कि जब गायों की गर्दन और ऊपरी पीठ के विशेष हिस्सों में मालिश की जाती है, तो वे गहरी राहत महसूस करती हैं, उनकी आंखें मुन्द जाती हैं और वे अपने कान गिरा देती हैं। जब इंसान गायों की पीठ को थपथपाते हैं तो वो उनके लिए काफी आरामदायक होता है। गाय पालन सकारात्मकता को बढ़ावा देता है और मनुष्यों में ऑक्सीटोसिन को बढ़ाकर तनाव को कम करता है।

रुपाला ने कहा कि 'अच्छा होता कि अगर लोग बोर्ड की ओर से 14 फरवरी को 'गाय आलिंगन दिवस' के रूप में मनाने की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते। यह पहली बार था जब पशु कल्याण बोर्ड ने देश में गाय प्रेमियों से 'गाय आलिंगन दिवस' मनाने की अपील की। बोर्ड ने कहा था कि पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव के चलते भारत की वैदिक परम्पराएं विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं। अब समय है कि हम अपनी परम्पराओं को पहचानें व उनको अपनाएं। ज्ञात रहे कि भारतीय समाज व गाय का रिश्ता उसके अस्तित्व से ही जुड़ा है। यह शायद सम्भव नहीं लगता कि देश में परम्परा निर्वहन व गौ कल्याण की बात हो और इसे वो सेक्युलर खेमा इसे सहजता से स्वीकार कर ले, जो गौमांस भक्षण को संवैधानिक अधिकार बताता आया हो। ऐसा हुआ भी, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, वामपन्थी दलों सहित समूचे इको सिस्टम ने इसका विरोध करना और उपहास उड़ाना शुरू कर दिया।

बोध कथा

खुशी और आनंद भरा जीवन, परिवार होगा मजबूत

केवल चिंता करने से कठिनाइयां दूर नहीं हो जातीं। चिंता हमारे चिंतन की क्षमता को अवरुद्ध कर देती है और यही अवरोध हमारे दुखों का मूल कारण है। चिंताग्रस्त व्यक्ति एक बार नहीं अनेक बार मरता है। चिंता करने से आने वाली समस्या तो हल नहीं होती, वर्तमान की शांति जरूर भंग हो जाती है। किसी भी समस्या के आ जाने पर उसके समाधान के लिए विवेकपूर्ण निर्णय ही चिंतन है। उसके पास विवेक है और वह समस्या के आगे से हटता नहीं बल्कि डटता है। समस्या के आगे डटना यानी समस्या का डटकर मुकाबला करना, आधी सफलता प्राप्त कर लेना है। फलां इंसान सही है, फलां गलत है। यह काम सही है, वह गलत है। इस उधेड़बुन में फंसकर हम अपने अंदर की शांति खो देते हैं। सही-गलत के तर्क-कुतर्क में खुशी कहीं पीछे छूट जाती है। कई तरीकों से हम अपने आपको खुश रख सकते हैं। दिन की शुरुआत पॉजिटिव सोच से करें अपने आप पर फोकस करें। हर चीज में अच्छे-बुरे पहलू होते हैं। यह हम पर निर्भर करता है कि हम क्या करना चाहते हैं। पूरे दिन की आपा-धापी के बीच कुछ पल अपने साथ जुड़ने का सरल और सहज तरीका है डीप ब्रीथिंग यानी अपनी सांसों के साथ चैतन्य होते हुए प्राणायाम करना। सहज तरीके से बैठकर धीरे-धीरे एक, दो, तीन, चार, पांच तक गहरी सांस लें। फिर एक, दो, तीन, चार, पांच तक सांस रोकें फिर इसी क्रम में सांस को बाहर निकालें। ऐसा एक बार में चार-पांच मर्तबा करें और यह प्रक्रिया सुबह, शाम, रात समय निकाल कर दोहराएं। इससे जीवन में शांति मिलती है। कभी तनाव या बेचैनी महसूस हो तो यह सांसों की प्रक्रिया जरूर आजमाएं। हल्का महसूस करेंगे और कुछ पल अपने साथ बिता पाएंगे। सुबह का टहलना कई मायनों में लाभकारी है। इसे अपनी जीवन-चर्या में अवश्य स्थान देना चाहिए। इससे पूरे दिन तरोताजगी रहती है। एक्सरसाइज करना भी जरूरी है। साथ ही आहार ऐसा हो जो पाचन तंत्र की सेहत खराब न करे। कहा जाता है कि शरीर स्वस्थ रहेगा तो खुशी और आनंद में कभी कमी नहीं होगी। चूंकि हम आनंद के अंश हैं। हमारे अंदर आनंद स्वरूप परमात्मा विराजमान है। इसलिए हर समय खुशी-आनंद की चाहत बनी रहती है। लेकिन उस खुशी के डोर से जुड़ नहीं पाते। दिन भर भाग-दौड़ बनी रहती है। समाधान तो होना ही है, पर चिंता हमें तब तक कमजोर बना देती है। ईश्वर स्मरण करने के कई तरीके हैं। सबसे सरल तरीका है सांसों के साथ जुड़ने का। सांसों के साथ जुड़ने से हम इन सांसों को बनाने वाले से भी जुड़ते चले जाते हैं। अपने जीवन के लिए ईश्वर के प्रति आभार जताना चाहिए। जीवन को गहराई से समझने का अवसर प्राप्त हो, क्योंकि यह जीवन अनमोल है। ईश्वर को शुक्रिया अदा करने का कोई मौका छोड़ना नहीं चाहिए। आभार जताने से खुशी का अहसास होता है। आभार जताने का अहसास दिलोदिमाग में स्फूर्ति और आनंददायक होता है। लेकिन ऐसा करना हम भूल चुके हैं। तो मित्रो, खुशी और आनंद से जीने के कुछ टिप्स हैं यहां। जो कि बहुत ही सहज, सरल और सुगम है। इसके लिए ज्यादा परिश्रम करने की भी जरूरत नहीं, सिर्फ अपनी सोच-समझ के तरीके में कुछ बदलाव करना है। अपने ही अंदर हमेशा विराजमान खुशी को प्राप्त कर जीवन को धन्य बनाया जा सकता है।

- आर.डी. अग्रवाल 'प्रेमी'

नागरिक बोध

अडानी विवाद: कमल पर कीचड़

अडानी समूह के तथाकथित भांडाफोड़ पर हमारी संसद का पूरा पिछला हफ्ता खप गया लेकिन अभी तक देश के लोगों को सारे घपले के बारे में कुछ भी ठोस जानकारी नहीं मिली है। हालांकि अडानी समूह ने सैकड़ों पृष्ठों का खंडन जारी करके दावा किया है कि उसने कोई गलत काम नहीं किया है। उसका सारा हिसाब-किताब एकदम साफ-सुथरा है। भारत के रिजर्व बैंक ने भी नाम लिये बिना अपने सारे लेन-देन को प्रामाणिक बताया है लेकिन आश्चर्य है कि भारत सरकार से अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के भाषण पर हुई बहस का जवाब देते हुए हमेशा की तरह काफी आक्रामक भाषण दिया और कांग्रेस की लगभग मिट्टी पलीत कर दी लेकिन अडानी-समूह के बारे में उन्होंने एक शब्द भी नहीं बोला। यही बात शक पैदा करती है कि कहीं दाल में कुछ काला तो नहीं है? राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने मोदी पर कई गंभीर आरोप लगाए और मोदी-अडानी सांठ-गांठ के कई उदाहरण भी दिए लेकिन एक मूल बात पर ध्यान देना जरूरी है। वह यह कि भारत-जैसे देश में क्या आर्थिक उन्नति के लिए यह जरुरी नहीं है कि सरकार और उद्योगपतियों के बीच घनिष्ट सामंजस्य बना रहे। पं. नेहरु की समाजवादी सरकार के दौरान भी टाटा, बिड़ला, डालमिया आदि समूहों की नजदीकी का पता किसे नहीं था? अडानी और अंबानी समूह कांग्रेस-राज के दौरान ही आगे बढ़े और मोदी-राज में अब वे दौड़ने भी लगे। दोनों समूह गुजराती हैं और हमारे दोनों भाई- नरेंद्र मोदी और अमित शाह- भी गुजराती ही हैं। इनका संबंध परस्पर थोड़ा घनिष्ट और अनौपचारिक भी रहा हो सकता है लेकिन यह देखना बेहद जरूरी है कि इन उद्योगपतियों को आगे बढ़ाने में कहीं गैर-कानूनी हथकंडों का सहारा तो नहीं लिया गया है? ये गैर-कानूनी हथकंडे इसलिए भी आसान बन जाते हैं कि हमारी भ्रष्ट नौकरशाही को संबंधों की फुलझड़ी दिखाकर पटाना कहीं अधिक आसान होता है। अडानी-समूह को अरबों रु. का धक्का लगभग रोज़ ही लगता जा रहा है। यदि लाखों शेयरधारकों की गाढ़ी कमाई बहने लगी तो वह गुस्सा मोदी सरकार पर ही फूट पड़ेगा।

आईएमएफ से कर्ज पाने में नाकामी का ठीकरा फूटेगा पूर्व वित्त मंत्री पर! वायरल हो रही एक ऑडियो क्लिप

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में शहबाज शरीफ सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिलने में हो रही देर को अंदरूनी सियासत का मसला बना दिया है। उसने अब इसकी जिम्मेदारी विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी पर डालने की पहल कर दी है। इसके लिए पूर्व इमरान खान सरकार में वित्त मंत्री रहे शौकत तरीन की गिरफ्तारी की योजना बनाई गई है। उन पर इल्जाम लगाया गया है कि उन्होंने नए कर्ज के लिए आईएमएफ के साथ हुए करार को पटरी से उतराने की कोशिश की। रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्री राना सनाउल्लाह ने शौकत तरीन की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। इसके लिए पिछले साल अगस्त में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक ऑडियो क्लिप का सहारा लिया गया है। आरोप था कि उस ऑडियो में शौकत तरीन की आवाज थी। उसमें तरीन खैबर पख्तूनवा और पंजाब प्रांत की सरकारों को यह सलाह देते सुने गए थे कि वे उस समय आई भीषण बाढ़ का बहाना बना कर अपने प्रांतों के बजट को फायदे में लाने में अक्षमता जता दें। जबकि शहबाज शरीफ सरकार आईएमएफ के साथ करार में इस बात पर राजी हुई थी कि सभी प्रांतों के बजट को फायदे में लाया जाएगा। खैबर पख्तूनवा के वित्त मंत्री ने उसी समय संघीय वित्त मंत्रालय को पत्र लिख कर अपने बजट को सरप्लस में लाने में अक्षमता जताई थी। ऑडियो क्लिप वायरल होने के बाद पाकिस्तान की संघीय जांच ने शौकत तरीन के खिलाफ जांच शुरू करने की घोषणा की थी। अब शरीफ सरकार की तरफ से कहा गया है कि एफआईए की जांच पूरी हो गई है और उसने तरीन के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने की इजाजत मांगी है। सरकार ने यह इजाजत दे दी है, जिसके तहत उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस बीच शहबाज शरीफ सरकार को देश में सभी आयातों पर खाद्य शुल्क लगाने और बैंक में रकम जमा करने पर टैक्स लगाने का इरादा छोड़ना पड़ा है। शरीफ सरकार ने यह प्रस्ताव भी आईएमएफ की शर्तों को पूरा करने के लिए रखा था। आईएमएफ ने पाकिस्तान सरकार पर राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने की शर्त लगा रखी है। अगर ये नए शुल्क लगाए जाते, तो उससे संघीय सरकार को अरबों रुपये की आमदनी होती। लेकिन देश में इस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना हो रही थी। इसे बेहद दमनकारी कदम बताया जा रहा था।

न्यूज ब्रीफ

क्या उन्हें निशाना नहीं बना सकतेः पुतिन के साथी ने की ब्रिटिश संसद पर हमले की मांग! कहा- कोई दिक्कत ही नहीं

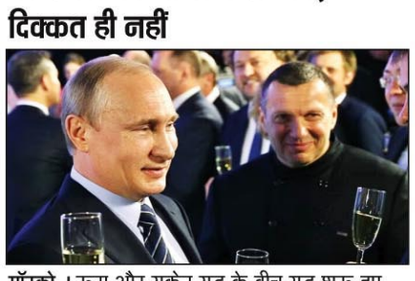

मॉस्को । रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच युद्ध शुरू हुए लगभग एक साल पूरे होने वाला है। इस बीच इस जंग का पलड़ा कभी रूस तो कभी यूक्रेन की ओर झुका दिखता है। हालांकि, ज्यादातर समय रूस ने ही अपनी आक्रामक क्षमता से यूक्रेन को नुकसान पहुंचाया है। इसके बावजूद पश्चिमी देशों की मदद से यूक्रेन भी समय-समय पर पलटवार करने में सफल रहा है। अब इस मदद पर रूस की निगाहें भी टेढ़ी हो रही हैं। हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एक करीबी साथी ने यूक्रेन के मददगारों को तबाह करने का जिक्र करते हुए ब्रिटेन की संसद पर हमले तक की मांग कर डाली। रूस की सरकारी मीडिया के होस्ट और व्लादिमीर पुतिन के करीबियों में गिने जाने वाले व्लादिमीर सोलोवयोव हाल ही में एक शो के दौरान जनता से ब्रिटेन की संसद पर हमले से जुड़े सवाल पूछते सुने जा सकते हैं। उनका यह वीडियो यूक्रेन के गृह मंत्री के सलाहकार एंटॉन गेराशसेंको की तरफ से अंग्रेजी सबटाइटल्स के साथ साझा किया गया है। वीडियो में व्लादिमीर सोलोवयोव ऑडियंस से पूछते हैं- क्या हम आखिरकार लंदन को निशाना नहीं बना सकते इसमें दिक्कत ही क्या है नहीं-नहीं, मैं सिर्फ सैन्य ठिकानों पर हमले की बात नहीं कर रहा, बल्कि संसद को निशाना भी बनाया जा सकता है। इसी वीडियो में सोलोवयोव पश्चिमी देशों को चेतावनी देते हुए कहते हैं- वे (पश्चिमी देश) यूक्रेन को विमान देने जा रहे हैं, ताकि रूसी क्षेत्र पर भी हमला किया जा सके। इसी दौरान वे चालाकी से यह भी कह रहे हैं कि हम क्रीमिया को रूस का हिस्सा नहीं मानते।

तिब्बत में विकास के नाम पर सैन्य ढांचे बढ़ा रहा चीन, नई रेल लाइन और हवाई अड्डे तैयार

ल्हासा । कुटिलता और चालबाजी के लिए कुख्यात चीन ने अब तिब्बत में पैंतरेबाजी शुरू कर दी है। विकास के नाम पर तिब्बत में चीन तेजी से सैन्य ढांचे को बढ़ा रहा है। इससे पहले चीन दशकों से तिब्बत की संस्कृति और पहचान को नष्ट करने में लगा है। लेकिन, तिब्बत में अब बार-बार चीन के खिलाफ विरोध उभरने लगा है। चीन इस विरोध को कुचलने के लिए बेहद शातिर अंदाज में विकास के नाम पर इस तरह के ढांचे तैयार कर रहा है, जिनकी मदद से तिब्बत में तेजी से सेना पहुंचाई जा सके। तिब्बत राइट कलेक्टिव की एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने 2025 तक तिब्बत में 4,000 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा 2035 तक यहां 59 नए हवाई अड्डे और 300 हैलीपेड भी बनाने में जुटा है। तिब्बत पॉलिसी इंस्टीट्यूट के मुताबिक, चीन तिब्बत में बुनियादी ढांचा यहां के लोगों की सुविधा के लिए नहीं, बल्कि यहां के लोगों के विरोध को कुचलने के लिए तेजी से सेना भेजने के लिए तैयार कर रहा है। चीन का लक्ष्य है कि तिब्बत की बौद्ध पहचान को नष्ट कर इसे पूरी तरह से चीन में शामिल किया जाए। चीन फिलहाल अलग-अलग तरीकों से तिब्बत में बौद्ध संस्कृति को नष्ट कर रहा है। स्कूली शिक्षा के जरिये तिब्बती बच्चों चीन सिखा रहा है कि उनकी संस्कृति असल में एक विकृति है, जिसे छोड़ देना चाहिए।

निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स बने साइप्रस के राष्ट्रपति, 52 प्रतिशत मत हासिल कर प्रतिद्वंदी को हराया

निकोसिया । साइप्रस के पूर्व विदेश मंत्री निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स को देश का अगला राष्ट्रपति चुना गया है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी एंड्रियास मावरोयनिस को चुनाव में हराया। एंड्रियास को 48.1 प्रतिशत तो क्रिस्टोडौलाइड्स को 51.9 प्रतिशत वोट मिले। चुनाव में हार स्वीकार करते हुए एंड्रियास मावरोयनिस ने कहा, रात एक यात्रा समाप्त हो गई है। एक शानदार यात्रा, जिसे मैंने हजारों लोगों के साथ साझा किया। मुझे दुख है कि हम उस बदलाव को हासिल नहीं कर सके, जिसकी साइप्रस को जरूरत थी। वहीं, मतगणना से पहले क्रिस्टोडौलाइड्स ने अपनी जीत पर भरोसा जताया था। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, साइप्रस के लोग जानते हैं और समझते हैं कि क्या दांव पर लगा है। मुझे उनके फैसले पर पूरा भरोसा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साइप्रस में इस बार 72.4 प्रतिशत यानी 405000 से ज्यादा लोगों ने मतदान किया। यह पहले की तुलना में अधिक है। बता दें, साइप्रस को 1974 में विभाजित किया गया था, जब ग्रीक-प्रायोजित तख्तापलट के जवाब में तुर्किये सेना ने उत्तरी हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

इस्लामाबाद में निर्भया जैसा कांड, गैंग रेप के खिलाफ देश भर में भड़क उठा विरोध

इस्लामाबाद ।

भारत के बहुचर्चित निर्भया कांड के बाद भड़के जन विरोध जैसा नजारा अब पाकिस्तान में देखने को मिल रहा है। इस्लामाबाद के एक पार्क में एक युवती से गैंगरेप की घटना ने देश भर में विरोध भड़का दिया है। इस घटना को पाकिस्तान में लगातार बढ़ रही यौन बर्बरता का प्रतीक बताया जा रहा है। गैंगरेप की ये घटना पिछले गुरुवार को फातिमा जिन्ना पार्क में हुई थी। एफ-9 नाम से मशहूर यह स्थान इस्लामाबाद का सबसे बड़ा पार्क है। वहां एक 24 वर्षीय महिला अपने एक सहकर्मी के साथ बैठी हुई थी। तभी दो हथियारबंद लोगों ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस में दर्ज हुए मुकदमे के मुताबिक दोनों आरोपियों ने महिला और उसके सहकर्मी को बंधक बना लिया और जबरन पास के जंगल में ले गए।

वहां दोनों को नंगा कर दिया गया और महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। इस बारे में केस पीड़ित महिला ने दर्ज कराया है। उसने पुलिस को बताया कि दोनों लोगों ने उसे थप्पड़ मारे और उसके बाल खींच कर उसे जमीन पर लिटा दिया।

इस घटना की खबर सप्ताहांत तक सारे देश में फैली। उसके बाद दर्जनों जगहों पर इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाने की खबर है। कई जगहों पर महिलाओं ने अपने चेहरे पर दुपट्टा लपेट कर अपना विरोध जताया है। यहां हुए एक विरोध प्रदर्शन में महिलाएं जो बैनर लेकर आई, उन पर लिखा था- 'अब किसी और बहन के साथ ऐसा ना हो', और 'पाकिस्तान की महिलाओं और बच्चों की रक्षा करो।

महिला अधिकार संगठन औरत आजादी मार्च ने एक बयान में कहा है कि पाकिस्तान में यौन बर्बरता की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। लेकिन सरकार और समाज चुप बैठे हुए हैं। बयान में कहा गया- 'हम गुस्से में हैं, हम पीड़ा महसूस कर रहे हैं। हम इस घटना को भूलने नहीं देंगे।

रविवार तक इस घटना में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। फातिमा जिन्ना पार्क इस्लामाबाद के बीचोंबीच है। यह धनी-मानी लोगों के इलाके में है। यहां सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रहती है। इसके बावजूद ऐसी घटना हुई और पुलिस को देर तक उसकी खबर नहीं लगी, इस बात से समाज में भारी गुस्सा फैला है।

रविवार को सरकार ने टीवी चैनलों को आदेश दिया कि वे इस घटना की रिपोर्टिंग ना करें, ताकि महिला की पहचान की रक्षा की जा सके। लेकिन इस आदेश से विरोध और भड़का है। इसे सच्चाई को छिपाने की कोशिश बताया गया है।

पाकिस्तान के गैर सरकारी संगठन पाकिस्तान ह्यूमन राइट्स कमीशन ने बताया है कि 2021 में देश में 5,200 से भी अधिक बलात्कार के मामले दर्ज हुए थे। जबकि कार्यकर्ताओं का कहना है कि असली संख्या इससे बहुत ज्यादा है। पाकिस्तान में सामाजिक शर्म की भावना के कारण बहुत सी महिलाएं अपने साथ हुई ज्यादती की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराती हैं।

पीड़ित महिलाओं के पुलिस के पास न जाने के एक कारण देश की लचर न्याय व्यवस्था को भी बताया जाता है। कराची स्थित गैर सरकारी संस्था वॉर अगेंस्ट रेप के मुताबिक पाकिस्तान में बलात्कार के दर्ज कुल मामलों में से सिर्फ तीन फीसदी में अपराधियों को सजा हो पाती है।

सिंगापुर में 200 साल पुराने मंदिर के प्रतिष्ठापन में शामिल हुए 20 हजार लोग

सिंगापुर।

सिंगापुर के 200 साल पुराने हिंदू मंदिर में प्रतिष्ठापन कार्यक्रम में 20 हजार लोग शामिल हुए। खास बात ये है कि रविवार सुबह हुई तेज बारिश के बावजूद लोगों के उत्साह में कमी नहीं आई। सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग भी मंदिर के प्रतिष्ठापन कार्यक्रम में शामिल हुए। राष्ट्रीय स्मारक श्री मरिअम्मन मंदिर में बीते एक साल से पुनरोद्धार का काम चल रहा था, जिसे रविवार को फिर से जनता के लिए खोला गया।

बता दें कि सिंगापुर के श्री मरिअम्मन मंदिर का निर्माण करीब 200 साल पहले सिंगापुर गए प्रवासी भारतीयों ने किया था। इस मंदिर के पुनरोद्धार पर करीब 35 लाख सिंगापुर डॉलर खर्च हुए हैं। मंदिर के पुनरोद्धार के लिए भारत से 12 विशेषज्ञ मूर्तिकार और सात धातु और लकड़ी के कारीगर सिंगापुर गए थे। जहां इन विशेषज्ञों ने मंदिर के गर्भगृह, गुंबदों और छत के भित्तिचित्रों पर काम किया था। पुनरोद्धार के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि मंदिर का मूल स्वरूप कायम रहे।

वहीं मंदिर कार्यक्रम में शामिल हुए सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने एक फेसबुक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि यह बहुसांस्कृतिक सिंगापुर में रहने का हिस्सा है। जहां पूरा समुदाय एक दूसरे की सांस्कृतिक और धार्मिक उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक साथ आता है। उन्होंने लिखा कि सुबह हुई बारिश ने भी श्री मरिअम्मन मंदिर के प्रतिष्ठापन समारोह का जश्न मनाने जुटे 20 हजार लोगों के उत्साह को कम नहीं किया! समारोह में शामिल होकर खुशी हुई।

क्यों है ये मंदिर खास

श्री मरिअम्मन मंदिर ना सिर्फ सिंगापुर का सबसे पुराना हिंदू मंदिर है बल्कि यह सिंगापुर में हिंदू समुदाय का सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्र भी है। यह मंदिर भगवान शिव की पत्नी मां पार्वती के अवतार मां श्री मरिअम्मा को समर्पित है। इस मंदिर की वास्तुकला बेहद खास है और सिंगापुर जाने वाले पर्यटकों के बीच यह जाना पहचाना नाम है। द्रविड़ वास्तुकला में बने इस मंदिर का गोपुरम बेहद खास है।

अब चीन ने लगाया गंभीर आरोप, कहा-10 से ज्यादा बार उसकी हवाई सीमा में घुसे अमेरिकी जासूसी गुब्बारे

बीजिंग ।

अमेरिका और चीन के बीच संदिग्ध जासूसी गुब्बारा देखे जाने का मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। अमेरिका इसको लेकर चीन पर गंभीर आरोप लगा रहा है, इस बीच बीजिंग की ओर से भी बड़ा दावा किया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने दावा किया है कि अमेरिका ने जनवरी, 2022 से अब तक 10 से अधिक बार उसके हवाई क्षेत्र में जासूसी गुब्बारे भेजे हैं। चीन ने आरोप लगाया है कि इन जासूसी गुब्बारों ने चीनी अधिकारियों की अनुमति के बिना चीनी हवाईक्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरी है। चीन की ओर से यह दावा तब किया गया है, जब अमेरिका में संदिग्ध जासूसी गुब्बारे को मारे जाने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है।

अमेरिका में रविवार को भी दिखा था संदिग्ध ऑब्जेक्ट

अमेरिका में रविवार को भी संदिग्ध ऑब्जेक्ट देखा गया था, जिसे राष्ट्रपति बाइडन के आदेश के बाद मार गिराया गया था। चीनी गुब्बारे को मार गिराए जाने के बाद से अमेरिकी एयर स्पेस में इस तरह के संदिग्ध ऑब्जेक्ट देखे जाने का यह तीसरा मामला था। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि ये ऑब्जेक्ट भी चीन की तरफ से भेजे गए थे।

चीन का नाम लेने से बच रहा अमेरिका

दूसरी तरफ संदिग्ध ऑब्जेक्ट के पीछे सीधे तौर पर चीन का नाम लेने से अमेरिका बच रहा है। एक सवाल के जवाब में अमेरिकी सैन्य अधिकारी वानहर्क ने कहा, मैं इस बारे में पता लगाने की जिम्मेदारी खुफिया विभाग और वैज्ञानिक समुदाय पर छोड़ता हूं। हालांकि, हम किसी संभावना से इनकार नहीं करते। फिलहाल हम अमेरिका की तरफ आने वाले सभी अनजान खतरों और संभावित खतरों की पहचान कर उनकी जानकारी जुटाते हैं। अमेरिका ने चीन की छह कंपनियों को निर्यात ब्लैकलिस्ट में डाल दिया है।

जलवायु परिवर्तन से बचा सकती है चंद्र धूल, सौर विकिरण के लिए एक परत की तरह कर सकती है काम

वाशिंगटन ।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, चंद्रमा पर उड़ने वाली धूल पृथ्वी को जलवायु परिवर्तन से बचाने में मददगार साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि चंद्रमा की सतह की धूल अंतरिक्ष में फैलाने से वह पृथ्वी पर आने वाले सौर विकिरण के लिए एक परत की तरह काम कर सकती है। पृथ्वी पर गर्मी और तापमान के सबसे बड़े कारक सूर्य से आने वाली रोशनी या ऊर्जा और पृथ्वी का प्रबंधन है।

इस ऊर्जा का ऊष्मा के रूप में बढ़ना जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है, यह भी अहम बात है कि ऊर्जा कई रूप में पृथ्वी पर ही भंडार के रूप में मौजूद और संरक्षित है, जिन्हें सिंक कहा जाता है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण कार्बन सिंक है, क्योंकि वर्तमान जलवायु परिवर्तन की प्रमुख वजह वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती मात्रा इसी सिंक से ही आ रही है।

सौर विकरण के लिए स्क्रीन

नए अध्ययन में एक दूसरे पहलू पर गौर किया गया है। चंद्रमा की धूल वायुमंडल में एक स्क्रीन

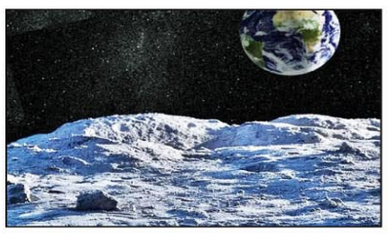

की तरह काम कर सकती है, जिससे सूर्य से आने वाले विकरण में ही कमी हो जाएगी। शोधकर्ताओं का प्रस्ताव है कि वायुमंडल में यह धूल एक स्पेस स्टेशन से सूर्य और पृथ्वी के बीच स्थापित की जा सकती है. जिससे यह धूल स्क्रीन की तरह कार्य करेगी। बताया जाता कि इस विधि के कारण ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से काफी बचने की संभावना देखी जा रही है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, चंद्रमा की धूल वायुमंडल में एक परत की तरह काम करती है, इससे सूर्य से आने वाले विकरण में ही कमी हो जाएगी। शोधकर्ताओं का प्रस्ताव है कि वायुमंडल में यह धूल एक स्पेस स्टेशन से सूर्य और पृथ्वी के बीच स्थापित की जा सकती है। सूर्य पृथ्वी के बीच धूल-पीएलओएस क्लाइमेट में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, सौर विकिरण प्रबंधन के लिए यह अंतरिक्ष आधारित तरीका जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने का एक विकल्प दे सकते हैं। अंतरिक्ष में छोटे उपग्रहों के झुंड, जो पृथ्वी और सूर्य के बीच एल1 लैगरेंज बिंदु पर जाकर छाया प्रदान करने का काम कर सकते हैं।

विभिन्न धूल के कणों का विश्लेषण किया

उटाह यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने विभिन्न धूल के कणों का विश्लेषण किया। इसमें यह जानने का प्रयास किया कि किस तरह की धूल इसमें कारगर हो सकती है। इसमें उन्हें काफा शानदार सफलता मिलने की बात कही जा रही है। शोधकर्ताओं का प्रस्ताव है कि वायुमंडल में यह धूल एक स्पेस स्टेशन से सूर्य और पृथ्वी के बीच स्थापित की जा सकती है. जिससे यह धूल स्क्रीन की तरह कार्य करेगी।

2035 तक 900 परमाणु बम बना लेगा चीन! अमेरिका से तनातनी के बीच पीएलए की खतरनाक साजिश

टोक्यो ।

ताइवान के मुद्दे पर अमेरिका के साथ जारी तनातनी के बीच चीन अपने परमाणु जखीरे में बढ़ोतरी की योजना बना रहा है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि चीन 2035 तक अपने परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाकर 900 करने की योजना बना रहा है। चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी ने एक ब्लूप्रिंट तैयार किया है, जिसे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपनी मंजूरी भी दे दी है। इस ब्लूप्रिंट के अनुसार, चीन अमेरिका के खिलाफ अपनी सेना की ताकत बढ़ाने के लिए जोर-शोर से काम कर रहा है। अमेरिका भी चीन की इस मंशा को समझता है। साल 2022 में अमेरिका ने कहा भी था कि चीन अपने परमाणु जखीरे को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। अमेरिका ने दावा किया था कि चीन साल 2035 तक अपने परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाकर 1500 करने की योजना बना रहा है। अब ताजा रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि की गई है। साल 2035 तक चीन की सेना का आधुनिकीकरण का काम पूरा हो जाएगा। कुछ विदेशी विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन परमाणु हथियारों को लेकर अपनी पहले इस्तेमाल ना करने की नीति को भी छोड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हालिया

रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस की आक्रामकता के बावजूद नाटो देशों ने रूस के खिलाफ सीधी कार्रवाई नहीं की है। चीन को लगता है कि इसकी वजह रूस के पास परमाणु हथियारों का बड़ा जखीरा है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के पास मौजूदा समय में 5977 परमाणु हथियार हैं। वहीं अमेरिका के पास परमाणु हथियारों की संख्या 5428 है। चीन साल 2027 तक अपने परमाणु हथियारों को बढ़ाकर 550 और 2035 में 900 करने की योजना बना रहा है। बता दें कि हाल ही में चीन के जासूसी गुब्बारे के अमेरिका के हवाई क्षेत्र में घुसने और अमेरिका द्वारा उसे निशाना बनाने के बाद भी दोनों देशों के रिश्तों में थोड़ी खटास आई है। इससे पहले अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोंसी के ताइवान दौरे को लेकर भी अमेरिका और चीन के रिश्तों में तनाव आ गया था।

रूस से हथियार खरीदने में भारत पहले नंबर परः 5 साल में 1 लाख करोड़ के हथियार खरीदे, पश्चिमी देशों के दबाव का नहीं पड़ा कोई असर

मॉस्को। रूस से हथियार खरीदने के मामले में भारत पूरी दुनिया में पहले नंबर पर है। रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी ने रविवार को यह दावा किया है। एजेंसी के मुताबिक पिछले 5 सालों में रूस ने करीब 13 बिलियन डॉलर यानी 1 लाख करोड़ रुपए के हथियार भारत को सप्लाई किए हैं। भारत ने इस दौरान रूस से 10 बिलियन डॉलर के हथियार मांगे थे। रूस में बने 20प्रतिशत हथियारों को केवल भारत ही खरीद रहा एजेंसी ने यह भी बताया है कि रूस के 20 फीसदी हथियारों को भारत अकेला ही खरीद रहा है। यूक्रेन जंग के कारण रूस पर लगी पाबंदियों का भी दोनों देशों में होने वाली हथियारों की खरीद पर असर नहीं पड़ा। रूस की फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री टेक्निकल कॉर्पोरेशन के हेड डिमिट्री शुगायेव ने बताया कि भारत के अलावा चीन और कई साउथ ईस्ट एशियन देशों ने रूस से हथियार खरीदने में अपनी दिलचस्पी कम नहीं की। शुगायेव ने यह भी कहा कि अमेरिका और पश्चिमी देशों ने भारत पर खूब दबाव बनाया था कि वो रूस से हथियार न खरीदे, लेकिन भारत इन दबावों के आगे नहीं झुका और दोनों देशों के संबंधों को कायम रखा। उन्होंने यह भी बताया कि एशियाई देश रूस के कुछ चुनिंदा हथियारों में ज्यादा इंटरेस्ट रखते हैं। भारत पर समय-समय पर पश्चिमी देश रूस से तेल और हथियार न खरीदने का दबाव बनाते रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में देश के विदेश मंत्री एस जयशंकर ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनीं वोंग के साथ प्रेस कॉफ्रेंस कर रहे थे। एक ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार ने उनसे हथियार खरीदने के मामले में रूस पर निर्भरता कम करने को लेकर एक सवाल पूछा था। विदेश मंत्री ने इसका कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भारत और रूस की सालों की पार्टनरशिप है। इससे भारत को काफी फायदा पहुंचा है। रूस ने हमें तब हथियार पहुंचाए जब पश्चिमी देश पाकिस्तान जैसी सैन्य तानाशाही का समर्थन कर रहे थे। भारत किसी के दबाव में आकर नहीं, बल्कि अपने हितों के चलते फैसले लेगा।

राजस्थान बजट में की गई घोषणाओं को धरातल पर आमजन में भुनाने की तैयारी

जयपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से 10 फरवरी को विधानसभा में पेश किए गए लोकलुभावन बजट के बाद अब सरकार ने बजट घोषणाओं को धरातल पर उतरने से पहले ही उनका प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया गया है। इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि बजट घोषणा के 24 घंटे बाद ही राजधानी जयपुर और प्रदेश के कई प्रमुख शहरों में बजट घोषणाओं के बड़े-बड़े होर्डिंग्स- बैनर प्रमुख चौराहों पर लगाए गए हैं जो जनता का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। बजट घोषणाओं को लेकर सरकार की ओर से लगाए गए बड़े-बड़े होर्डिंग्स व बैनर सियासी गलियारों में भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। गहलोत सरकार की ओर से प्रमुख घोषणाओं के होर्डिंग्स-बैनर राजधानी जयपुर और प्रदेश के कई अलग-अलग जिलों में प्रमुख चुनाव पर लगाए गए हैं। इनमें चिरंजीवी योजना का बीमा 25 लाख रुपए करने, रसोई गैस सिलेंडर 500 में देने और 100 यूनिट बिजली फ्री देने वाली बजट घोषणाओं के होर्डिंग्स लगाए गए हैं। सरकार की ओर से बजट घोषणा से पहले भी बड़े-बड़े होर्डिंग्स राजधानी जयपुर समेत कई शहरों में लगाए गए थे जिनमें बचत, राहत और बढ़त स्लोगन से बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए गए थे, जो कि चर्चा का विषय बने हुए थे। भाजपा ने भी इन होर्डिंग्स को लेकर सरकार पर सवाल खड़े किए थे और सरकार पर बजट की थीम को लीक करने के आरोप लगाए थे। गहलोत सरकार के 4 साल के शासन में ऐसा पहली बार हुआ है जब बजट घोषणा होते ही बड़े-बड़े होर्डिंग्स बैनर प्रमुख शहरों में लगाए गए हैं। जानकारों की मानें तो अपने प्रमुख घोषणाओं के बड़े-बड़े होर्डिंग्स व बैनर राजधानी जयपुर समेत प्रदेश के प्रमुख शहरों में लगाए जाने जाने को आगामी विधानसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। अपनी बजट घोषणाओं, खासकर चिरंजीवी योजना में 25 लाख रुपए बीमा, 500 रुपए में गैस सिलेंडर और 100 यूनिट बिजली फ्री की घोषणाओं को सरकार प्रदेश भर में भुनाना चाहती है, जिससे कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आमजन को लुभाया जा सके। हालांकि भाजपा ने गहलोत सरकार के बजट को लेकर सवाल खड़े किए हैं कि सरकार ने घोषणाओं की झड़ी लगा दी है लेकिन इनके क्रियान्वयन के लिए सरकार पैसा कहां से लाएगी। बजट घोषणाओं को जल्द से जल्द अमलीजामा पहनाने और बजट घोषणाओं पर काम करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जल्द ही विभागों के शीर्ष अधिकारियों की बैठक लेंगे और उन्हें अपने-अपने विभागों में जल्द से जल्द घोषणाओं के क्रियान्वयन के निर्देश देंगे। हाल ही में जिस तरह से गहलोत सरकार ने 155 आरएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं उन्हें भी बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन से जोड़कर देखा जा रहा है।

पंजाब सरकार कर रही नहर के मरम्मत की तैयारी, इंदिरा गांधी नहर में दो महीने रहेगी नहरबंदी

जयपुर, (हि.स.)। पश्चिमी राजस्थान के विभिन्न इलाकों की प्यास बुझाने वाली इंदिरा गांधी नहर में एक बार फिर पूरी तरह से नहरबंदी होगी। इससे बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, चूरू, नागौर, सीकर और झुंझुनूं जिलों में गर्मियों के दौरान पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता हैं, क्योंकि इंदिरा गांधी नहर 60 दिनों के लिए बंद की जाएगी। पंजाब सरकार नहर की मरम्मत की तैयारी कर रही है। इस दौरान पीने का पानी भी नहीं मिलेगा। पीएचईडी अपने भंडारण टैंक से इसकी आपूर्ति करेगा। सामान्य दिनों में इन जिलों में इंदिरा गांधी नहर से ही सिंचाई और पेयजल की आपूर्ति होती है। अधिकारियों के मुताबिक इंदिरा गांधी नहर परियोजना 28 मार्च से 60 दिनों के लिए बंद रहेगी। इन 60 दिनों में किए जाने वाले कार्यों को लेकर जल संसाधन विभाग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। पाइप लाइन डालने के काम के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। नहर बनने के बाद पहली बार रिलाइनिंग की जाएगी, जिसके लिए 739 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मुख्य नहर की 200 आरडी से 600 आरडी तक करीब 65 किमी तक रिलाइनिंग व बेड निर्माण किया जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार हर साल नहर के रख-रखाव के लिए बंद होने पर पीने के पानी का संकट बढ़ जाता है। अधिकारियों के भरसक प्रयास के बावजूद ग्रामीणों को हर साल इस समस्या का सामना करना पड़ता है। इसमें एक महीने पीने के लिए पानी मिलेगा और करीब एक महीने तक पूरा क्लोजर लिया जाएगा। नहरबंदी खत्म होने तक पीने के पानी के लिए संरक्षित स्रोतों से ही काम चलाना पड़ेगा। जिन जिलों ने समय पर पूरा पानी एकत्र नहीं किया है, वहां परेशानी हो सकती है। हालांकि जलदाय विभाग और जिला प्रशासन ने अपने स्तर पर ट्यूबवेल से टैंकरों के माध्यम से पेयजल पहुंचाने का प्रबंध किया है।

सचिवालय में स्थापित चमत्कारेश्वर मंदिर की दानपेटी पर चोरों ने किया हाथ साफ

जयपुर, (हि.स.)। शासन सचिवालय की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई है। राजस्थान के सबसे सुरक्षित स्थान माने जाने वाले सचिवालय परिसर में स्थित चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में चोरी हुई है। घटना रविवार देर रात की है। सचिवालय पुलिस अब सीसीटीवी कैमरे के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है। इस वारदात से पता चलता है कि चोरों के हौसले इस कदर बुलंद है कि उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए दान पेटी को ही तोड़कर दान राशि उड़ा ली। ये मंदिर मंत्रालय भवन के पीछे ही है। सवाल उठ रहे हैं कि हाई सिक्योरिटी एरिया में मौजूद मंदिर से कैसे चोरी करके ले गए और किसी को कानों कान खबर नहीं हुई। ये सुरक्षा के मद्देनजर बड़ी चूक है। अब तक की जानकारी के मुताबिक चोर मंदिर में रखी दानपेटी को तोड़ उसमें रखे पैसे उड़ा ले गए, जबकि मंदिर में लगे 19 चांदी के छत्र को छुआ तक नहीं। सचिवालय मंदिर में इस तरह की चोरी होने की घटना से कर्मचारी नाराज हैं। परिसर में तैनात पुलिस भी इस मामले को अपने एंगल से देख रही है। अब फुटेज के सहारे जानने की कोशिश की जा रही है कि आखिर चोर आए और गए तो किस रास्ते? सचिवालय में चमत्कारेश्वर शिव मंदिर मंत्रालयिक भवन और लाइब्रेरी भवन के पास बने पार्क में है। इसकी एक तरफ मुख्यमंत्री कार्यालय का भवन है। सचिवालय कर्मचारी मंदिर दर्शन के लिए जाते रहते हैं। इस तरीके से चोरी होने पर कर्मचारी न केवल हैरान हैं बल्कि नाराज भी हैं। उनका कहना है कि मंदिर से चोरी हो जाती है तो कल को दफ्तरों में रखी महत्वपूर्ण फाइलें सुरक्षित रहेंगी इसको लेकर क्या गारंटी है? सचिवालय परिसर से चोरी की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी तीन बार बाइक चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिसको लेकर सचिवालय कर्मचारियों में नाराजगी है। चोरों का आज तक सुराग तक पुलिस लगा नहीं पाई है।

पूर्व सरपंच पर पंचायत सदस्यों के जाली प्रस्ताव पर सरकारी फंड हड़पने का केस दर्ज

मुल्लांपुर दाखा(ईएमएस)। मुल्लांपुर दाखा पुलिस ने पूर्व सरपंच जतिन्द्र सिंह दाखा खिलाफ पंचायत सदस्यों के जाली दस्तखत के प्रस्ताव पर सरकारी फंडों को हड़पने के अरोप में विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। जानकारी अनुसार पूर्व पंच वरिन्द्र सिंह दाखा ने शिकायत में आरोप लगाया था कि वह 2008 से 2013 तक दाखा गांव का जतिन्द्र सिंह सरपंच रहा है और शिकायतकर्त्ता की माता कुलजीत कौर 2013 से 2018 तक गांव दाखा की सरपंच रही है जबकि वह पंच था। उसकी मां की तबीयत ठीक न होने कारण वह अधिकारिक तौर पर सरपंच था। उनकी पंचायत बनने पर 2008 से 2013 तक के सरपंच जतिन्द्र सिंह पुत्र गुरदेव सिंह वासी गांव दाखा ने उन्हें पंचायत का रिकार्ड नहीं दिया। एक साल बाद बीडीपीओ सुधार के दबाव डालने पर उन्हें पंचायत का रिकार्ड प्राप्त हुआ।

जब कार्रवाई रजिस्टर चैक किया तो नवदीप कौर जो उस समय पंच थी, उसने 2010 से 2021 तक के प्रस्तावों पर करीब 35-36 हस्ताक्षर देख कर बताया कि वह हस्ताक्षर मेरे नहीं हैं। मेरे जाली हस्ताक्षर किए गए हैं। इसी तरह अवतार सिंह ने भी बताया कि प्रस्तावों पर उसके जाली हस्ताक्षर किए हुए हैं जो कि वर्तमान सरपंच जतिन्द्र सिंह दाखा ने जाली हस्ताक्षर करके पंचायत के फंडों में से पैसे निकलवाकर अपने निजी हितों के लिए उपयोग कर सरकारी फंडों का दुरुप्योग किया गया था। इस संबंध में बीडीपीओ सुधार को लिखित शिकायत की। उसने पुलिस को लिखकर भेजा था पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस मामले की जांच उप पुलिस कप्तान जसविन्द्र सिंह खैहरा ने की और जांच में पाया गया कि जतिन्द्र सिंह पूर्व सरपंच गांव दाखा द्वारा सोची-समझी साजिश तहत फंडों की रकम को गबन करने के लिए उस समय मैंबर पंचायतों के प्रस्तावों पर नवदीप कौर और अवतार सिंह पंचों के जाली हस्ताक्षर करके रकम हड़प ली है जिसके खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

आप सरकार में दर्जनों आत्महत्याओं के बाद भी सूदखोर माफिया बेखौफ

अमृतसर (ईएमएस)। आप सरकार आने के बाद यह माना जा रहा था कि सिस्टम कुछ बदलेगा, लेकिन बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था व ट्रैफिक जाम मे आप सरकार में सूदखोर माफिया काम कर रहा है, जबकि 6 माह में करीब एक दर्जन लोग इनके शिकंजे में आकर आत्महत्याएं कर चुके हैं। जानकारी के अनुसार नेताओं की छत्रछाया वाले कुछ बाहुबलियों व माफिया लोग 15 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक ब्याज पर जरुरतमंदों को कर्ज देते हैं और ब्याज अदा ना करने पर कर्ज लेने वाले व्यक्ति से मारपीट व गाली-गलौच करते हैं, जिससे कर्जदार लोग आत्महत्या को मजबूर हो जाते हैं। सूदखोर माफिया जब भी किसी जरुरतमंद व्यक्ति को अपने जाल में फंसाता है तो सबसे पहले उससे साइन किए हुए ब्लैंक चैक लेता है, रजिस्ट्री लेता है या फिर कोई गहना व कीमती वस्तु लेता है। कर्जदार व्यक्ति जब कर्ज नहीं चुका पाता है और भारी भरकम ब्याज से कई गुणा ज्यादा हो चुकी रकम अदा नहीं कर पाता है तो सूदखोर माफिया ब्लैंक चैक को बैंक में लगाने की धमकी देता है या फिर लगा भी देता है, लेकिन ऐसे मामलों में कर्जदार व्यक्ति एसडीएम की अदालत या फिर पुलिस के गजटेड अफसर को शिकायत कर सकता है जिसमें मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत तीन वर्ष से लेकर सात वर्ष तक की सजा का प्रावधान है और सूदखोर को जेल जाना पड़ सकता है, लेकिन ज्यादातर कर्जदार आत्महत्या का रास्ता चुनते हैं। ज्यादातर मामलों में कुछ बड़े सूदखोर माफिया पुलिस के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के साथ भी सांठ-गांठ किए रहते हैं।

जब कर्जदार व्यक्ति अपना कर्ज नहीं चुका पाता है तो माफिया की तरफ से उसका चारपहिया या दो पहिया वाहन तक जबरन उठा लिए जाते हैं और मारपीट भी की जाती है। महानगर में पहलवान नाम से विख्यात एक बड़ा सूदखोर इतना अमीर हो चुका है वह सूदखोरों को ब्याज पर कर्ज देता है। पहलवान से चार से पांच प्रतिशत ब्याज पर कर्ज लेते हैं और फिर 15 प्रतिशत तक ब्याज मे जरुरतमंद लोगों को कर्ज देकर अपने जाल में फंसा लेते हैं।

बर्फीली हवाओं से फिर ठिठुरा पंजाब, 17 फरवरी को बदल सकता है मौसम

लुधियाना(ईएमएस)। उत्तर भारत के साथ ही पंजाब में सर्द हवाएं चल रही हैं, जिससे तापमान गिर गया है। रातें ठंडी होने लगी हैं, वहीं दिन में धूप है। इससे पहले धूप निकलने से दिन में गर्मी का एहसास हो रहा था। अब 17 फरवरी को फिर मौसम बदल सकता है। पिछले 24 घंटों के दौरान पंजाब के पड़ोसी राज्यों में भी कम से कम न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

पुलवामा से आतंकियों के दो मददगार गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद बरामद

पुलवामा, (हि.स.)। पुलवामा जिले से पुलिस ने आर्तकियों के दो मददगारों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। बरामद गोला-बारूद का जखीरा पुलिस और सुरक्षाबलों पर हमले करने के लिए इस्तेमाल किया जाना था। यह दोनों आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के लिए काम करते हैं। पुलवामा पुलिस ने विशेष सूचना के आधार पर पुलवामा पुलिस और सेना की 55 आरआर को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया। इस दौरान नैना भाटपोरा इलाके में दो स्कूटी सवार बैग के साथ घूमते देखे गए। सुरक्षाबलों ने दोनों को दबोच लिया। तलाशी लेने पर दोनों के पास से 25 चीनी ग्रेनेड, एक पिस्टल, 02 पिस्टल मैगजीन, 230 कारतूस पिस्टल, 10 एके मैगजीन और 300 एके कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार दोनों ने अपना नाम शौकत अहमद डिगू पुत्र अब्दुल वहाब दिगू निवासी नैना व उसका चचेरे भाई निवासी सेथर बताया है। पूछताछ के दौरान शौकत अहमद ने खुलासा किया कि वह राजौरी जेल में बंद ओवर ग्राउंड वर्कर फिरदौस अहमद भट पुत्र अब्दुल अहद भट निवासी नैना के संपर्क में था। उसने बताया कि वह जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन के लिए काम कर रहा था और बरामद गोला-बारूद का जखीरा पुलिस और सुरक्षाबलों पर हमले करने के लिए था। पुलिस मामले की जांच करने में लगी हुई है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन सामान्य

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार को आवागमन सामान्य है। दोनों तरफ यातायात चल रहा है। सुबह से छोटे वाहनों को आवाजाही की अनुमति दी गई। भारी वाहन इनके गुजरने के बाद रवाना होंगे। आखिर में सुरक्षाबलों के वाहनों को जाने की इजाजत दी जाएगी। यह राजमार्ग रविवार को रामबन के मेहाड़, कैफेटेरिया मोड़, पंथयाल और धलवार में कुछ समय तक पत्थर गिरने से बंद रहा। श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी राजमार्ग फिसलन की वजह से वाहनों के लिए बंद है। राजौरी व पुंछ जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाला मुगल रोड बर्फबारी के कारण बंद है।

एक वाहन में आग लगने से व्यक्ति की मौत

अनतंनाग (हि.स.)। अनंतनाग जिले के कोकेरनाग के पंजगाम इलाके में सोमवार को एक वाहन में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक व्यक्ति की पहचान पंजगाम के शब्बीर अहमद राठेर पुत्र मोहम्मद आशान राठेर के रूप में हुई है। मृतक व्यक्ति पेशे से बेकरी का काम करता था। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह पंजगाम इलाके में एक वाहन में अचानक आग लग गई और वाहन को चला रहे व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कानूनी औपचारिकताओं के लिए अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद शव को उसके परिजनों को सौंप दिया जाएगा। वहीं पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

खराब फसलों के मुआवजे की मांग को लेकर डीसी से मिला किसान सभा का प्रतिनिधिमंडल

-डीसी ने स्थानीय समस्याओं का जल्द समाधान करवाने का दिया आश्वासन

फतेहाबाद, (हि.स.)। सफेद मक्खी व पाला पडऩे से खराब हुई फसलों का मुआवजा देने सहित अपनी मांगों को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा का एक जिला स्तरीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को उपायुक्त से मिला। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने किसानों की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण के लिए उपायुक्त को एक ज्ञापन भी दिया। उपायुक्त से मिलने गए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा ने किया। उपायुक्त ने किसानों को उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का देने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिया कि उनकी मांगों को लेकर प्रदेश सरकार को पत्र लिखेंगे। किसान सभा के नेता विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि हाल ही में कोहरा जमने व पाला पडऩे से बर्बाद हुई सरसों, आलू व अन्य सभी सब्जियों व फसलों की स्पेशल गिरदावरी करके मुआवजा व बीमा क्लेम के साथ-साथ खाद व बीज, सेम ग्रस्त इलाका व जलभराव, मनरेगा व पेंशन, सरकारी अस्पतालों व सरकारी स्कूलों में सुविधाओं, आवारा पशुओं व जानवरों की समस्या का समाधान समेत तमाम मुद्दों को हल करने की मांगें उपायुक्त के सामने रखी गईं। शर्मा ने कहा कि खरीफ में नरमा व कपास फसल का सफेद मक्खी से हुए नुकसान का मुआवजा सरकार ने मंजूर कर रखा है। यह राशि तुरंत किसानों के खातों में डाली जाए। खरीफ 2022 में भारी बारिश व जलभराव से जिले के बड़े क्षेत्र में फसलें खासकर भट्टूकलां में 90 प्रतिशत से ज्यादा फसलें नष्ट हो गई थीं। उन्होंने कहा कि प्रभावित कृषि क्षेत्र में बोई गई सभी फसलों का मुआवजा व बीमा क्लेम तुरंत जारी किया जाए। हाल ही में कोहरा जमने व पाला पडऩे से सरसों, आलू व अन्य सब्जियों की फसल को काफी नुकसान हुआ है। इसके तुरंत स्पेशल गिरदावरी करते हुए 50 हजार रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दिया जाए। उन्होंने आने वाले खरीफ की फसल की बिजाई के लिए डीएपी यूरिया खाद और नरमा कपास समेत सभी फसलों के गारंटीशुदा बीज सहकारी समितियों में उपलब्ध करवाए जाएं और यह व्यवस्था अप्रैल में बिजाई शुरू होने से पहले मार्च में ही की जाए। भट्टू, फतेहाबाद समेत सभी सेमग्रस्त क्षेत्रों में सेम की समस्या के स्थाई समाधान के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया जाए, जिसमें सभी छोटी-बड़ी नहरों की मरम्मत की जाए व बड़े ट्यूबवेल से पानी खींच कर ड्रेन बनाकर बड़ी नहरों में पानी डाला जाए। इस अवसर पर मा. हनुमान, रिछपाल भादू, सुभाष चन्द्र, कुलदीप सिंह, निहाल सिंह, रोहताश डूडी, सतबीर जाखड़, पृथ्वी सिंह, रामकरण, मनीराम, कुलदीप सिंह, अशोक कुमार, बबलू, अजय, गोवर्धन सिंह सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो अभियान, नेताओं ने ग्रामीणों को बताई केन्द्र सरकार की विफलताएं

फतेहाबाद, (हि.स.)। पूर्व संसदीय सचिव एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रहलाद सिंह गिल्लाखेड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू किया है। इसके तहत लोगों को केन्द्र सरकार की विफलताओं को बताया जा रहा है और आमजन की ऐसी समस्याओं को लेकर आवाज भी बुलंद की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की चिकनी-चुपड़ी बातों में आकर उसे वोट देने वाली जनता आज अपने आप को ठगा-सा महसूस कर रही है। कांग्रेस नेता प्रहलाद सिंह सोमवार को हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत गांव बनगांव में आयोजित एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले गांव पहुंचने पर पूर्व संसदीय सचिव और अन्य कांग्रेस नेताओं का ग्रामीणों ने फूलमालाओं से स्वागत । इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए उनकी समस्याओं को जाना और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'नफरत छोड़ो-भारत जोड़ो' का संदेश भी दिया। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि इस जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए आम जनता को एकजुट होकर कांग्रेस के हाथ मजबूत करने होंगे। गिल्लाखेड़ा ने कहा कि इस अभियान के तहत जनता से हाथ मिलाकर उन्हें देश में बढ़ती समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार के संबंध में बताया जा रहा है। यह यात्रा लगभग दो महीने चलेगी, जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ता हर बूथ पर जाकर लोगों को जागरूक करने के लिए इन मुद्दों से अवगत करवाएंगे। उन्होंने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई ने आम आदम का बजट बिगाड़ कर रख दिया है। पहले गरीब दाल-रोटी खाकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा था लेकिन भाजपा राज में आसमान के पहुंचे आटे के दामों ने गरीबों के मुंह से निवाला तक छीन लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने तानाशाही फरमान जारी कर गरीबों के राशन कार्ड काट दिए। युवाओं को रोजगार देने के नाम पर वोट बटोरने वाली भाजपा राज में प्रदेश बेरोजगारी में नंबर वन बन चुका है। ऐसे में सरकार की नीतियों से परेशान जनता कांग्रेस को फिर सत्ता में लाने को तैयार बैठी है।

सरपंचों ने किया रोड जाम, विधायक आवास के धरना जारी

फतेहाबाद, (हि.स.)। ई-टेंडरिंग और राइट-टू-रिकॉल के खिलाफ आंदोलन कर रहे सरपंचों ने सोमवार को फतेहाबाद में विधायक दुड़ाराम के भट्टू रोड स्थित निवास के बाहर प्रदर्शन किया। काली पट्टियां बांधकर सरपंचों ने फतेहाबाद-भट्टू रोड को जाम कर सड़क के बीच बैठ गए और प्रदेश सरकार, पंचायत मंत्री व विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सोमवार को सरपंचों ने फतेहाबाद-भट्टू रोड पर बैठकर करीब आधा घंटा तक एक तरफ का रोड जाम किए रखा। उसके बाद सरपंच शहरभर में रोष मार्च निकाला और लघु सचिवालय पहुंचे। इसी बीच रास्ते में जजपा के नेता डॉ. विरेन्द्र सिवाच के अस्पताल के बाहर भी सरपंचों ने नारेबाजी की। इस दौरान डॉ. सिवाच और सरपंचों में बहसबाजी हो गई। डॉ. सिवाच ने पूर्व में कुछ जनप्रतिनिधियों को बिकाऊ कहने के बारे में सरपंचों ने स्पष्टीकरण मांगा तो डॉ. सिवाच ने क्लीयर किया कि उन्होंने जिला परिषद और ब्लाक समिति सदस्यों के संदर्भ में कहा था। वे जायज मांगों में सरपंचों के साथ हैं। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सरपंच एसोसिएशन के प्रदेश प्रवक्ता चंद्रमोहन पोटलिया ने कहा कि सरकार गांव-देहात को खत्म करने का प्रयास कर रही है। गांव के लोगों ने जिन उम्मीदों से प्रतिनिधि चुने थे, उन उम्मीदों को धराशायी किया जा रहा है। ई-टेंडरिंग के तहत काम शुरू होने से प्रदेश के 80 प्रतिशत सरपंच नाखुश हैं और जल्द ही नाराज पंचायतों और ग्राम सभाओं के आपत्ति पत्र सरकार को सौंपेंगे। साथ ही अल्टीमेटम दिया कि 1 मार्च को प्रदेशभर के आंदोलनरत सरपंच मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। सरपंच पांच दिन से वे विधायकों के घरों के बाहर धरनारत हैं और विधायकों ने उनसे बात तक नहीं की है। इसलिए सत्ता के नशे में धुत्त विधायकों को जगाने के लिए आज उन्होंने काली पट्टियां बांधी हैं। पक्ष या विपक्ष के विधायकों ने विधानसभा में सरपंचों की मांगें नहीं उठाई तो किसी भी विधायक को गांवों में घुसने नहीं देंगे।

मेले में लगा झूला टूटा, मां-बेटी समेत तीन घायल

रेवाड़ी, (हि.स.)। रेवाड़ी शहर के हुडा ग्राउंड में लगे मेले में रविवार की रात बड़ा हादसा हो गया। 50 फीट ऊपर से चलते झूले की एक ट्रॉली आकर जमीन पर गिर गई, जिसकी वजह से झूले में बैठी मां-बेटी के अलावा एक अन्य बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। मेला संचालक के खिलाफ मॉडल टाउन थाना में शिकायत दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार रेवाड़ी के हुडा ग्राउंड पर मेला लगा हुआ है। रविवार की रात मेले में काफी भीड़ थी। मेले में कई बड़े झूले लगाए गए हैं। इन्हीं में शामिल एक झूले पर रात के वक्त काफी लोग बैठे हुए थे। तभी अचानक एक ट्रॉली झूले से टूटकर नीचे आ गिरी। हादसे के वक्त झूला के आसपास काफी सारी भीड़ खड़ी थी। गनीमत रही कि यह ट्रॉली किसी पर नहीं गिरी। हादसे के वक्त ट्रॉली में तीन लोग सवार थे। इनमें मां सीमा, बेटी मुस्कान व उनकी भतीजी परी घायल हो गए। मेले में झूला टूटने के बाद दहशत फैल गई। काफी भीड़ होने की वजह से लोगों ने तुरंत तीनों घायलों को पास के ही एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना के बाद मॉडल टाउन थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मेले को बंद करा दिया गया है।

उतार-चढ़ाव के बीच चुनें अच्छा निवेश, योजना के जरिये तीन से ज्यादा संपत्तियों में लगाएं पैसा

नई दिल्ली।
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के मुख्य निवेश अधिकारी (सीआईओ) एस नरेन का मानना है कि किसी निवेशक के लिए सभी परिसंपत्तियों के वर्गों में निवेश करने का सबसे आसान तरीका मल्टी-एसेट फंड है। इस एक फंड में एक ही कैटेगरी के माध्यम से तीन या अधिक संपत्तियों में आप निवेश कर सकते हैं। यह फंड इक्विटी में 10-80 फीसदी, डेट में 10-35प्रतिशत, गोल्ड में 10-35प्रतिशत और रीट एवं इनविट में 0-10प्रतिशत निवेश करता है। विभिन्न एसेट क्लास में निवेश की ऐसी रणनीति का उद्देश्य इक्विटी में निवेश करके पूंजी बढ़ाना, डेट में निवेश करके स्थिरता और अच्छा रिटर्न अर्जित करना है। सोने में निवेश करके महंगाई से बचाव करना है।

एनएवी में 48 गुना की बढ़त

फंड की इस स्कीम ने 5 वर्ष और 10 वर्ष की अवधि में कभी भी नकारात्मक रिटर्न नहीं दिया है। स्थापना के बाद से इसका नेट असेट वैल्यू यानी एनएवी लगभग 48 गुना बढ़ गया है। जब पोर्टफोलियो निर्माण की बात आती है, तो इक्विटी के मामले में यह स्कीम लार्ज, मिड और स्मॉल कैप में निवेश कर सकती है। वृद्धि या वैल्यू स्टाइल के विपरीत इसके निवेश के तरीके अलग होते हैं। इसे अक्सर कैटेगरी के अन्य फंडों द्वारा अपनाया जाता है।

इक्विटी में ज्यादा निवेश का अवसर

इस फंड में इक्विटी में निवेश इक्विटी वैल्यूएशन मॉडल द्वारा निर्धारित किया जाता है, जहां दिशात्मक कॉल के आधार पर हमें आर्थिक चक्र में रखा जाता है। इसके अलावा, स्कीम समग्र पोर्टफोलियो का रिटर्न बढ़ाने और महंगाई को पीछे छोड़ने के उद्देश्य के लिए तेल, सोना, चांदी जैसी वस्तुओं के लिए रणनीतिक निवेश का फैसला ले सकती है। स्कीम वर्तमान में इक्विटी में ज्यादा निवेश कर रही है, क्योंकि आर्थिक रिकवरी चालू है।

रुझान से हटकर लिए जाते हैं फैसले

आंकड़े बताते हैं कि अगर किसी निवेशक ने (अक्तूबर, 2002) के बाद से आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के मल्टी एसेट फंड में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के माध्यम से 10,000 रुपये का निवेश मासिक किया होगा तो उसका कुल निवेश 24.4 लाख रुपये रहा होगा। जबकि इसका मूल्य 1.9 करोड़ रुपये के करीब होगा। भारतीय बाजार में इस समय भारी उतार-चढ़ाव है। विश्लेषकों का मानना है कि इस साल में इक्विटी में बहुत ज्यादा रिटर्न नहीं मिल सकता है।

न्यूज ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व एनएसई प्रमुख को दी गई जमानत को खारिज करने से किया इनकार, सीबीआई ने दायर की थी याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने को-लोकेशन घोटाले में एनएसई की पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्ण को दी गई

जमानत को खारिज करने से इनकार कर दिया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रामकृष्ण को डिफॉल्ट जमानत देने के 28 सितंबर के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। बता दें कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने बीते 28 सितंबर (बुधवार) को सीबीआई की ओर से जांच की जा रही को-लोकेशन घोटाला मामले में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्ण और पूर्व समूह संचालन अधिकारी आनंद सुब्रमण्यम को जमानत दे दी थी। जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन ने कहा था कि वह एनएसई के दो पूर्व अधिकारियों को वैधानिक जमानत दे रहे हैं। देश के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज में हुई गड़बड़ी के इस मामले में मई 2018 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सीबीआई इस मामले में मार्केट एक्सचेंजों के कंप्यूटर सर्वर से स्टॉक ब्रोकरों तक सूचना के कथित अनुचित प्रसार की जांच कर रही है। सुब्रमण्यम को इस मामले में पिछले साल 24 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद छह मार्च को इस मामले में सीबीआई ने चित्रा रामकृष्ण को भी गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में आनंद सुब्रमण्यम की ओर से दायर जमानत याचिका पर अपनी स्टेटस रिपोर्ट में सीबीआई ने कोर्ट को बताया था कि मामले की जांच ने स्थापित किया है कि सह-आरोपी रामकृष्ण ने एनएसई में अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए सुब्रमण्यम को अवैध रूप से मुख्य रणनीतिक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया और मनमाने ढंग से और अनुपातहीन रूप से अपने लाभ में इजाफा किया है। इसके अलावे उन्हें दोबारा से अपेक्षित अनुमोदन के बिना ही समूह संचालन अधिकारी के रूप में नामित कर दिया गया।

एजी सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं कराने से रुका मामला, राज्यों के बकाया जीएसटी अनुदान पर वित्त मंत्री का बयान

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सामवार को कहा है कि कुछ राज्यों के जीएसटी

अनुदान बकाया हैं। इसका कारण उनकी ओर से एजी सत्यापित प्रमाणपत्र नहीं जमा करना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017-18 से केरल ने एक भी प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं कराया है। एक अनुपूरक प्रश्न के जवाब में वित्त मंत्री कहा कि 31 मई 2022 तक सभी राज्यों को 86,912 रुपये जीएसटी अनुदान के रूप में जारी किए गए हैं। वित्त मंत्री के अनुसार यह जीएसटी परिषद् तय करती है कि किन-किन राज्यों को जीएसटी अनुदान जारी जाना है, केंद्र सरकार नहीं। उन्होंने कहा कि केंद्र राज्यों और अकाउंटेंड जनरल के प्रावधानों के अनुसार एजी सर्टिफिकेशन अनिवार्य है और यह एक सर्वमान्य प्रक्रिया है। इसलिए एजी का प्रमाणीकरण उपलब्ध नहीं होने से अनुदान जारी करने की प्रक्रिया बाधित है।

यामाहा ने अपनी 6 बाइक्स को किया अपडेटः ट्रेक्शन कंट्रोल और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसे फीचर मिलेंगे, ई-20 पेट्रोल पर भी दौड़ेंगी

नई दिल्ली। यामाहा मोटर इंडिया ने 150 सीसी सेगमेंट में अपनी 6 बाइक्स को अपडेट कर दिया है। सोमवार (13 फरवरी 2023) को कंपनी ने यू-ट्यूब प्लेटफॉर्म पर अपनी बाइकों की वर्चुअल लॉचिंग की। कंपनी का दावा है कि अपडेटेड यामाहा की सभी अपडेटेड बाइक्स ई-20 कंप्लाइंट पेट्रोल को सपोर्ट करती हैं। इन बाइक्स में कई बेहतरीन फीचर मिलते हैं। इस एप से बाइक और मोबाइल एक दूसरे से कनेक्ट रहेंगे। इसमें बाइक के इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर स्क्रीन पर फोन के नोटिफिकेशन देखे जा सकेंगे। इसमें कॉल एलर्ट, एसएमएस, ई-मेल, एप कनेक्टिविटी स्टेटस और फोन बैटरी लेवल स्टेटस शामिल हैं। वहीं फोन पर बाइक नोटिफिकेशन्स देखे जा सकेंगे। इसमें फ्यूल कनजम्शन ट्रेकर, मेंटेनेंस रिकमेंडेशन, लास्ट पार्किंग लोकेशन मालफंक्शन नोटिफिकेशन, रेव्स डेशबोर्ड और रैंकिंग शामिल हैं। यामाहा की इस रेसिंग बाइक कीमत कीमत 1,93,900 रुपए रखी गई है और यह मेटेलिक ग्रे कलर ऑप्शन के साथ आती है। इसमें 155सीसी इंजन दिया गया है जो 18.4 की पावर और 14.2 का टॉर्क जनरेट करता है।

एयरो शो में स्वदेशी सुपरसोनिक एयरक्राफ्ट पर बजरंगबली

टेल पर लिखा- तूफान आ रहा है; मोदी बोले- यह सिर्फ एयर शो नहीं, भारत की ताकत

बेंगलुरु।
एयरो इंडिया के 14वें एडिशन की शुरुआत सोमवार को बेंगलुरु के येलहांका के एयर फोर्स स्टेशन पर हुई। यह एयर शो पांच दिन चलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया। इस शो में सबसे ज्यादा सुर्खियों ने बटोरीं। इसकी टेल पर हनुमानजी की फोटो है। साथ ही एक मैसेज भी लिखा है- (तूफान आ रहा है)। उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी ने कहा, पहले यह सिर्फ एयर शो था, लेकिन अब ये भारत की ताकत बनकर उभर रहा है। कोरोना काल के बाद पहली बार इस शो में दर्शक भी शामिल हो रहे हैं। 13 फरवरी से 17 फरवरी तक चलने वाला शो मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड प्लान के मुताबिक स्वदेशी टेक्नोलॉजी को प्रदर्शित करने और विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी बनाने पर केंद्रित है। इसकी थीम द रनवे टु ए बिलियन अपॉर्च्युनिटीज है। मद्रास में बने 2017 के एक स्टार्टअप ने इस उड़ने वाली टैक्सी का बनाया है। ई-प्लेन कंपनी के फाउंडर प्रो. सत्य चक्रवर्ती है। ये टैक्सी 2 सीटर है और इसका वजन 200 किलो है। इसकी रेंज की बात करें तो ये फुली इलेक्ट्रिक टैक्सी एक बार चार्ज करने पर 200 किलोमीटर उड़ सकती है। इस टैक्सी की खासियत यह है कि ये वर्टिकली टेकऑफ कर सकती है।

दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ा- स्पीच की शुरुआत करते हुए पीएम ने कहा- एक समय था जब ये एयर शो केवल एक शो था। अब यह सोच बदल गई है। ये अब एक शो नहीं बल्कि देश की ताकत है। आज दुनिया की रक्षा कंपनियों के लिए भारत एक मार्केट नहीं बल्कि पार्टनर भी है। एयरो इंडिया शो में 100 से अधिक देशों की भागीदारी नए भारत में दुनिया के भरोसे को दर्शाती है।

कर्नाटक के युवा डिफेंस में देश की ताकत बढ़ाएं- पीएम मोदी ने कहा कि यह शो एक और वजह से खास है यह कर्नाटक जैसे टेक्नोलॉजी की दुनिया में जगह बनाने वाले राज्य में हो रहा है। इससे कर्नाटक के युवाओं के लिए नई संभावनाएं खुलेंगी। मैं आह्वान करता हूं आपको जो महारत हासिल है उससे रक्षा क्षेत्र में देश की ताकत बढाएं। आप ज्यादा जुड़ेंगे तो नए रास्ते ज्यादा खुलेंगे।

भारत कोई मौका नहीं खोएगा- प्रधानमंत्री ने कहा- हमारे यहां कहा जाता है प्रत्यक्षं किम प्रमाणम्, यानी प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं। आज आकाश में गर्जना करते तेजस मेक इन इंडिया का प्रमाण है। हिंद महासागर में विक्रांत, गुजरात के वडोदरा में या तुमकुरु में हेलिकॉप्टर इस बात का प्रमाण है। 21वीं सदी का भारत न कोई मौका खोएगा न मेहनत में कमी रखेगा। हम कमर कस चुके हैं।

डिफेंस एक्सपोर्ट 5 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य- देश के आयात-निर्यात पर मोदी बोले- जो देश दशकों से डिफेंस सेक्टर में सबसे बड़ा आयातक था, वो अब निर्यात कर रहा है। देश का रक्षा निर्यात 6 गुना बढ़ा है। हम 75 देशों के डिफेंस इक्विपमेंट एक्सपोर्ट कर रहे हैं। हमने निर्यात में 1.5 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर लिया है। डिफेंस का मार्केट सबसे कॉम्प्लिकेटेड माना जाता है। भारत ने 8-9 साल में इसे बदला है। 2025 तक इस आंकड़े को 5 बिलियन डॉलर तक ले जाएंगे।

विकास की ओर बढ़ता भारत जड़ों से जुड़ा- प्रधानमंत्री ने कहा- अमृतकाल का भारत फाइटर पायलट की तरह आगे बढ़ रहा है। आज का भारत तेज सोचता है, दूर की सोचता है तुरंत फैसले लेता है। ठीक वैसे जैसे फाइटर पायलट करता है। देश की रफ्तार चाहे कितनी तेज क्यों न हो वह कितनी ऊंचाई पर क्यों न हो वह जड़ों से जुड़ा रहता है।

भारत में बने सपोर्टिव माहौल का फायदा उठाएं इन्वेस्टर्स- पीएम बोले- भारत में जो सरकार है, वह साफ नीयत है। मौजूदा सरकार ने भारत के डिफेंस सेक्टर में एफडीआई को मंजूरी देने का माहौल बनाया है। इसलिए देश दुनिया के इन्वेस्टर्स को भारत में बने इस सपोर्टिव माहौल का फायदा उठाना चाहिए।

एयरो इंडिया शो में खास, एक्सपोर्ट को बढ़ावा - 35,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में हो रहा यह शो लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट -तेजस, डोर्नियर लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर , लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर और उन्नत लाइट हेलिकॉप्टर जैसे स्वदेशी एयर प्लेटफार्मों के एक्सपोर्ट को बढ़ावा देगा। इस शो में 32 देशों के रक्षा मंत्री शामिल हो रहे हैं। साथ ही रक्षा उपकरण कंपनियों के 73 का गोलमेज मीटिंग होगी। इसके अलावा मंथन स्टार्ट-अप शो और बंधन इवेंट होगा।

75 हजार करोड़ के एमओयू साइन होंगे - एयरो इंडिया 2023 में 80 से ज्यादा देशों की भागीदारी देखी जाएगी। लगभग 30 देशों के मंत्रियों, ग्लोबल और इंडियन के शामिल होने की संभावना है। यह आयोजन लगभग 100 विदेशी और 700 भारतीय कंपनियों सहित 800 से ज्यादा डिफेंस कंपनियों की भागीदारी का भी गवाह बनेगा। शो के दौरान 75 हजार करोड़ के 251 एमओयू साइन किए जाएंगे।

एलपीजी सिलेंडरों में गैस कम होने पर एजेंसियों और डिलीवरी मैन पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली।
एलपीजी सिलेंडरों में गैस की कम सप्लाई की शिकायतों के बाद गैस एजेंसियों की जांच शुरू हो गई है। दिल्ली-एनसीआर में भी कई गैस एजेंसियों पर रैंडम आधार पर जांच की जा रही है। बता दें कि गैस एजेंसी की मिलीभगत से डिलीवरी मैन द्वारा उपभोक्ताओं को मानक मात्रा से कम गैस की डिलीवरी किए जाने पर अब कंपनी की गाइडलाइंस के साथ-साथ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए मोदी सरकार ने हाल के दिनों में कई कदम उठाए हैं। गौरतलब है कि गैस डिलीवरी के वक्त उपभोक्ताओं को पंजीकृत मोबाइल नंबर पर आया मैसेज डिलीवरी मैन को बताना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके बाद ही सिलिंडर मिलता है। हालांकि इस फैसले से गैस कम मिलने का कोई लेना-देना नहीं है. लेकिन अगर आप गैस का सिलेंडर जल्दी खत्म हो जाने से परेशान हैं तो अब आपकी परेशानी दूर होने जा रही है। अब डिलीवरी मैन आपको गैस कम देता है तो आप तुरंत ही शिकायत कर सकते हैं। साल 2020 से ही मोदी सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू कर दिया है. इस अधिनियम के लागू हो जाने के बाद अब अगर उपभोक्ता को कम गैस मिलता है तो गैस एजेंसी पर कार्रवाई तो होगी साथ ही उसका लाइसेंस भी रद्द हो सकता है। अधिकांश लोग गैस सिलेंडर की डिलीवरी लेने के वक्त वजन चेक नहीं करते। इसका यह भी कारण है कि डिलीवरी मैन सप्लाई के वक्त वजन तौलने वाली मशीन नहीं रखते। जागरुकता के अभाव में कई बार सिलेंडर में कम गैस का खामियाजा उपभोक्ताओं को उठाना पड़ता है। सिलेंडर में से एक से दो-तीन किलो गैस निकाली जा रही है। ऐसे में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू हो जाने के बाद उपभोक्ताओं को घर बैठे ही कई अधिकार और सुविधा मिल गई है। किसी भी गैस एजेंसी के डिलीवरी मैन द्वारा उपभोक्ताओं को मानक मात्रा से कम गैस की डिलीवरी किया जाना पाया जाएगा तो अब इसके लिए संबंधित गैस एजेंसी का उत्तदायित्व निर्धारित करते हुए उसके विरुद्ध कंपनी की गाइडलाइंस के साथ-साथ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने फरवरी में निकाले 9,600 करोड़, महंगा है भारतीय बाजार

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) ने चालू माह में 10 फरवरी तक शेयर बाजार से 9,600 करोड़ रुपये निकाले हैं। भारतीय बाजार का मूल्यांकन अन्य बाजारों की तुलना में महंगा है। इसलिए विदेशी निवेशक इन पैसों को दूसरे उभरते बाजारों में लगा रहे हैं। हालांकि, डेट बाजारों में इन्होंने 2,154 करोड़ रुपये का निवेश किया है। आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने जनवरी में कुल 28,852 करोड़ रुपये की निकासी बाजार से की थी। पिछले सात महीने में किसी एक माह में यह सर्वाधिक निकासी थी। दिसंबर में इन्होंने 11,119 करोड़ और नवंबर में 36,238 करोड़ रुपये का निवेश किया था। विश्लेषकों का मानना है कि आगे चलकर विदेशी निवेशकों का रुझान उतार-चढ़ाव का रहेगा क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ब्याज दरों में लगातार छठीं बार वृद्धि की है। जब तक अदाणी समूह के मुद्दों पर कोई स्पष्टता नहीं आती है, तब तक विदेशी निवेशकों का यह रुझान बना रहेगा। विदेशी निवेशकों ने वित्तीय सेवाओं के सेगमेंट से ज्यादा निकासी की है। हालांकि, ऑटो और कलपुर्जों वाले सेगमेंट में निवेश किया है। आईटी में जनवरी में इन निवेशकों ने बिकवाली की थी। लेकिन इस महीने इसमें खरीदारी किए हैं। आयकर विभाग अप्रवासी निवेशकों पर कर लगाने के मकसद से गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के उचित बाजार मूल्य (एफएमवी) का पता लगाने के लिए आयकर कानून के तहत संशोधित मूल्यांकन नियम जारी कर सकता है। आयकर विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इस संशोधन की जरूरत इसलिए महसूस की जा रही है कि आयकर अधिनियम व फेमा कानून में गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के एफएमवी की गणना के लिए अलग-अलग तरीके हैं। आयकर अधिनियम के नियम 11यूए को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम को (फेमा) के अनुरूप बनाने के लिए हितधारकों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए फिर निर्धारित किया जाएगा।

डीआरआई चीफ ने कहा- बड़े पैमाने पर हो रही तस्करी, हर महीने जब्त होती है 1,000 करोड़ की प्रतिबंधित वस्तुएं

नई दिल्ली।
तस्करी बड़े पैमाने पर हो रही है। इस मुद्दे की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि डीआरआई हर महीने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की प्रतिबंधित सामग्री जब्त करता है। राजस्व खुफिया महानिदेशालय के महानिदेशक मोहन कुमार सिंह ने फिक्की कास्केड के सम्मेलन में कहा कि तस्कर अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार माल की तस्करी के लिए जटिल तरीकों व तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं। सिंह ने कहा, जालसाजी और तस्करी के मामले में इस तरह का अवैध व्यापार एक वैश्विक जोखिम है। इसका आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

वैश्विक जीडीपी को दो लाख करोड़ डॉलर की चपत - विश्व कस्टम संगठन (डब्ल्यूसीओ) के निदेशक पीके दास ने कहा कि हर साल तस्करी से दुनिया की अर्थव्यवस्था को दो लाख करोड़ डॉलर का नुकसान होता है। फिक्की कास्केड के अध्यक्ष अनिल राजपूत ने कहा, हमने सम्मेलन में जागरूकता बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ने का संकल्प लिया और तस्करी के खिलाफ ठोस

कार्रवाई करने का संकल्प लिया।

पीएलआई... दूरसंचार क्षेत्र को राशि मिलनी शुरू - दूरसंचार विभाग ने 2021-22 के लिए अपना लक्ष्य पूरा करने वाले निर्माताओं को उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) रकम देना शुरू कर दिया है। जीएक्स टेलीकॉम ने कहा कि उसे इस योजना के तहत दूरसंचार विभाग से रकम मिली है। कंपनी के पास 3.5 लाख यूनिट जीपीओएन उपकरण बनाने की क्षमता है, जिनका उपयोग ब्रॉडबैंड नेटवर्क शुरू करने के लिए किया जाता है। वैश्विक बाजार में भारत में बने टेलीकॉम उपकरणों की मांग बढ़ी है। दूरसंचार विभाग के एक अधिकारी ने कहा, प्रोत्साहन प्राप्त करने वाली योजना के तहत जीएक्स इंडिया पहली कंपनी है।

ऑयल इंडिया को 1,746 करोड़ का लाभ - सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया को दिसंबर तिमाही में 1,746 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले यह 1,245 करोड़ रुपये था। यह इसके इतिहास में अब तक का सर्वोच्च लाभ है। कंपनी ने प्रति शेयर दस रुपये लाभांश देने की घोषणा की है। कंपनी ने रविवार को कहा कि तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतें बढ़ने से उसके फायदे पर असर दिखा है।

टाटा स्टील की 7 कंपनियों का विलय 2024 तक होगा पूरा - टाटा स्टील की सात कंपनियों का विलय 2023-24 में पूरा होने की उम्मीद है। इन कंपनियों में टाटा स्टील लांग प्रोडक्ट, द टिनप्लेट कंपनी, टाटा मेटालिक्स, टीआरएफ, इंडियन स्टील एवं वायर प्रोडक्ट और टाटा स्टील माइनिंग एवं एसएंडटी माइनिंग कंपनी आदि हैं। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टीवी नागेंद्रन ने रविवार को बताया कि सितंबर, 2022 में बोर्ड ने 7 कंपनियों के विलय को मंजूरी दी थी। इससे लागत घटाने में मदद मिलेगी।

हिंडनबर्ग पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

बेंच ने सेबी से निवेशकों की सुरक्षा के लिए सुझाव मांगे थे; अडाणी ग्रुप ने रेवेन्यू ग्रोथ टारगेट को आधा किया

नई दिल्ली।
सुप्रीम कोर्ट अडाणी ग्रुप के खिलाफ हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से जुड़ी दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। एडवोकेट एमएल शर्मा और विशाल तिवारी ने ये जनहित याचिका दायर की है। याचिकाओं में दावा किया गया है कि हिंडनबर्ग ने शेयरों को शॉर्ट सेल किया जिससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ।

इस मामले में पहली सुनवाई शुक्रवार को हुई थी। इस दौरान चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला ने सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया से भविष्य में निवेशकों की सुरक्षा के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, पर सुझाव देने को कहा था। पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कोर्ट ने कहा था कि वे इस मामले पर सोमवार को पूरी जानकारी के साथ आएं। उधर, उधर, अडाणी ग्रुप ने अपने रेवेन्यू ग्रोथ टारगेट को आधा कर दिया है।

याचिकाओं में दावा किया गया है कि हिंडनबर्ग ने शेयरों को शॉर्ट सेल किया जिससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। तिवारी ने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने देश की छवि को धूमिल किया है। यह अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। वहीं, शर्मा की याचिका में दावा किया गया है कि रिपोर्ट पर मीडिया प्रचार ने बाजारों को प्रभावित किया, और हिंडनबर्ग के फाउंडर नाथन एंडरसन भी भारतीय नियामक सेबी को अपने दावों का प्रमाण देने में विफल रहे।

याचिकाओं में एफआईआर दर्ज करने और जांच की मांग

मनोहर लाल शर्मा ने याचिका में सेबी और केंद्रीय गृह मंत्रालय को हिंडनबर्ग रिसर्च के फाउंडर नाथन एंडरसन और भारत में उनके सहयोगियों के खिलाफ जांच करने और एफआईआर करने के लिए निर्देश देने की मांग की है।

विशाल तिवारी ने स्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली एक कमेटी बनाकर हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जांच की मांग की। तिवारी ने अपनी याचिका में लोगों के उन हालातों के बारे में बताया जब शेयर प्राइस नीचे गिर जाते हैं।

हिंडनबर्ग ने शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए

24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट में ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। रिपोर्ट के बाद ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। शुक्रवार यानी 3 फरवरी को अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 1000 रुपए के करीब पहुंच गया था। हालांकि, बाद में इसमें रिकवरी आई।

रेवेन्यू ग्रोथ टारगेट को ग्रुप ने आधा किया

अडाणी ग्रुप ने अपने रेवेन्यू ग्रोथ टारगेट को आधा कर दिया है। ब्लूमबर्ग ने मामले से परिचित लोगों का हवाला देते हुए कहा कि अडाणी ग्रुप अगले वित्तीय वर्ष के लिए 15प्रतिशत से 20प्रतिशत की रेवेन्यू ग्रोथ के लिए टारगेट कर रहा है, जो ओरिजिनल टारगेट 40प्रतिशत से कम है। गौतम अडानी की कंट्रोल्ड लिस्टेड कंपनियों को 24 जनवरी को हिंडरबर्ग की रिपोर्ट के सामने आने के बाद से मार्केट वैल्यू में 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

टॉप 20 से बाहर हुए अडाणी -

अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयर में गिरावट के चलते शुक्रवार को अडाणी ग्रुप के चेचरमैन गौतम अडाणी की नेटवर्थ गिरकर 4.78 लाख रुपए (58 अरब डॉलर) पर आ गई। यह एक दिन पहले तक 60 अरब डॉलर के ऊपर थी। अडाणी की नेटवर्थ में शुक्रवार को 19.80 हजार रुपए (2.4 अरब डॉलर) की गिरावट आई। इस गिरावट के चलते वो फोर्ब्स के रियल टाइम बिलेनियर लिस्ट में 17वें नंबर से खिसककर 22वें नंबर पर आ गए हैं।

अडाणी ग्रुप के सभी स्टॉक्स में भी गिरावट है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज में 6प्रतिशत से ज्यादा टूटा है। अडाणी पोर्ट्स, अडाणी विल्मर, पावर, टोटल गैस, ट्रांसमिशन, एनडीटीवी में 5प्रतिशत की गिरावट है। ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा करीब 3प्रतिशत से ज्यादा गिरे हैं।

इससे पहले शुक्रवार को अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 3.78प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,853 रुपए पर बंद हुए। अडाणी विल्मर 1.21प्रतिशत गिरा। इसके अलावा अडाणी ट्रांसमिशन, टोटल गैस, पावर और ग्रीन में 5-5प्रतिशत की गिरावट देखी गई थी।

सेट पर पहुंची युवती को बना दिया एक्ट्रेस

-एक्ट्रेस के अब दीवाने हुए कार्तिक

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड स्टार सलमान खान के सेट पर गई एक युवती को उन्होंने अपनी हीरोइन चुन लिया था। सलमान की यह एक्ट्रेस हैं जरीन खान। जरीन का जन्म साल 1987 में मुंबई में जन्म हुआ था। इसी एक्ट्रेस पर फिल्माए गए एक गाने पर कार्तिक आर्यन आजकल डांसिंग मूव्ज दिखा रहे हैं। शुरूआती शिक्षा के बाद उनका रुझान फिल्मी दुनिया की तरफ हुआ। जरीन ने सुभाष घई की एक्टिंग क्लासेज में दाखिला लिया था ताकि वे फिल्मों की बारीकी सीख सकें। फिल्मी पढ़ाई के दौरान जरीन एक बार साथी स्टूडेंट्स के साथ फिल्म युवराज के सेट पर जाने का मौका मिला था। जरीन ने सोचा भी नहीं था कि यह उनके लिए खास मौका साबित होगा। दरअसल, सेट पर सलमान पर सीन फिल्माया जा रहा था। सीन के बाद जब सलमान ने जरीन को देखा तो उनकी निगाहें उन पर ही टिक गईं। सलमान ने अनिल शर्मा की अगली फिल्म वीर के लिए जरीन का नाम सजेस्ट किया। जरीन के लिए इससे बेहतर शुरूआत और क्या हो सकती थी। साल 2010 में जरीन फिल्म वीर में प्रिसेंज के किरदार में नजर आई थीं। फिल्म में उनकी और सलमान की जोड़ी को पसंद किया गया था। इसके बाद वे फिल्म रेडी के आइटम नम्बर मैं करूं तो में सलमान के साथ नजर आई थीं। इस गाने में जरीन का अंदाज सभी को काफी पसंद आया था। अब इसी गाने को फिर से फिल्म शहजादा रिक्रिएट किया गया है। जिसमें कार्तिक आर्यन डांस करते दिख रहे हैं। हाल ही कार्तिक ने रीक्रिएट वर्जन प्रजेंट किया था, जिसकी सलमान खान ने भी तारीफ की थी। फिलहाल इन दिनों जरीना खान पंजाबी फिल्मों में सक्रिय हैं। साथ ही 2021 में वे फिल्म हम भी अकेले तुम भी अकेले में नजर आई थीं। बता दें कि सलमान खान ने बॉलीवुड में कई नए चेहरों को मौका दिया है। साथ ही ऐश्वर्या जैसी दिखने वाली बहुत-सी एक्ट्रेसेज को वे फिल्मों में लेकर आए थे।

शहजादा का सॉन्ग कैरेक्टर ढीला 2.0 हुआ आउट

-कार्तिक आर्यन की फिल्म का है यह गाना

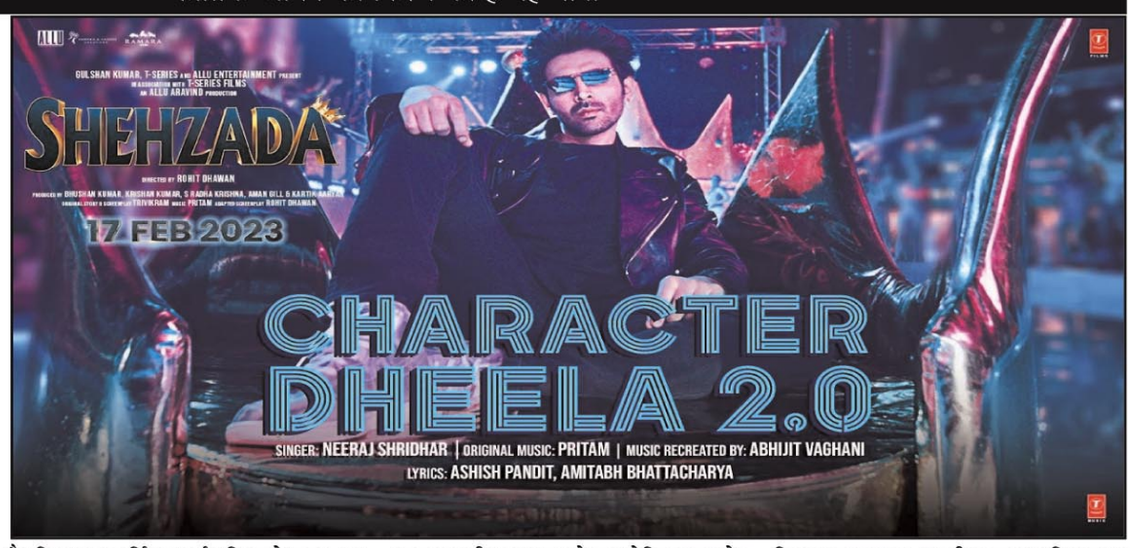

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के नवोदित कलाकार कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की मोस्ट अवेटेड फिल्म शहजादा का सॉन्ग कैरेक्टर ढीला 2.0 आउट हो चुका है। कार्तिक आर्यन के फैंस इस गाने पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। ऑडियंस अब इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इस एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म का गाना सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने भी ये गाना अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कर कार्तिक को बधाई दी है। बीते काफी समय से बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन अपनी इस अपकमिंग फिल्म शहजादा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। जब से फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ तब से फैंस की एक्साइटमेंट फिल्म की रिलीज को लेकर पहले से भी ज्यादा बढ़ गई है। ऐसे में कार्तिक आर्यन के गाने कैरेक्टर ढीला 2.0 का सामने आना फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है।

कहा जा रहा है कि कार्तिक का ये गाना सलमान खान की फिल्म रेडी के गाने कैरेक्टर ढीला का ही रीमेक है। कार्तिक आर्यन की फिल्म शहजादा के गाने के रिलीज होते हैं, फैंस ने इस पर जमकर रिएक्शन दिया। फैंस के साथ-साथ इस गाने को फिल्म इंडस्ट्री के लोग भी काफी पसंद कर रहे हैं। कार्तिक का गाना कैरेक्टर ढीला 2.0 एक पार्टी सॉन्ग है। जिस पर कार्तिक आर्यन थिरकते नजर आ रहे हैं। गाने में उनके एक स्टेप आपका भी दिल जीत लेंगे। यही वजह है कि कार्तिक के इस गाने को पसंद किया जा रहा है। खुद सलमान खान ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस गाने को शेयर करते हुए एक खूबसूरत नोट लिखा है, जिसमें उन्होंने कार्तिक आर्यन और डायरेक्टर रोहित धवन को शुभकामनाएं दी हैं। कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की फिल्म शहजादा की कमान डायरेक्टर रोहित धवन के संभाल रहे हैं। दोनों ही स्टार अपनी फिल्म को हिट कराने के लिए जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। कार्तिक की ये मोस्ट अवेटेड फिल्म पहले 10 फरवरी को रिलीज होने वाली थी, जो कि अब 17 फरवरी को रिलीज होगी। इस फिल्म के अलावा कार्तिक आर्यन सत्यप्रेम की कथा, आशिकी 3 और कैप्टन इंडिया जैसी फिल्मों में भी नजर आने वाले हैं। कार्तिक आर्यन के लिए साल 2022 काफी अच्छा साबित हुआ था। बीते साल की शुरूआत में कार्तिक ने ब्लॉकबस्टर फिल्म भूल भुलैया 2 से की तो वहीं साल का अंत उन्होंने सुपरहिट फिल्म फ्रेडी से किया। अब नए साल के दूसरे ही महीने में कार्तिक आर्यन की नई फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की फिल्म शहजादा का ऑडियंस को बेसब्री से इंतजार है।

गौतम की शादी में अक्षय ने किया भांगड़ा

-वीडियो पर प्यार लुटा रहे फैंस

मुंबई (ईएमएस)। एक ताजा वीडियो में एक्टर अक्षय कुमार हॉटस्टार के प्रेसिडेंट के बेटे गौतम माधवन की शादी में भांगड़ा करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो पर फैंस अपना जमकर प्यार उडेल रहे हैं। इस शादी में अक्षय के अलावा भी कई कलाकारों ने शिरकत की। मोहनलाल और अक्षय कुमार के इस वीडियो पर खिलाड़ी कुमार के फैंस दिल खोलकर कमेंट कर रहे हैं। बता दें कि हॉटस्टार प्रेसिडेंट के बेटे की इस शादी में फिल्म इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की थी। अक्षय कुमार के अलावा इस शादी में जाने माने निमार्ता करण जौहर समेत आमिर खान, अक्षय कुमार, मोहनलाल जैसे कलाकार भी बाराती बनकर पहुंचे थे। अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म सेल्फी में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ इमरान हाशमी भी अहम भूमिका में हैं। बॉलीवुड में इन दिनों शादियों का सीजन चल रहा है। ऐसे में स्टार्स एयरपोर्ट पर खूब स्पॉट किए जा रहे हैं। वीडियो में पहली बार साउथ अभिनेता मोहन लाल ढोल के आगे भांगड़ा करते नजर आ रहे हैं, साथ में खिलाड़ी कुमार भी नजर आ रहे हैं। अक्षय कुमार और मोहन लाल जमकर एक-दूसरे का साथ देते नजर आ रहे हैं। अक्षय इस वीडियो में गौतम की शादी में बाराती बने नजर आ रहे हैं। अक्षय कुमार ने ये वीडियो खुद अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जिसमें वह मोहनलाल संग जमकर भांगड़ा करते नजर आ रहे हैं। अक्षय कुमार ढोल नगाड़ों की आवाज पर जमकर थिरकते हुए नजर आ रहे हैं। फैंस को अपनी चहीते स्टार का ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए अक्षय ने मोहन लाल के लिए एक प्यार भरा नोट भी शेयर किया है। साथ ही लिखा है, ह्यमैं इस डांस को हमेशा याद रखूंगा, यह मेरे लिए खास पल है। उनके इस वीडियो पर यूजर्स खूब कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा-क्या बात है क्या डांस हैं। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा हाये प्यारे इंसान। एक और यूजर ने कमेंट किया है- टू लीजेंड।

पिंक बिकिनी में काइली जेनर का बोल्ड अवतार

बॉलीवुड तड़का टीम हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर अपने हॉट और बोल्ड लुक के लिए जानी जाती है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिन्हें फैंस धड़ल्ले से लाइक करते हैं। अब हाल ही में काइली ने अपने बिकिनी लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जिनकी इंटरनेट पर खूब चर्चा हो रही है। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में काइली जेनर पिंक कलर की बिकिनी में बेहद बोल्ड लग रही हैं। बिकिनी टॉप में उनके क्लीवेज साफ नजर आ रहे हैं। पूल किनारे अपनी बोल्डनेस फ्लॉन्ट करते हुए काइली कैमरे के सामने किलर पोज दे रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। बता दें, काइली जेनर सोशल मीडिया की दुनिया में काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी हॉट तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ाती रहती हैं।

अभिनेता आर माधवन के बेटे वेदांत ने "खेलो इंडिया यूथ गेम्स" में जीते गोल्ड मेडल, पिता ने शेयर की तस्वीरें

बॉलीवुड अभिनेता आर. माधवन का बेटा न केवल अपने माता-पिता के लिए नहीं बल्कि देश के लिए भी नाम कमा रहा है। वेदांत माधवन अबतक कई अवॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। अब वेदांत ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में एक या दो नहीं बल्कि सात पदक जीतकर नया रिकॉर्ड बनाया है। इस समय आर. माधवन के बेटे वेदांत की हर तरफ चर्चा हो रही है। वेदांत ने मध्य प्रदेश में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में पांच गोल्ड और दो रजत पदक जीते हैं। आर. माधवन ने ट्विटर पर एक फोटो शेयर कर अपने बेटे की सफलता पर खुशी जाहिर की है। ट्रॉफी और मेडल के साथ अपने बेटे वेदांत की तस्वीर शेयर करते हुए माधवन ने ट्वीट कर कहा, "ईश्वर की कृपा से 100 मीटर में गोल्ड, 200 मीटर और 1500 मीटर में गोल्ड, 400 मीटर और 800 मीटर में रजत जीता।" एक अन्य ट्वीट में अभिनेता ने कहा कि शानदार प्रदर्शन और अपेक्षा फर्नांडीज और वेदांत माधवन दोनों के परफॉर्मेंस से बहुत खुश हूं, इतना ही नहीं, उन्होंने खेल इंडिया के आयोजन के लिए आर. माधवन ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को भी धन्यवाद दिया। वैसे वेदांत राष्ट्रीय स्तर के तैराक भी हैं। वेदांत ने अब तक कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है और जीत अपने नाम की है। आर. माधवन हमेशा बेटे का साथ देते नजर आते हैं। अभिनेता ने ट्वीट कर बेटे की हर उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। इतना ही नहीं बेटे को 2021 में होने वाले ओलिंपिक की ट्रेनिंग के लिए अभिनेता आर. माधवन अपनी पत्नी के साथ दुबई शिफ्ट हो गये थे।

पति कार्टर संग इवेंट में पहुंची पेरिस हिल्टन

-पिछले महीने ही एक प्यारे से बेटे की मां बनी है

सेरोगेसी के जरिए हाल ही में मॉ बनी हॉलीवुड एक्ट्रेस पेरिस हिल्टन अपने पति कार्टर रेम के साथ मियामी में जेपी मॉर्गन इवेंट में स्पॉट किया गया, जहां वह अपने लुक से सबको इम्प्रेस करती नजर आईं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो पेरिस हिल्टन को लैसी मिडी ड्रेस में देखा गया। इसके साथ उन्होंने मैचिंग हील्स पेयर कीं और व्हाइट खूबसूरत पर्स कैरी किया। लो पोनी और चेहरे पर चश्मा लगाए एक्ट्रेस कैमरे के सामने जबरदस्त पोज देती दिखीं। कई तस्वीरों में वह पति कार्टर का हाथ थामे भी नजर आईं। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। बता दें, पेरिस हिल्टन और कार्टर रेम ने फरवरी 2021 में डेटिंग के एक साल के बाद सगाई रचाई थी और नवंबर 2021 में शादी की। वहीं, साल 2023 के शुरूआती महीने कपल ने सेरोगेसी के जरिए अपने बेटे का स्वागत किया।

जाह्नवी पर कसा तंज, तो कैटरीना की बोलती की बंद

-कैटरीना पर भड़क उठीं बहन सोनम

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर विक्की कौशल की पत्नी और एक्ट्रेस कैटरीना कैफ अपनी खूबसूरत और फिल्मों के अलावा अपनी ड्रेसिंग सेंस को लेकर खबरों में बनी रहती हैं। लड़कियां उनके फैशन को खूब फॉलो करती हैं। हालांकि एक बार एक शो के दौरान जब कैटरीना से पूछा गया कि बॉलीवुड की किस अदाकारा को फैशन से संबंधित सलाह देंगी तो उन्होंने श्रीदेवी-बोनी कपूर की बेटी जाह्नवी कपूर का नाम लिया और इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया, जो जाह्नवी की कजिन यानी अनिल कपूर की बेटी सोनम कपूर को बेहद नागवार लगा। कैटरीना कैफ साल 2018 में एक्ट्रेस नेहा धूपिया के एक टॉक शो पहुंची हुई थीं। इस दौरान वह नेहा के एक सवाल का जवाब देते हुए खुलासा किया था कि वो जाह्नवी के छोटे कपड़ों से परेशान होती हैं। दरअसल, नेहा ने कैट से सवाल किया कि आपके हिसाब से वो कौन सी सेलिब्रिटी है जो अपने जिम और वर्कआउट लुक के साथ ओवर द टॉप चली जाती है। नेहा का सवालों का जवाब देते हुए कैटरीना ने जाह्नवी का नाम लिया और कहा, ह्लओवर द टॉप तो नहीं, लेकिन उन्हें जाह्नवी के पहने कपड़े हद से ज्यादा छोटे लगते हैं।ह्व उन्होंने बताया कि वो उनके ही जिम में आती हैं और अक्सर दोनों साथ में वर्कआउट करते हैं। ऐसे में उन्हें कई बार जाह्नवी के छोटे कपड़े देखकर बहुत चिंता होती है। कैटरीना का यह जवाब जब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ तो इस जवाब से सोनम कपूर ने बिना कैट का नाम लिए एक पोस्ट शेयर किया। इसके साथ ही अपनी बहन जाह्नवी व्हाइट क्रॉप टॉप और डेनिम जींस वाली एक फोटो भी शेयर कीं। इसे शेयर करते हुए सोनम ने लिखा था,जाह्नवी हर लुक में स्टाइलिश लगती हैं। इनडायरेक्टली सोनम कपूर ने जाह्नवी का बचाव करते हुए कैट को जवाब देकर उनकी बोलती बंद कर दी थीं। 39 साल की कैटरीना कैफ बॉलीवुड में अपनी सौम्य, शांत और अपने काम को लेकर बेहद संजीदा एक्ट्रेस मानी जाती हैं। 16 जुलाई 1983 को हॉन्गकॉन्ग जन्मीं कैटरीना मूलरूप से ब्रिटिश से हैं। विदेशी होने के बावजूद भी कैट का सिक्का बॉलीवुड में खूब चलता है। उन्होंने अपने 20 साल के करियर कई हिट फिल्में दी हैं। अब बॉलीवुड की टॉप मोस्ट एक्ट्रेस में जगह बना चुकी कैटरीना ने एक्टर 34 साल के विक्की कौशल संग अपनी मैरिड लाइफ एन्जॉय कर रही हैं।

कांतारा 2 में नजर आएगी अभिनेत्री उर्वशी रौतेला

ऋषभ शेट्टी की ग्लोबल ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा के दूसरे पार्ट का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार कर रहे है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गजब की हिट साबित हुई थी। फैंस को फिल्म इतनी पसंद आई कि वह इसके दूसरे पार्ट के लिए इंतजार कर रहे हैं। इस बीच फिल्म से जुड़ी एक अपडेट सामने आई है। कांतारा का सीक्वल नहीं बल्कि प्रीक्वल बन रहा है। अब कांतारा 2 से एक और अपडेट आ रहा है। दरअसल, यह जानकारी फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर है। कांतारा के दूसरे पार्ट में अभिनेत्री उर्वशी रौतेला अभिनय करती देखी जाएगी। इसका खुलासा उन्होंने इंस्टाग्राम पर किया है। अभिनेत्री ने ऋषभ शेट्टी के साथ एक फोटो शेयर की है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कांतारा 2 लोडिंग इस पोस्ट के सामने आने के बाद फैंस ने उर्वशी की काफी चुटकी ली है। उर्वशी के ऋषभ शेट्टी के साथ फोटो शेयर करने के बाद कमेंट सेक्शन में लोगों ने तरह-तरह की बात कही है। एक यूजर ने लिखा, आपकी लाइफ में कितने ऋषभ हैं दीदी? दूसरे ने लिखा, पंत नहीं तब शेट्टी ही सही, बस ऋषभ होना चाहिए। उर्वशी रौतेला का नाम कई बार क्रिकेटर ऋषभ पंत के साथ जुड़ा है।

नैयो लगदा के लिए साथ आए सलमान-हिमेश

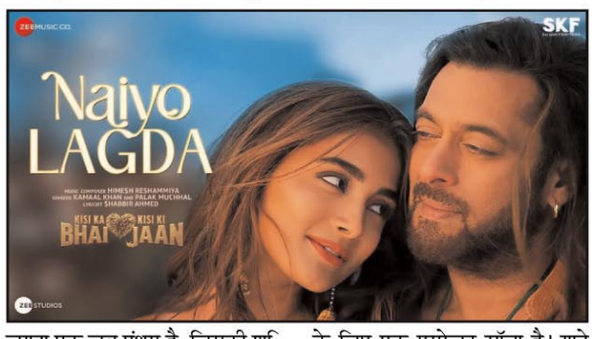

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और म्यूजिक कंपोजर हिमेश रेशमिया ने अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान के नैयो लगदा के लिए हाथ मिलाया है। रेशमिया इससे पहले सलमान के लिए तेरी मेरी, तेरे नाम टाइटल गीत, तू ही तू हर जगह जैसे ब्लॉकबस्टर गाने बना चुके हैं। वह नैयो लगदा के कंपोजर हैं, जिसके बोल शब्बीर अहमद और कमाल खान ने लिखे है। वहीं पलक मुच्छल ने गाने को अपनी आवाज दी है। किसी का भाई किसी की जान के निमाताओं ने फिल्म के पहले गाने में से एक का टीजर रिलीज कर दिया है। गाना नैयो लगदा एक लव एंथम है, जिसकी शूटिंग लद्दाख में की गई। टीजर के अनुसार, गाने में बहुत सारी धुनें हैं और यह इस वैलेंटाइन्स सेलिब्रेशन्स के लिए एक परफेक्ट सॉन्ग है। गाने में सलमान और पूजा हेगड़े हैं, और दोनों के बीच की केमिस्ट्री बेहद शानदार नजर आ रही है।

सूडोकु नवताल- 6342

सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6341 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्दजाल- 7089

म	अ	मु	श	सी	ते	ग	ब	हा	दु	र	
रा	अ	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	अं	
य	म	र्जु	हे	रा	दी	ना	न	व	ग	रू	
इं	र	ब	न	म	वा	स	क	त	ज	प	
प	दा	ह	प्या	दा	तो	हो	दे	गो	र	त	
ह	स	क	प	स	स	व	व	ण	गो	व	
द	र	न	न	ट्रे	रू	ह	र	गो	विं	द	
क	र	रा	प	क्श	प	का	र	चो	द	ख	
र	व	त	य	रा	हो	प	य	अ	सिं	अ	
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	ह	द	
क	ह	रि	कि	श	न	चि	त्र	ब	त	म	

शब्दजाल में 'सिखो' के 10 गुरुओं के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

नानक देव, अंगद देव, अमरदास, रामदास, अर्जुनदास, हरगोविंद, हरराय, हरिकिशन, तेग बहादुर, गोविन्द सिहं

शब्दजाल - 7088 का हल

अ	ज	प	रे	दा	मि	ज	ब	न	र	ट	
दा	रा	यू	न	आ	स्र	वै	द	इ	ह	मे	
सिं	व	ना	पू	ग	खा	थ	दि	ग	क	सो	
धु	ची	न	ते	र्व	ज	का	म	क	त	पो	
घा	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	य	
टी	अ	म	सु	य	अ	पू	न	रो	र	मि	
ती	ज	सी	मे	हि	प	नु	श	म	ज	या	
क	ल	ग	रि	वि	व	नी	प	ल	न	ण	
ने	ब	म	य	या	चि	त्या	री	म	प	क	
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त	
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	वा	त	थ	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6042

	5		3			
6	38	6	32		30	7
			5	3		1
1	25	2	37		32	
5				7		4
	26	4	38		36	
	1			2	7	3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6041 का हल

1	2	3	4	5	6	7
2	21	1	36	6	39	5
3	5	4	6	7	1	2
4	36	2	30	1	26	6
5	6	7	1	2	3	4
6	48	6	32	4	22	3
7	6	5	4	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

ऑएन मोर्गन ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से लिया संन्यास: 2019 में इंग्लैंड को जिताया था वर्ल्ड कप, साउथ अफ्रीका टी-20 लीग में खेला आखिरी मैच

नई दिल्ली ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ऑएन मोर्गन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने इसकी जानकारी सोमवार को सोशल मीडिया पर दी। मोर्गन ने इंग्लैंड को बतौर कप्तान इंग्लैंड को पहला वनडे वर्ल्ड कप जिताया था। मोर्गन पिछले साल जून में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके थे, लेकिन अब उन्होंने फ्रेंचाइजी क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया है। मोर्गन ने अपना आखिरी मैच साउथ अफ्रीका लीग में खेला। वे पर्ल रॉयल्स टीम का हिस्सा थे। 8 फरवरी 2023 को प्रेटोरिया रॉयल्स के खिलाफ आखिरी मैच में मोर्गन ने 13 बॉल में 17 रन बनाए थे। मोर्गन लिमिटेड ओवर क्रिकेट के इतिहास में इंग्लैंड के अब तक के बेस्ट कप्तान साबित हुए। उनकी कप्तानी में इंग्लिश टीम ने 198 वनडे मैच खेले। इसमें टीम को 118 में जीत मिली। वहीं, टी-20 में उन्होंने 72 मैचों में कप्तानी की और टीम को 42 मैचों में जीत दिलाई।

खेल से दूर होने का सही समय - मोर्गन

ऑएन मोर्गन ने सोशल मीडिया पर मैसेज शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा - मैं बड़े गर्व के साथ क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले रहा हूं। काफी विचार-विमर्श के बाद मेरा मानना है कि अब उस खेल से दूर होने का सही समय है जिसने मुझे इतने सालों में इतना कुछ दिया है। 2005 में इंग्लैंड जाने से लेकर मिडिलसेक्स में शामिल होने तक, ₹20 में पर्ल रॉयल्स के लिए खेलते हुए मैंने आखिर तक हर पल को एंजॉय किया है। मैं क्रिकेट का शुक्रगुजार हूं। इस खेल की वजह से मुझे दुनिया घूमने और अलग-अलग लोगों से मिलने का मौका मिला। मैंने कुछ शानदार लोगों से जिंदगीभर की दोस्ती डेवेलप की। दुनिया भर में फ्रेंचाइजी टीमों के लिए खेलने को मिला। मैं इन यादों को अपने पास रखूंगा। इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के बाद मैं अपने करीबियों के साथ समय बिता पाऊंगा। मुझे क्रिकेट से जुड़े एडवेंचर और चैलेंज की कमी खलेगी।

क्रिकेट के साथ जुड़ा रहूंगा

मोर्गन ने आखिरी में अपने लैटर में लिखा - भले ही में क्रिकेट से सान्याल ले रहा हूं, लेकिन हमेश कमेंट्रेटर और क्रिकेट पंडित के रूप में सबसे जुड़ा रहूंगा।

आयरलैंड से इंटरनेशनल में डेब्यू किया था

मोर्गन का जन्म आयरलैंड की राजधानी डबलिन में हुआ था। वे आयरिश है। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत भी आयरलैंड नेशनल टीम के साथ किया था। इंटरनेशनल में डेब्यू मैच 5 अगस्त 2006 को स्कॉटलैंड के खिलाफ वनडे खेला था। इसमें मोर्गन ने 99 रनों की पारी खेली थी। मोर्गन लिमिटेड ओवर में ही चले। टेस्ट में उन्हें कामयाबी नहीं मिली।

न्यूज ब्रीफ

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 24 साल की अंपायर: एना आईसीसी इवेंट में अंपायरिंग करने वाली दूसरी सबसे युवा, मेडिसिन की पढ़ाई कर रहीं

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका में महिला टी20 वर्ल्ड कप 10 फरवरी से शुरू हुआ, जिसमें पहले ही दिन श्रीलंका ने मेजबान अफ्रीकी टीम को हराकर उलटफेर किया। उसी दिन एक और रिकॉर्ड बना। इस मुकाबले में इंग्लैंड की एना हैरिस ने फील्ड अंपायर की भूमिका निभाई और इतिहास रचा। 24 साल 118 दिन की हैरिस मेजर आईसीसी इवेंट (महिला-पुरुष मिलाकर) में अंपायरिंग करने वाली दूसरी सबसे युवा बनीं। रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका की लॉरेन एगेमबेग के नाम है। उन्होंने 2020 टी20 वर्ल्ड कप में 23 साल की उम्र में अंपायरिंग की थी।टूर्नामेंट में अलग-अलग टीमों की 17 खिलाड़ी ऐसी हैं, जो उम्र में एना से बड़ी हैं। एना एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी हैं। उन्होंने सितंबर 2021 में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच महिला वनडे द्विपक्षीय सीरीज में अंपायरिंग की थी। तब उनकी उम्र 22 साल थी और वे किसी इंटरनेशनल मैच में अंपायरिंग करने वाली सबसे युवा बनी थीं। एना फिलहाल कार्डिफ यूनिवर्सिटी से मेडिसिन की पढ़ाई कर रही हैं। उनके खेल से जुड़ने की शुरुआत 5 साल की उम्र में हुई थी। प्राइमरी स्कूल के दौरान उनकी टीचर बच्चों के मनोरंजन के लिए क्रिकेट किट लाया करती थीं, यहीं से एना की क्रिकेट में रुचि जागी। कुछ समय बाद ही उन्होंने मां से कहा कि उन्हें स्थानीय क्रिकेट क्लब में ज्वाइन करवा दें। बाद में मां ने उन्हें अंपायरिंग कोर्स के लिए प्रेरित किया, क्योंकि वे भी पेशे से अंपायर थीं। एना ने मई 2021 में यवोन डॉल्फिन-कूपर के साथ वेस्ट ऑफ इंग्लैंड प्रीमियर लीग में डाउनेंड सीसी और बेडमिन्स्टर के मुकाबले में अंपायरिंग की। ग्लूसेस्टरशायर में खेले गए इस मुकाबले में उन्होंने इतिहास रचा। एना और कूपर की जोड़ी ईसीसी प्रीमियर लीग की पहली ऑल फीमेल अंपायरिंग जोड़ी थी।एना कहती हैं, 'जब 2021 में पहली बार मैदान पर दो महिला ऑफिशियल्स थीं, तब लोगों का रिस्पॉन्स काफी सकारात्मक था।

मध्य प्रदेश का खिताब बचाने का सपना टूटा, बंगाल-सौराष्ट्र के बीच होगा फाइनल

इंदौर। गत चैंपियन मप्र का दोबारा खिताब जीतने का सपना फाइनल से एक कदम पहले टूट गया। अपने ही घर में खेले गए सेमीफाइनल में मप्र को बंगाल ने 306 रनों से करारी शिकस्त दी। 547 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मप्र की दूसरी पारी 241 रनों पर समाप्त हुई। इसके साथ ही बंगाल ने पिछले सत्र के सेमीफाइनल में मप्र से मिली हार का बदला भी ले लिया। बंगाल के गेंदबाज आकाश दीप को मैन आफ द मैच चुना गया। अब ईडन गार्डन्स में होने वाले फाइनल मैच में बंगाल का सामना सौराष्ट्र से होगा। सौराष्ट्र ने बेंगलुरू में खेले गए अन्य सेमीफाइनल में कर्नाटक को चार विकेट से हराया। होलकर स्टेडियम में मैच के आखिरी दिन बंगाल की टीम दूसरी पारी में कोई इजाफा नहीं कर सकी और 279 रनों पर सिमट गई। इससे अंतिम दिन मप्र के सामने 547 रनों का असंभव सा लक्ष्य था। मप्र के बल्लेबाजों ने करो या मरो की स्थिति में वनडे अंदाज में बल्लेबाजी की। मगर दबाव में बल्लेबाज विकेट भी गंवाते चले गए।

बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम में खेलेंगी सिंधु

नई दिल्ली । भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने कहा है कि वह अब फिट हो गयी हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार हैं। सिंधु पैर के स्ट्रेस फ्रेक्चर के कारण पिछले काफी समय से खेल से दूर थीं। ओलंपिक पदक विजेता इस खिलाड़ी को अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के महिला एकल में स्वर्ण पदक जीतने के बाद चोट लगी थी। सिंधु अब लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय के साथ दुबई में मंगलवार से शुरू हो रही बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में खेलने के लिए तैयार हैं। सिंधु ने इस साल की पहली प्रतियोगिता पेट्रोनास मलेशिया ओपन 2023 के साथ वापसी की थी पर उन्हें पहले दौर में स्पेन की कैरोलिना मारिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। सिंधु इसके बाद इंडिया ओपन में भी पहले दौर में बाहर हो गई थीं। सिंधु ने विश्व बैडमिंटन महासंघ से कहा, 'मैं अब बिलकुल ठीक हूं। शारीरिक और मानसिक रूप से मैं पूरी तरह ठीक हूं। चोटें लगती रहती हैं पर महत्वपूर्ण है कि आप अपने शरीर को स्वस्थ रखो और हर बार अच्छी वापसी करो। मैं आश्वस्त, सकारात्मक हूं और अपनी गल्तियों से सीख रही हूं।

10 विमेंस क्रिकेटर्स जो बन सकती हैं करोड़पति

विमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन मुंबई में शुरू; मंधाना, हरमनप्रीत पर लग सकता है बड़ा दांव

नई दिल्ली ।

ऐतिहासिक विमेंस प्रीमियर लीग का पहला ऑक्शन मुंबई में शुरू। विमेंस प्रीमियर लीग की एक टीम 15 से 18 प्लेयर्स को खरीदेगी। टूर्नामेंट में 5 टीमें रहेंगी, जो कुल 90 प्लेयर्स को खरीदने के लिए बोली लगाएंगी। एक टीम का पर्स 12 करोड़ रुपए का है। ऑक्शन के लिए 409 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट की गई हैं। जिनमें से कई खिलाड़ी को करोड़पति बन सकती हैं। भारत की स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा और हरमनप्रीत कौर से लेकर ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी, एलीसा हिली और न्यूजीलैंड की अमीलिया कैर जैसी खिलाड़ियों पर बड़ी बोली लग सकती है। आगे स्टोरी में हम ऐसी ही टॉप-10 खिलाड़ियों को जानेंगे जिन पर बड़ी बोली लगने की उम्मीद है।

स्मृति मंधाना 7 ओपनिंग बैटर - भारत की विस्फोटक ओपनर स्मृति मंधाना तेज गति से बैटिंग करती हैं। मंधाना को टीम का कप्तान भी बनाया जा सकता है। भारत के लिए 112 टी-20 इंटरनेशनल में स्मृति ने 123.13 के स्ट्राइक रेट से 2651 रन बनाए हैं। मंधाना मार्की प्लेयर्स के सेट-1 में शामिल हैं। उनकी बेस प्राइस 50 लाख रुपए हैं और उनका नाम पहली लिस्ट में होगा।

हरमनप्रीत कौर 7 भारत की कप्तान - इंडिया विमेंस टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, मिडिल ऑर्डर की विस्फोटक बैटर भी हैं। वह 2020 के टी-20 वर्ल्ड कप और बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में टीम को फाइनल तक ले गई थीं। भारत के लिए 146 टी-20 इंटरनेशनल में हरमन ने करीब 107 के स्ट्राइक रेट से 2940 रन बनाए हैं। वह ऑफ स्पिन बॉलिंग भी कर लेती हैं। हरमनप्रीत कौर मार्की प्लेयर्स के सेट-1 में शामिल हैं। उनकी बेस प्राइस 50 लाख रुपए है और उनका नाम भी पहली लिस्ट में ही होगा।

शेफाली वर्मा 7 विस्फोटक बैटर - अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने वाली कप्तान शेफाली वर्मा को भी विमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन में बड़ी बोली मिल सकती है। शेफाली विस्फोटक बैटिंग भी करती हैं। भारत के लिए अब तक 51 मैचों में उन्होंने 134.53 के स्ट्राइक रेट से 1,231 रन बनाए हैं। शेफाली बैटर्स के सेट-1 में शामिल हैं। उनकी बेस प्राइस 50 लाख रुपए हैं और उनका नाम तीसरी लिस्ट में होगा।

रिचा घोष 7 विकेटकीपर बैटर - भारत की विकेटकीपर बैटर रिचा घोष भी इस ऑक्शन में करोड़पति बन सकती हैं। विकेटकीपिंग करने के साथ रिचा लंबे छक्के मारने की काबिलियत भी रखती हैं। भारत के लिए खेले 30 मैचों में उन्होंने 134.27 के स्ट्राइक रेट से 427 रन बनाए हैं। रिचा का नाम विकेटकीपर के सेट-1 में शामिल हैं। उनकी बेस प्राइस 50 लाख रुपए हैं और उनका नाम पांचवीं लिस्ट में आएगा।

दीप्ति शर्मा 7 बॉलिंग ऑलराउंडर - दीप्ति शर्मा लंबे समय से भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रही हैं। ऑफ स्पिन बॉलिंग करने के साथ दीप्ति निचले क्रम में बैटिंग भी कर लेती हैं। भारत के लिए अब तक 87 मैचों में दीप्ति ने 914 रन बनाने के साथ 96 विकेट भी लिए हैं। दीप्ति मार्की प्लेयर्स के सेट-2 में शामिल हैं। उनकी बेस प्राइस 50 लाख रुपए हैं और उनका नाम दूसरी लिस्ट में आएगा। टी-20 में अक्सर ऑलराउंडर की डिमांड सबसे ज्यादा रहती है, ऐसे में दीप्ति पर बड़ी बोली लगने के अलावा कई विदेशी ऑलराउंडर्स और प्लेयर्स भी करोड़पति बन सकती हैं।

एलिस पेरी 7 ऑलराउंडर, ऑस्ट्रेलिया - ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एलिस पेरी सबसे अनुभवी महिला खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 2009 से लेकर अब तक सभी टी-20 वर्ल्ड कप खेले हैं। अब तक 134 टी-20 इंटरनेशनल में उन्होंने 1515 रन बनाने के साथ 120 विकेट भी लिए हैं। पेरी मार्की प्लेयर्स के सेट-1 में हैं। उनकी बेस प्राइस 50 लाख रुपए हैं और पहली लिस्ट में ही उनकी नाम आएगा।

अमीलिया केर 7 ऑलराउंडर, न्यूजीलैंड - न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमीलिया केर लेग स्पिन गेंदबाजी करने के साथ बैटिंग भी कर लेती हैं। वनडे क्रिकेट में उनके नाम एक दोहरा शतक है। इसके अलावा उन्होंने 56 टी-20 इंटरनेशनल में 565 रन बनाने के साथ 55 विकेट भी लिए हैं। अमीलिया मार्की प्लेयर्स के सेट-2 में हैं। उनकी बेस प्राइस 40 लाख रुपए हैं और उनका नाम दूसरी लिस्ट में आएगा।

एश्ले गार्डनर 7 ऑलराउंडर, ऑस्ट्रेलिया - रैंकिंग में दुनिया की नंबर-1 टी-20 ऑलराउंडर ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर इस ऑक्शन की सबसे महंगी खिलाड़ी बन सकती हैं। साउथ अफ्रीका में जारी टी-20 वर्ल्ड कप के पहले ही मैच में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 विकेट लेकर अपनी काबिलियत साबित कर दी। ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक खेले 68 टी-20 मैचों में उन्होंने 1069 रन बनाने के साथ 48 विकेट भी लिए हैं। गार्डनर मार्की प्लेयर्स के सेट-1 में हैं। उनकी बेस प्राइस 50 लाख रुपए हैं और उनका नाम पहली लिस्ट में ही रहेगा।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में श्रीलंका की लगातार दूसरी जीत: बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया, हर्षिता का अर्धशतक

केप टाउन।

टी-20 विमेंस देर रात हुए मुकाबले में श्रीलंका ने टूर्नामेंट में लगातार अपनी दूसरी जीत दर्ज की। श्रीलंका ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया। श्रीलंका की ओपनर हर्षिता समरविक्रमा ने 50 बॉल में 69 रन की नाबाद पारी खेली। टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ने 20 ओवर में 8 विकेट दे कर 126 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 18.2 ओवर में लक्ष्य का पीछा कर लिया।

पॉवरप्ले में शुरुआत अच्छी, लेकिन बाद में बिखरी बांग्लादेश

बांग्लादेश अच्छी की। 6 ओवर में टीम ने 48 रन स्कोर किए। लेकिन चमारी अथापथु और इनोका रणवीरा ने बांग्लादेश के रन रेट को धीम किया और 126 रन पर ही रोक दिया। शमीना सुल्ताना ने (20), मुर्शिदा खातून (0), शोभना मोस्तरी (29), निगार सुल्ताना (28), लता मोंडल (11), शोर्ण अख्तर (5), ऋतू मोनी (2), सलमा खातून 9*, नाहिद अख्तर (8) और जहांआरा आलम ने 1 रन बनाए। श्रीलंका की औशादी राणसिंघे ने 3 और चमारी अथापथु ने 2 विकेट लिए। इनोका रनवीरा को 1 विकेट मिला।

हर्षिता ने बदला रन रेट का गेयर

श्रीलंका ने लक्ष्य का पीछा करना शुरू किया। ओपनर हर्षिता समरविक्रमा ने पॉवरप्ले में सिर्फ 13 बॉल खेली। दूसरे छोर पर कप्तान चमारी अथापथु ने 17 बॉल पर 15 रन बनाए। पावरप्ले के अंत तक हर्षिता ने 9 गेंदों पर 8 रन ही बनाए थे। इसके बाद भी वे स्लो खेलती रही। आधे रास्ते तक वह 22 में से 22 थी।

कुछ देर बाद हर्षिता क्रीज पर जमीं और 16वें ओवर में चार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगा दिया। आखिर में नीलाक्षी डी सिल्वा ने उसका साथ दिया। दोनों ने 124 रन की साझेदारी की - डी सिल्वा ने उनमें से 41 रन बनाए। आखिर में श्रीलंका ने 3 विकेट खो कर टारगेट चेज कर लिया।

पिच के बारे में सोचना बंद कर केवल अपने खेल पर ध्यान दे ऑस्ट्रेलिया : इयान चैपल

सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा है कि भारत दौरे के पहले ही मैच में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की कमजोरियों सामने आ गयी हैं। उन्होंने कहा कि कप्तान पैट कमिंस की टीम को हालातों के अनुरुप ढ़लते हुए खेलना था पर वह सफल नहीं रही। चैपल ने कहा कि उनके बल्लेबाजों को पिचों के बारे में सोचना बंद कर केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहये। उन्होंने कहा कि टीम को दबाव न लेते हुए खुलकर खेलना होगा। उन्होंने कहा, 'पहले टेस्ट ने स्पिन की अनुकूल पिचों पर अच्छी स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की कमजोरी को उजागर कर दिया।

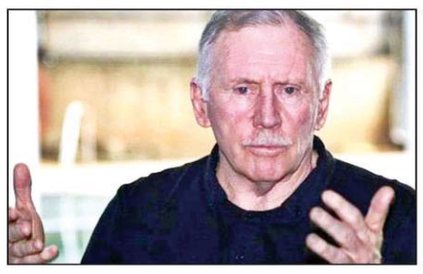

चैपल ने कहा, 'अगर वे यह पक्का कर सकते हैं कि इस हार से भारत में चुनौती पेश करने की उनकी मानसिक क्षमता प्रभावित नहीं हुई है तो यह जज्बा उन्हें श्रृंखला में बनाए रखेगा पर अगर वे डगमगाते हैं तो वे बड़ी परेशानी में पड़ जाएंगे। वहीं पिच से छेड़छाड़ के आरोपों को खारिज करते हुए इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि इस पिच पर किसी भी तरह से खेलना असंभव नहीं था। उन्होंने कहा, 'इस पिच पर खेलना असंभव नहीं था जैसा मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने दिखाया पर ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में बड़ा स्कोर नहीं बना पाया। चैपल ने कहा, 'पिच से छेड़छाड़ को लेकर मीडिया का आरोप लगाना कोई नई बात नहीं है। खिलाड़ियों को इन चीजों से ध्यान हटाना होगा पर अगर वे ऐसा नहीं होता है तो टीम को नुकसान होगा। उन्होंने कहा, 'इस बात पर बहुत अधिक जोर दिया जाता है कि पिचें कैसे खेलने जा रही हैं जो सही नहीं है। यह याद रखना होगा कि दोनों टीमों को एक ही पिच पर खेलना है। उन्होंने कहा कि भारत की वर्तमान टीम मजबूत है और किसी भी स्थिति में जीतने की क्षमता रखती है। इस 79 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी ने लिखा, 'हकीकत यह है कि भारत दुनिया भर में एक बहुत मजबूत टीम के रूप में विकसित हुआ है और उन्हें पता है कि स्वदेश में कैसे जीतना है। साथ ही कहा कि अब टीम को आने वाले मैचों पर ध्यान देना चाहिये।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स: निधि ने तय किया स्लम से सिल्वर मेडल तक का सफर

नई दिल्ली ।

कुछ करने की चाह हो तो अभाव आपके रास्ते की बाधा कभी नहीं बन सकती और कुछ ऐसा ही कर दिखाया है दिल्ली की जूडो खिलाड़ी निधि ने। निधि शाहाबाद डेयरी के पास स्थित स्लम एरिया में रहती हैं और उनका जीवन बेहद अभाव में बीत रहा है, लेकिन उन्होंने कभी इसे अपनी सफलता की राह में बाधा नहीं बनने दिया। जूडो खेल के प्रति अपने जुनून और मेहनत के दम पर उन्होंने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में दिल्ली के लिए 44 किलोग्राम भारवर्ग में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। निधि ने कहा कि जब वो 10 साल की थीं तब उन्होंने जूडो खेलना शुरू किया था। उन्होंने कहा कि जब वह मैं स्कूल में थीं तब हमें गर्मी की छुट्टियों में जूडो सिखाई जाती थी और इसे देखकर मैंने सोचा कि मुझे भी यह सीखना चाहिए। पहले यह हमें अपनी सुरक्षा के लिए सिखाई जा रही थी, लेकिन बाद में मुझे इस खेल में आनंद आने लगा और मैंने इसमें आगे बढ़ने का फैसला किया।

पिता ने जताया था पहले विरोध

जब मैंने खेलना शुरू किया था तब घरवालों का सपोर्ट मुझे नहीं मिला था। ड्रेस ही

उस वक्त 500 रुपये का था, जिसे हमारा परिवार खरीद पाने में समर्थ नहीं था, लेकिन नेशनल लेवल पर जब मेडल आया तब उनका सपोर्ट मिलना शुरू हुआ। मेरे पिता फैक्ट्री में मजदूर का काम करते हैं और मां हाउस वाइफ हैं, लेकिन उन्होंने बहुत सारे अभाव के बाद भी मुझे सपोर्ट किया और कर रहे हैं। अपनी डायट के बारे में उन्होंने बताया कि उसकी कमी तो रहती थी, लेकिन मेरे पिता से जितना होता था वो करते थे। वैले मेरे टीचर्स काफी अच्छे थे जो मुझे काफी सहयोग करते थे और मेरे लिए अच्छे डायट का इंतजाम करते थे।

निधि ने बताया कि जब में कक्षा छह में थी और मुझे जूडो सीखते हुए सिर्फ तीन या चार महीने ही हुए थे कि उस वक्त नेशनल गेम्स के ट्रायल हुए। मैंने उसमें हिस्सा लिया और दूसरे नंबर पर रही। इसके बाद मुझे नेशनल गेम्स में अंडर-14 में खेलने का मौका मिला और मैंने सिल्वर मेडल जीता। इसके बाद मैंने निश्चय किया कि मैं इस खेल में और आगे जा सकती हूं। उस वक्त मैंने 23 किलोग्राम भारवर्ग की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।

कामनवेल्थ चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल

निधि नेशनल लेवल पर गोल्ड, सिल्वर व ब्रांज तीनों ही मेडल जीत चुकी हैं जबकि कामनवेल्थ जूडो चैंपियनशिप 2018 में उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 में मैंने पहली बार दिल्ली के लिए सिल्वर मेडल जीता है। 2019 खेलो इंडिया गेम्स में वो पदक नहीं जीत पाई थीं। निधि की इस वक्त की कोच रेना ने बताया कि वो हमारे पास 2015 में आई थी और मैंने देखा कि उसमें काफी टैलेंट है। इसके बाद हमने उनके माता-पिता से बात की उसे जूडो में आगे बढ़ाने की बात कही और अब वो इसमें काफी सफल हो रही हैं। वहीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दौरान निधि के कोच रहे शिलक राम ने बताया कि वो काफी प्रतिभाशाली हैं और आगे देश के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने का दम रखती हैं।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप...भारत की पाकिस्तान पर 5वीं जीत

7 विकेट से जीता पहला मुकाबला, जेमिमा रोड्रिग्ज का अर्धशतक

केप टाउन।

जेमिमा रोड्रिग्ज और रिचा घोष की अर्धशतकीय पारी के दम पर भारतीय टीम ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में जीत से आगाज किया है। हरमनप्रीत कौर की लीडरशिप में उतरी टीम इंडिया ने अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम अपना अगला मुकाबला 15 फरवरी को केप टाउन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगी। यह टीम इंडिया की वर्ल्ड कप में पाक पर 5वीं जीत है। विमेंस टी-20 क्रिकेट के इतिहास में भारत ने पाकिस्तान को ओवरऑल 11 बार हराया है। केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 149 रन बनाए। टीम की ओर से आयेशा नसीम ने 25 गेंदों पर 43 रनों की विस्फोटक पारी खेली। वहीं, कप्तान बिस्माह मरूफ ने 55 गेंद पर नाबाद 68 रन का योगदान दिया।

जवाब में टीम इंडिया ने 6 बॉल शेष रहते तीन विकेट पर जीत के लिए जरूरी रन बना लिए। टीम की ओर से जेमिमा रोड्रिग्ज ने (53 रन) अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने रिचा घोष के साथ 33 गेंदों पर 58 रनों की अविजित साझेदारी की।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

पहला : यास्तिका भाटिया छठे ओवर की तीसरी बॉल पर फातिका सना को कैच दे बैठीं। दूसरा : 10वें ओवर में शेफाली वर्मा नशरा संधु की बॉल पर सिद्रा अमीन को कैच दे बैठीं। तीसरा : 14वें ओवर की तीसरी बॉल पर हरमनप्रीत कौर को नशरा संधू ने कप्तान मरूफ के हाथों कैच कराया।

टीम इंडिया के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर

इस मैच में पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 149 रन बनाए। यह पाकिस्तान का विमेंस क्रिकेट में टीम इंडिया के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले पाक टीम ने पिछले साल सिलहट में 137 रन बनाए थे।

मैच में भारत की ओर से राधा यादव ने दो विकेट झटके। दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर को एक-एक विकेट मिला।

आखिरी के 5 ओवर में बने 58 रन

पाक कप्तान मरूफ और आयेशा नसीम के बीच 47 गेंद पर 81 रनों की पार्टनरशिप हुई। दोनों बल्लेबाजों ने आखिरी के 5 ओवर में 58 रन बनाए।

ऐसे गिरे पाकिस्तान के विकेट

पहला : दूसरे ओवर की चौथी बॉल पर दीप्ति शर्मा ने जावेरिया खान को हरमनप्रीत के हाथों कैच कराया। दूसरा : 7वें ओवर की 5वीं बॉल पर राधा यादव ने मुनीबा को विकेटकीपर रिचा घोष के हाथों स्टंपिंग कराया। तीसरा : पूजा वस्त्राकर ने 8वें ओवर की तीसरी बॉल पर निदा दार को रिचा घोष के हाथों कैच कराया। चौथा : राधा यादव ने 13वें ओवर की पहली बॉल पर सिद्रा अमीन को विकेटकीपर रिचा घोष के हाथों कैच कराया।

दोनों देशों की प्लेइंग-11

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), शेफाली वर्मा, यास्तिका भाटिया, जेमिमा रोड्रिग्ज, हरलीन देओल, रिचा घोष (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, राधा यादव, राजेश्वरी गायकवाड़ और रेणुका सिंह।

पाकिस्तान : बिस्माह मरूफ (कप्तान), मुनीबा अली (विकेटकीपर), जावेरिया खान, निदा दार, आयेशा नसीम, आलिया रियाज, फातिमा सना, नशरा संधु, सादिया इकबाल, ऐमन अन्वर और सिद्रा अमीन।

पुरुषों में बालों का झड़ना रोकने के लिए घरेलू उपचार

पुरुषों में बालों का झड़ना सामान्य समस्या है। इसे एण्ड्रोजन एलोपेशिया कहते है। यह ज्यादातर अनुवांशिक कारणों से होता है और यह पीढ़ी दर पीढ़ी परिवारों में चलता है। पुरुषों के चालीस वर्ष की आयु के आसपास बाल झड़ना शुरू हो जाता है। लेकिन,

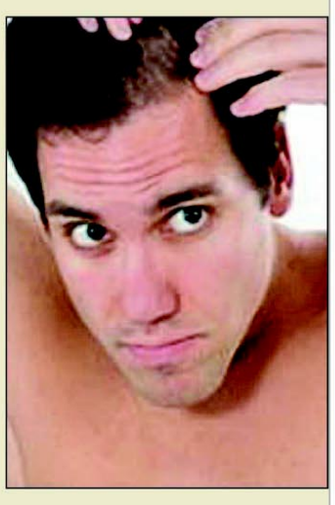

कई लोगों में यह समस्या इससे पहले भी शुरू हो जाती है बालों का पतला होना और बाल गिरना आम समस्या है। पुरुषों में बाल झड़ने का कारण है आहार में विटामिन बी और फोलिक एसिड की कमी, अपर्याप्त पोषण जो की तनाव, उत्तेजना और अचानक किसी सदमे से बड़ जाता है। बाल झड़ना भी लंबी बीमारी की वजह से हो सकता है। टायफाइड, सिफलिस, लंबे समय से हुई सर्दी, इन्फ्लुएंजा और अनीमिया आदि हैं

इन उपायों को आजमाएं...

एक कप सरसों के तेल को गर्म करे और इसमें चार टेबल स्पून हिना (मेहंदी) की पत्तियां मिलाएं। इस मिश्रण को छानकर बोतल में रख दें। अपने गंजे धब्बों को इस घरेलू उपचार के साथ रोजाना मालिश करें। फेनुग्रीक के बीज को पानी के साथ पीसकर सिर पर 40 मिनट तक लगाकर रखें। इसके बाद मिश्रण को ठन्डे पानी से धोएं। इस उपचार को कम से कम एक महीने तक करें। सिर के जिस हिस्से में बाल उड़ गए हों वहां प्याज की लेई से घिसे जब तक की यह लाल न हो जाए और इसके बाद शहद लगाएं।

अपने सिर पर शहद और अंडे के योक के मिश्रण से मालिश करे। और फिर इसको आधे घंटे के लिए छोड़ दे इसके बाद इसे धो लें। 5 टेबलस्पून दही में एक चम्मच नींबू का रस और 2 टेबल स्पून काले चने का पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को एक घंटे तक सिर पर लगाकर रखें। इससे आपको काफी लाभ होगा।

पुरुषों में बाल झड़ना रोकने के लिए अपने आहार में अतिरिक्त खनिज पदार्थ शामिल कीजिए। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, और जिंक साथ ही हरी पत्तेदार सब्जियां जरूर खाएं। तनाव और उत्तेजना कम करने के लिए ध्यान और योग करें और गीले बालों पर कंघी करने से बचें।

चाय की पत्ती से काले होंगे सफेद बाल

समय से पहले बालों का सफेद होना काफी कॉमन हो गया है। लेकिन इन सफेद बालों को और सफेद होने से रोकने और इन्हें काला करने के उपाय हमारे घर पर ही मौजूद हैं। पैन में थोड़ा पानी लेकर उसमें 2 चम्मच चाय की पत्ती डालकर खौलाएं, ठंडा होने पर छानकर इस पानी से बालों को धोएं। इसके बाद शैम्पू नहीं लगाएं। शुद्ध नारियल तेल में थोड़ा सा नींबू का रस और करी पत्ता मिलाकर तब तक तर्म करें जब तक कि करी पत्ता काला न हो जाए। नहाने से 10 मिनट पहले इस तेल से सिर की मालिश करें।

शाकाहारी लोग ज्यादा लें ताजा पानी

विटामिन बी12 पादप उत्पादों में नहीं, बल्कि सिर्फ पशु उत्पादों में पाया जाता है, इसलिए इसकी कमी शाकाहारी लोगों में ज्यादा होती है। ताजा और स्वच्छ पानी भी विटामिन बी12 का अच्छा स्त्रोत है, लेकिन पानी को उबालने से यह नष्ट हो जाता है। यह रक्त के निर्माण के लिए जरूरी है। इसकी कमी से एनीमिया हो जाता है, जिसे मैक्रोसेटिक एनीमिया कहते हैं। कई न्यूरोलॉजिकल समस्याएं भी शुरू हो जाती हैं।

महिलाओं के लिए स्वस्थ रहने के टिप्स

परम्परांगत रूप से स्त्रियों का स्वास्थ्य एक उपेक्षित मुद्दा रहा है, विशेषकर भारत में। औरतें एक बहन, मां और पत्नी के तौर पर अपने पारिवारिक सदस्यों की देखभाल करती हैं। लेकिन अब यह स्थिति बदल रही है। अब लोगों में पहले से अधिक जागरूकता है। आज औरतें भी अपने स्वास्थ्य की समस्याओं के प्रति जागरूक हो चुकी हैं, जोकि बेहद जरूरी भी है। तो चलिए जानें कि महिलाओं को स्वस्थ रहने के लिए किन बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है। खुद के स्वास्थ्य को संभालते हुए एक परिवार में औरतों की भूमिका औरतें, पुरुषों के मुकाबले स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों में अधिक लचर रहती हैं। फिर चाहे खुद के स्वास्थ्य का ख्याल रखना हो या अपने परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य का ख्याल रखना हो, या एक नियमित अंतराल पर निरीक्षण के लिए चिकित्सक के पास जाना हो या फिर सही खुराक और दवा उपचार का अनुसरण करना हो। आज के युग में औरतों को अपने घर और बाहर, दोनों जगह कई काम निपटाने होते हैं, जिसके कारण उनके ऊपर अत्यधिक तनाव का बोझ रहता है। हर दिन के तनाव के अलावा, औरतों का शरीर गर्भावस्था, प्रसव और मेनोपॉज जैसे बदलावों से भी होकर गुजरता है। शरीर में आए इन सारे बदलावों की वजह से एक स्त्री का शरीर कमजोर बन जाता है और उसके व्यवहार में भी कई बदलाव आते हैं। ब्रेस्ट कैंसर, सर्विकल कैंसर, हृदय रोग और प्रजनन तंत्र संबंधी बीमारियों से भी औरतों को जूझना पड़ सकता है।

जब शरीर में आए बदलाव शांत होते हैं

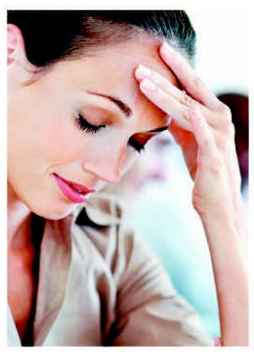

जब शरीर में होने वाले बदलावों का चरम समय आता है, तो आमतौर पर औरतें शान्ति से सहती हैं, जबकि पुरुषों के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। औरतें सब कुछ शान्ति से सहने की वजह से अक्सर अवसाद की शिकार भी हो जाती हैं। ऐसे में उन्हें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए घर और कार्यस्थल के बीच में सही तालमेल मिलाने की बेहद जरूरत होती है। स्त्रियों में एक परफेक्ट पत्नी, एक परफेक्ट मां और एक परफेक्ट कामकाजी स्त्री बनने की अपनी बेजोड़ प्रतिभा को निभाने के चलते कई बार इन्हें अत्यधिक तनावपूर्ण स्थिति से भी गुजरना पड़ाता है। ऐसे में उन्हें यह समझना बेहद आवश्यक है कि 'परफेक्ट' जैसी कोई चीज नहीं होती है। और सेहत का ध्यान रखना सर्वोपरी होता है।

महिलाएं और हार्मोन

महिलाएं अपने जीवन में ऐसे अनेक चरणों से होकर गुजरती हैं, जहां पर वह अपने शरीर में प्राकृतिक तौर पर होने वाले हार्मोनल बदलावों का अनुभव करती हैं। हार्मोनल बदलाव यौवन, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान उत्पन्न होते हैं, जिसके कारण महिलाओं में मूड बदलना और अवसाद जैसी मानसिक परेशानियों हो सकती हैं। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि स्त्रियों को उसके जीवन में प्राकृतिक रूप से विभिन्न चरणों में आने वाले हार्मोनल बदलावों के बारे में पहले से ही जानकारी हो, जिससे कि उसे इन चरणों का बेहतर ढंग से सामना करने में मदद मिले।

गर्भावस्था का चरण

गर्भावस्था में मासिक धर्म के दौरान एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टरोन जैसे कुछ निश्चित हार्मोन की कमी हो सकती है, इसके बदले एक नया हार्मोन ह्यूमेन क्रोइनिक गोंडाडोट्रोफिन (एचसीजी), सामने आता है। ह्यूमेन क्रोइनिक गोंडाडोट्रोफिन (एचसीजी) का विकसित हो रही प्लेसेंटा द्वारा निर्माण किया जाता है। जोकि ओवरी एस्ट्रोजन और प्रोगेस्ट्रोन के स्तर को बढाती है, और जिसकी गर्भ को पूर्ण अवधि तक उठा सकने के लिए आवश्यक्ता होती है। उम्र के हर बदलते पड़ाव के साथ-साथ एक महिला को जीवन भर अपने स्वास्थ्य के बेहद सावधानी से ध्यान रखना चाहिए। उसे नियमित व्यायाम, स्वस्थ खान-पान और योग आदि भी करना चाहिए।

निकट दृष्टि दोष के कारणों को जानें

दृष्टिदोष दो तरह के होते हैं। निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) और दूर दृष्टि दोष (हायपरोपिया)। जब आपको दूर की चीज साफ दिखायी ना दे या धुंधली नजर आए तो यह निकट दृष्टि दोष का लक्षण हो सकता है। जैसे अगर कोई व्यक्ति निकट दृष्टिदोष से ग्रस्त हैं तो वो हाइवे के साइन को नहीं देख पाएगा भले ही वो कुछ दूरी पर ही क्यों ना हो।

निकट दृष्टिदोष क्या है

जब कभी चीज की इमेज रेटिना पर न बनकर, उससे पहले ही बन जाती है तो चीज धुंधला दिखाई देने लगती हैं। इस स्थिति को मायोपिया कहा जाता है। इसमें आमतौर पर दूर की चीजें धुंधली दिखाई देती हैं। चश्मा या कॉन्टैक्ट लेंस लगाकर इस स्थिति में सुधार किया जाता है। मायोपिया कई मामलों में शुरुआती छोटी उम्र में भी हो सकता है। यानी 6 साल के आसपास भी मायोपिया आ सकता है।

पारिवारिक इतिहास

अगर माता-पिता में से किसी एक को भी यह समस्या होती हैं तो बच्चे में इस बीमारी की आशंका बढ़ जाती है।

निकट दृष्टिदोष लक्षण

जो लोग निकट दृष्टिदोष से ग्रस्त होते हैं उन्हें ड्राइविंग, खेल या कुछ फीट नीचे देखने के दौरान सिरदर्द, आंखों पर दबाव, चक्कर जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बच्चों में जब यह समस्या होती है तो वो अक्सर यह शिकायत करते हैं कि उन्हें स्कूल में ब्लैकबोर्ड साफ नहीं दिखता है।

कारण

डॉक्टरो की मानें तो सबसे ज्यादा लोग मायोपिया से प्रभावित हैं। बचपन में देखने की क्षमता का विकास होता और किशोरावस्था में आंख की लंबाई बढ़ती है लेकिन निकट दृष्टि दोष होने की वजह से यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में आंख में जानेवाला प्रकाश रेटिना पर केंद्रित नहीं होता। इसी वजह से तस्वीर धुंधली दिखाई देती है लेकिन इस दोष को कांटैक्ट लेंस या सर्जरी से ठीक कराया जा सकता है। गौरतलब है कि जिन लोगों को दो मीटर या 6.6 फीट की दूरी के बाद चीजें धुंधली दिखती है उन्हें मायोपिया का शिकार माना जाता है।

निकट दृष्टि दोष का इलाज

मायोपिया अगर गंभीर ना हो तो चश्मा लगाकर या कांटैक्ट लेंस लगाकर इस समस्या से निजात पा सकते हैं। इसके अलावा अगर स्थिति गंभीर हो तो ऐसी स्थिति में रिफ्रैक्टिव सर्जरी लैसिक ही इसका उपचार है। लासिक या कार्निया में एक पतला सा गोल फ्लैप तैयार किया जाता है। इसके बाद एक्समायर लेजर से फ्लैप को हटाकर उसके नीचे के कुछ टिश्यूज निकाले जाते हैं और पुनः उस भाग को फ्लैप से ढक दिया जाता है।

इस गांव में 81 दिन तक होती रही बारिश

हर रोज आंख खुले तो बारिश ही बारिश नजर आए। सोने जाएं, तो बारिश हो रही हो। ऑफिस के लिए निकलना हो, तो बारिश में जाएं और ऑफिस ने निकले तो भी बारिश ही मिले। शॉपिंग पर निकल ही न पाएं और स्थानीय बाजार पानी की वजह से बंद हो तो? यूं तो बारिश सुकून देती है, पर अगर ये बारिश ही मुसीबत बन जाए तो? कुछ ऐसा ही हाल है इंग्लैंड के एक गांव का, जहां बारिश ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और लगातार 81 दिनों से वहां बारिश ही हो रही है। हालत ये है कि जानवर तक अब बाहर निकलने से कतरा रहे हैं, इंसानों की बात ही छोड़ दें। ये गांव है इंग्लैंड का वेल्श गांव। जहां पर 26 अक्टूबर 2015 से अब तक हर रोज बारिश हो रही है। इतनी बारिश, कि लोगों को सूर्य देव के दर्शन दुर्लभ हो गए हैं। सर्द मौसम की मार ऊपर से पड़ रही है। और यही वजह है कि बरसाती सितम के मारे ये गांव अब अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में आ चुका है। स्थानीय पार्षद और किसानी का काम करने वाले जॉन डेविज(52) का कहना है कि बारिश तो पहले भी होती थी, पर इतने दिनों तक कभी नहीं हुई। मेरी जानकारी में तो बिल्कुल भी नहीं। हां, हर साल ऐसा मौसम जरूर आता है, जब 10 दिनों तक लगातार बारिश हुई हो, या 30 दिनों तक भी। पर इस बार तो हद ही हो गई है।

13 साल का बच्चा देगा 12वीं की परीक्षा

तेरह साल की उम्र में बारहवीं पास करने के जुनून ने वंशीधर को सुर्खियों में ला दिया। खेलने की उम्र में बारहवीं की परीक्षा की तैयारी कर रहा एक बालक इन दिनों बड़े- बड़ों के होश उड़ाने का काम कर रहा है। दरसअल, छिंदवाडा के चंदनगांव में रहने वाला तेरह साल के वंशधीर को शिक्षा विभाग ने उसकी योग्यता को देखते हुए बारहवीं की परीक्षा देने की अनुमति भी दे दी। वंशधीर के परिवार की आर्थिक हालत इतनी बेहतर नहीं है कि वह ट्यूशन लगा सकें। यही वजह है कि वह खुद ही पढाई करता है। वंश प्रदेश और देश में छोटे बच्चों के लिए मिसाल बन गया है। यही वजह है कि वंश से बारहवीं कक्षा के बड़े छात्र न केवल सलाह मांगते हैं, बल्कि उसके नोट्स को भी ले जाते हैं। उसके पिता परमजीत सिंह का कहना है कि तीरंदाजी में वंश बेहद तेज है, लेकिन इसके लिए जरूरी सामान न होने से वह काफी निराश हो जाता है। संयोग ऐसा है कि वो खेलने और पढ़ने दोनों में अव्वल है।

जानलेवा बीमारी है ब्लड पॉयजनिंग

ब्लड पायजनिंग के बारे में सुनने पर आपके जहन में ब्लड में जहर आने की कल्पना घूमने लगती होगी। लेकिन वास्तवकिता में इसका जहर के साथ कुछ लेना देना नहीं होता है। यह एक खतरनाक अवस्था है और तत्काल उपचार इससे बचने की कुंजी, इसलिए इसे पूरी तरह से समझना बहुत महत्वपूर्ण है। ब्लड पॉयजनिंग बैक्टीरिया के कारण होने वाला संक्रमण है जो एक घातक स्थिति है। बहुत सारे मरीज इस अवस्था के निदान में विफल रहते हैं और बहुत लंबे समय तक इसे नजरअंदाज करने के कारण यह समस्या जानलेवा भी हो सकती है। इसलिए इस समस्या के बारे में पता होना जरूरी है ताकी आप बीमारी के बारे में अपने डॉक्टर को सही समय पर सचेत कर सकें।

जानलेवा संक्रमण है ब्लड पॉयजनिंग

ब्लड पॉयजनिंग को सामान्यतः सेप्टिसीमिया या सेप्सिस के रूप में भी जाना जाता है, और यह जानलेवा संक्रमण खून में बैक्टीरिया की उपस्थिति के कारण होता है। बैक्टीरिया के खून में प्रवेश करने पर यह शरीर के किसी भी भाग में संक्रमण पैदा कर ब्लड पॉयजनिंग का कारण बन सकता हैं। इस संक्रमण में व्यक्ति के रक्त में श्वेत रक्त कणिकाओं की संख्या बहुत अधिक हो जाती है।

ब्लड पॉयजनिंग के कारण

सेप्सिस, वायरस, फंगस, बैक्टीरिया और परजीवी जैसे संक्रामक एजेंटों के माध्यम से होता है। सेप्सिस पैदा करने वाले सबसे आम व्यापक रूपों में आमतौर पर पेट, फेंफड़े या मूत्र मार्ग में मौजूदा संक्रमण, शैड्यूल 4 ड्रॉग्स उपयोगकर्ता द्वारा दूषित की गई सुई या सिरिंज और कैंसर या मधुमेह जैसे संक्रामक रोगों से ब्लड पॉयजनिंग का खतरा बढ़ सकता है।

ब्लड पॉयजनिंग का निदान

ब्लड पायजनिंग का आत्म निदान मुश्किल होता है। अगर आपको सेप्सिस है तो इसको निर्धारित करने का सबसे अच्छा तरीका तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना होता है। आपको इस तरह के लक्षण दिखने पर चिकित्सक की सलाह से तुरंत ब्लड टेस्ट, यूरीन टेस्ट, बलगम टेस्ट, स्टूल टेस्ट, एक्स-रे, सीटी स्कैन, एमआरआई स्कैन या इकोकार्डियोग्राम करवाना चाहिए। इसके इलाज के लिए संक्रमण की शुरूआत में एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती हैं और कोशिश की जाती है कि संक्रमित अंग को आसानी से संक्रमणमुक्त किया जा सकें।

खतरा बढ़ने के कारण

- हाल ही में हुई सर्जरी या बीमारी के कारण अस्पताल देखभाल की जरूरत।
- कीमोथेरेपी या कैंसर के कारण कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली।
- मधुमेह के कारण प्रतिरक्षा में कमी।
- बुजुर्ग लोगों में कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण।
- आक्रामक डिवाइस के साथ चिकित्सा उपचार।
- रहने की अस्वास्थ्यकर स्थिति।

ब्लड पॉयजनिंग के लक्षण

- रोगी का रक्तचाप तेजी से घटना-बढ़ना।
- हृदय की गति बढ़ जाना।
- रक्तस्राव होना।
- अन्य कई महत्वपूर्ण अंगों का अपना काम बन्द करना।
- मानसिक गड़बड़ी होना।

रेसिपी

उन्नी अप्पम

सामग्री

1 कप चावल, भिगोकर छाना हुआ
1 कप कसा हुआ गुड़
1 टेबल-स्पून घी
1/2 कप कटा हुआ नारियल
1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर
नारियल का तेल/ अन्य तेल, तलने के लिए

विधि

चावल और गुड़ को मिलाकर मिक्सर में थोड़े पानी के साथ गाढ़ा पेस्ट बना लें। जरुरत हो थोड़ा पानी मिलाएं। कढ़ाई में घी गरम करें, नारियल डालकर, मध्यम आंच पर उनके सुनहरा होने तक, लगातार हिलाते हुए भुन लें। चावल और गुड़ के पेस्ट में नारियल के टुकड़े, इलायची पाउडर और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और मुलायम घोल बना लें। कढ़ाई में तेल गरम करें, चम्मच भर घोल डालकर, मध्यम आंच पर उनके सुनहरा और करारा होने तक तल लें। इसके अलावा, आप इन्हें अपने हाथों से गोल आकार में बनाकर तल सकते हैं। बचे हुए घोल का प्रयोग कर और उन्नी अप्पम बना लें। सुलभ सुझाव एक बार में 8-10 अप्पम डालकर तलें।

आलू फ्रेन्की

सामग्री

1/2 टेबल-स्पून तेल/मक्खन, 1 टी-स्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1 3/4 कप उबले, छिले और मसले हुए आलू, 3/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून गरम मसाला, 1/2 टी-स्पून चाट मसाला (ऐच्छिक), 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून अमचूर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टी-स्पून गरम मसाला, नमक सवादअनुसार, 3 टेबल-स्पून पानी, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 3/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टी-स्पून अमचूर

विधि

कढ़ाई में तेल/मक्खन गरम करें, अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुनें। आलू, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, चाट मसाला, धनिया और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और 2 मिनट तक भुनें। एक तरफ रखें। एक रोटी को साफ सूखी जगह पर रखें और आलू के भरवां मिश्रण के 1/4 भाग को रोटी के बीच लंबी कतार में रखें। उपर मसाला पानी का 1/4 भाग और 1 टी-स्पून चिलीस् इन विनेगर पूरी तरह से फैला लें। प्याज मसाला मिश्रण के 1/4 भाग को डालकर अच्छी तरह बंद कर लें। बचे हुए सामग्री का प्रयोग कर 3 और फ्रेंन्की बनाएं। प्रत्येक रैप में टिशू पेपर लपेटकर तुरंत परोसें। चिलीस् इन विनेगर के लिए, 3 टी-स्पून सफेद विनेगर को 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च के साथ मिलाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)